HRA AN USIUS The Gazette of Indias

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

do 24] No. 24] नई बिस्नी, सनिवार, जून 14, 1975 (ज्येष्ठ 24, 1897)

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 14, 1975 (JYAISTHA 24, 1897)

इस भाग में भिन्म पुष्क संस्था थी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ।।।_..खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उथ्य म्बाबालवाँ, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा भागोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

गृह मंद्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई विल्ली-110001, दिनांक 19 भ्रप्रैल 1975

सं० मो० IJ-40/69-स्थापना—ले० कर्नल छत्तर सिंह ने उनके माई० टी० बी० पी० में पुनः नियुक्ति के रूप में कमांडेन्ट के पद पर नियुक्ति होने पर ग्रुप सेंटर के० रि० पुलिस दल, देवली में कमांडेन्ट के पद का कार्यभार 16-3-1975 (अपराह्न) को त्याग दिया।

उनकी सेवाएं केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से सम दिनांक से ध्याप्त की आएंगी।

चिनांक 7 मई 1975

सं० श्रो०-∏ 878/69-स्थापना—श्री ए० एस० भटनागर ने वार्द्धक्य की श्रायु प्राप्त करने के फलस्वरूप महानिदेशालय के० रि० पु० दल, नई दिल्ली में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) सी० पी० ए० यू० के पद का कार्यभार 30-4-75 श्रपराह्म को स्थाग दिया।

दिनांक 9 मई 1975

सं० श्रो० I[-1010/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर देविन्द्रा कुमार प्रधान को तदथं रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में किनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

से नियुक्त करते हैं 1---106GI/75 2. डाक्टर देविन्द्रा कुमार प्रधान को बेस हासपिटल सी० घार० पी० नई दिल्ली में नियुक्त किया जाता है। भ्रौर उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 5-3-1975 पूर्वाह्म में संभाल लिया है।

दिनांक 12 मई 1975

सं० ग्रो० II-1009/75-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर दिनेश कुमार जैन को तदर्थ रूप मे पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल मे कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर दिनेश कुमार जैन को 39 बटालियन सी० ग्रार० पी० में नियुक्त किया जाता है श्रीर उन्होंने ग्रपने पद का कार्यभार दिनांक 18-3-1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

> एस० एन० माथुर सहायक निवेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय श्रनुवाद ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1975

फा० सं० II(1)28/72-प्रणा०——केन्द्रीय प्रनुवाद ब्यूरो के विरिष्ठ अनुवादक श्री देवलाल को छुट्टी के दौरान दिनांक 14-4-75 से 11-7-75 तक तदर्थ श्राधार पर अनुवाद श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

गोबिन्द मिश्र निदेशक

केरद्रीय सतर्कता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1975

मं० 2/12/73-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एतद् हारा श्री भ्राई० के० सोबती, सहायक प्रभियन्ता, पश्चिमी रेलवे, को 1-5-75 पूर्वाह्न से श्रगले भ्रादेश तक केन्द्रीय सतर्कता भ्रायोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी/परीक्षक नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिधे अपर सचिव **इ**ते केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

समन्त्रय निदेशालय पुलिस बेतार

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रप्रैल 1975

सं० ए० 38/5/74-वायरलैंस—-श्री पी० जे० जिकरिया को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में दिनांक 14 श्रप्रैंल 1975 (पूर्वाह्न) से 14 श्रक्त्वर 1975 (श्रपराह्न) तक के लिये श्रितिरक्त सहायक निदेशक के पद पर स्थानापत्र रूप में रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है।

छत्नपति जोशी निदेशक पुलिस दूर संचार

वित्त मंत्रालय (ग्रर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनौंक 5 स्प्रप्रैल, 1975

सं० 26/ए०—श्री टी० एन० बलबी स्थायी नियंखण नवीन चतार्थ पत्र मुद्रणालय नासिक रोड को नवीन चतार्थ पत्र मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राजपितत पद) एतद्द्वारा तदर्थ रूप में छः महीने के लिए श्रथवा तब तक नियंत्रित रूप में जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए उप नियंद्रण श्रधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रू० 650-30-740-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 में 17 मार्च, 1975 के पूर्वाह्र से नियुक्त किया जाता है।

वि० ज० जोशी महाप्रबंधक

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला दिल्ली-12, दिनांक 18 श्रप्रेल 1975

सं० 6/1975—श्री डी० के० राये, रसायन सहायक ग्रेड-I राजकीय श्रफीम व क्षाराभ कारखाना, गाजीपुर को दिनांक 27 फरवरी, 1975 (पू०) से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक

सीमाशुल्क प्रयोगणाला, कलकत्ता में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियक्त किया गया है।

> वे० सा० रामनाथन मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय बिहार

रांची-2, दिनांक 3 मई 1975

महालेखाकार बिहार, श्रपने कार्यालय के श्री गौड़ वर्ण सरकार-स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 30-4-75 के पूर्वाह्म से श्रगला श्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक के पद पर सहवं पदोन्नत करते हैं।

^र दिनांक 6 म**ई** 1975

महालेखाकार बिहार, ग्रपने कार्यालय के श्री गौड़ हिर मंडल स्थायी ग्रनुभाग श्रधिकारी को इसी कार्यालय में विनांक 17-3-75 के पूर्वाह्म से श्रगला श्रावेश होने तक स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर सहष् पवोन्नत करते हैं।

बच्चू प्रेसाद सिन्हा वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

श्रीनगर, दिनांक 23 श्रप्रैल 1975

महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने भ्रागामी भावेश तक के लिए इस कार्यालय के मधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री ग्रब्युल ग्रहव को 19 मग्रेल, 1975 के पूर्वाह्न से लेखा मधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> पी० के० बोस वरिष्ठ उप-महालेखाकार प्रशासन तथा ग्रधिकरण

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1975

सं 0 18342/प्रणा०-II—राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखासेवामो के एक प्रधिकारी श्री श्रार० पटनायक, को वरिष्ठ प्रणासकीय ग्रेड स्तर-I (रु० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप से 25-12-1973 से 17-2-1974 की श्रवधि के दौरान सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 68018(II)/71-प्रशा०-II---राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखा सेवाग्रों के निम्नलिखित प्रधिकारियों को ग्रनुकम नियम के प्रश्नीन वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड स्तर-I (१० 2500-125/2-

2750) में स्थानापन्न रूप से उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से ऋगले ब्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

कम प्रधिकारी का नाम सं०	तारीख जिससे नियुक्त किये गये
1. श्री जी० सी० कटोच	1-1-1973
2. श्री जे बी • मार्टिन	1-1-1973
3. श्री के० ए० लक्ष्मी नारायणन	1-1-1973
4. श्री बी० एला० जैन	1-1-1973
5. श्री एस० जी० दूबे	1-1-1973
6. श्रीटी० श्रार० एस० मूर्ति	1-1-1973
7. श्री ग्रार० एस० गुप्ता	15-2-1973
8. श्री बी० एस० भीर	18-2-1974

सं० 18342/प्रणा०-II—-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा सेवाग्रों के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को वरिष्ठ प्रणासकीय ग्रेड स्तर-I (इ० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप से उनके ने के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	प्रधिकारी का नाम	तारीख जिससे नियुक्त किये गये
 1. श्री	जे० पी० क द कड़	1-1-1973
2. श्री ब	गी० जी० कामथ	1-1-1973
3. श्री	सी० पी० रामाचन्द्रन	1-1-1973
4. श्री	बहादुर मुराब	1-1-1973
5.श्रीः	बी० एम० मेनन	1-1-1973
6. श्री	बी० एम० प्रभु	1-1-1973
7.श्रीए	रन० बी० सी० सेकरैया	1-1-1973
8. श्री	ग्रार० वे न्कटरामन	15-2-1973
9 श्री	के० राममूर्ति	6-4-1973
10. श्री	सी० एल० चौधरी	1-10-1973

दिनांक 1 मई 1975

सं० 40011(2)/74-प्रणा० ए०--वार्धक्य निवर्तन की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को भ्रन्तरित किया जाएगा :--

	नाम, रोस्टर सं० सहित		ग्रेड	पेंशन स्थापना को म्रांतरण की तारीख	संगठन
सर्वधी					
1. 4	ी० बी० राममूर्ति (पी०/5) .		स्थायी लेखा म्रधिकारी	30-6-75 (भ्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकता (वित्त मत्नालय नई दिल्ली मे प्रतिनियुक्ति पर)
2. ਟੀ	ो० एस० नटराजन (पी०/7) .	٠	स्थायो लखा म्रधिकारी	31-7-75 (श्राराह्न)	रक्षा लखा नियंत्रक, (ग्रन्य श्रेणी) दक्षिण, मद्रास
3. Q	च०सी०कंबर . (पी०/116)	-	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-6-75 (ग्रनराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेशन) इलाहाबाद
4. Ý	ी० एन० मल्होन्ना (पी०/632) .		स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-6-1975 (श्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य श्रेणी) उत्तर, मेरठ
5. s	ी० एल० दसा (भो०/⊥82) .		स्थानापन्न लेखा ऋधिकारी	30-6-1975 (भ्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियत्नक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
, G, ⅓	गर० सुत्रमनियन (श्रभी नियत नहीं) .		स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-6-75 (ग्रपराह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेणन) इलाहाबाद

दिनांक 12 मई 1975

क्रम सं०	्नाम	पुष्टि की तारी ख
1.	श्रीजननप्रकाश ,	2-12-1973
2.	श्री गुर स्वरूप गील	20-9-1973
3.	श्री एम० जी० ग्रग्रवाल	20-9-1973
4. 5	श्री बी० सारंगपानी	13-10-1973
5. 1	श्रीके० जगन्नाथन	20-9-1973
6. 4	श्री एस० पी० खन्ना	20-9-1973
7. 5	श्री सी० जी० रामानाथन	25-10-1973
8. 8	श्री बी० डी० नरसिम्हन्	1-11-1973
9. 8	भी पी० के० वीराराघवन	4-10-1973
10. वृ	हु० हरजीत कौर सन्ध्	16-7-1974
11. वृ	७० बुलबुल छि ब्बर	16-7-1974
12. 9	ç० इन्दु तिवार <u>ी</u>	16-7-1974
13. 3	त्री तारा पद मण्डल	16-7-1974
14.	श्री प्रेम सिंह	16-7-1974
15. 8	त्री एस० के० मेहता	25-10-1974
16. %	गी बी० नरसिम् हन	25-10-1974

सं० 29014(3)/69/प्रशा०-II--भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड में 16-8-74 (पूर्वाह्म) से लोक हित में स्थायी रूप से समाहृत हो जाने पर श्री श्रार० एस० गुप्ता ने भारतीय रक्षा लेखा सेवा में से श्रपनी नियुक्ति स्वत्व त्याग दिया है। तदानुसार उनको उसी तारीख से इम विभाग की नौकरी से निकाल दिया गया है।

दिनांक 14 मई 1975

सं० 86016 (13)/75-प्रशा -II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेना के श्री चरनजीत लाल को कनिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड (६० 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में 31--3-75 (पूर्वाह्म) से श्रगले ग्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० के० सुन्दरम रक्षा लेखा भ्रपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मन्द्रालय भारतीय घार्जनैस फैक्ट्रियां सेवा महानिदेशालय, आर्डीनेंस फैक्ट्रियां

कलकत्ता-16, दिनांक 14 श्रप्रैल 1975

सं० 15/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति भ्रायु प्राप्त कर श्री जे० जी० वेलन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 28 फरबरी, 1975 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

सं 0 14/जी 0/75— वार्धक्य निवृत्ति स्रायु 58 वर्ष प्राप्त कर निम्नलिखित श्रधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा से निवृत्त हुए:---

नाम एवं पद	दिनांक				
 श्री ए० एन० राय, स्थानापन्न	28 फरवरी, 1975				
उप-महा-प्रबन्धक (स्थायी प्रबन्धक)	(श्रपराह्म)				
 श्री धार० सी० घोष, स्थानापक्ष	28 फरवरी, 1975				
प्रबन्धक (स्थायी उप-प्रबन्धक)	(श्रपराह्म)				

सं० 17/75/जी०—राष्ट्रपति, श्री टी० के० चक्रवर्ती स्था-नापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फौरमेन) को 58 वर्ष की श्रायु के बाद विनांक 1ली श्रक्तूबर, 1974 से एक वर्ष की सेवा वृद्धि स्वीकृत करते हैं।

दिनांक 22 भ्रप्रैल 1975

सं० 17/75/जी०---वार्धंक्य निवृत्ति द्यामु (58 वर्ष) प्राप्त कर निम्नलिखित श्रिधिकारी गई प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए:---

नाम एवं पद	तिथि
1. श्री एम० एम० बोस, स्थायी टी० एस० भ्रो	ो० 30 भ्रप्रै ल, 1974
	(ग्रपराह्न)
 श्री पी० के० राय चौधुरी, स्थानापम 	31 विसम्बर, 1974
टी० एस० ग्रो० (स्थायी फोरमन)	(ग्रपराह्म)
3. श्री एम० एस० पाला, स्थानापन्न	31 जनवरी, 975
टी० एस० श्रो० (स्थायी फोरमैन)	(श्रपराह्म)

सं० 18/75/जी०—एक वर्ष तक की सेवा वृद्धि की स्वीकृति की समाप्ति पर, श्री ए०एस० मार्गबन्धु, स्थानापन्न, टी० एस० ग्रो० (स्थायी स्टाफ ग्रसिस्टेंट) दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1974 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 19/75/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्व प्रवकाश की समाप्ति पर, श्री श्रली हसन, स्थानापन्न श्रफसर सुपरवाइजर (स्थायी निरीक्षक) विनांक 31 विसम्बर, 1974 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> एम० पी० म्रार० पिल्लाय सहायक महानिदेशक, म्रार्धनैन्स फैक्ट्रियां

श्रम मत्नालय श्रम ब्यूरो,

णिमला-4, दिनाक 11-6-1975

नम्बर 23/3/75-सी० पी० आई० अप्रैल, 1975 में आैद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूत्य-सूचकांक (आधार वर्ष 1960 = 100) मार्च, 1975 के स्तर से दो अंक वढ कर 323 (तीन सो तेईस) रझा। अप्रैल 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 393 (तीन सौ तेरानवे) आता है।

कृष्ण कुमार शाटिया निदेशक

वाणिज्य मचालय

मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय ग्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण नर्ष दिल्ली, दिनांक 25 ग्रप्रैल 1975

सं० 6/1039/74-प्रशा० (राज०) — मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्द्वारा विषणन तथा निरीक्षण निदेशालय, कृषि तथा सिचाई मंत्रालय, राजकोट के विषणन प्रश्लिकारी थी एस० एच० ग्रार० हुष्मी को 29 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से प्रगले ग्रादेश जारी होने तक मंगुक्त मुख्य नियंत्रक खायात-निर्यात का कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप में नियंत्रक क्लास-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० एच० श्रार० हष्मी 650-30-740-35-810-द० श्र०-35-880-40-1000 - द०श्र०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नियमों के श्रनुसार वेतन प्राप्त करेंगे ।

> ए० टी० मुखर्जी उप-मुख्य नियंत्रकः, श्रायात-नियति कृते मुख्य नियंत्रकः, श्रायात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 25 श्रप्रैल 1975

सं० 6/1021/74-प्रशा० (जी०) — सेवा निवर्तन आयु प्राप्त करने पर केन्द्रीय सचियालय सेवा के वर्ग 4 के स्थायी अधिकारी श्री बी० एल० शर्मा ने इस कार्यालय में 31 मार्च, 1975 के अपराह्म को नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनाक 28 भ्रप्रैल 1975

सं० 6/518/58-प्रशा० (जी०)—-राष्ट्रपति, सयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एस० पी० दीवान, उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात (केन्द्रीय सिववालय सेवा से इतर) को उपर्युक्त कार्यालय में 3 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से 3 मास की अर्याध के लिए उप-नियंत्रक, लोहा तथा इस्पात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 6/88/54-प्रणा० (जी)—-राष्ट्रपति केन्द्रीय सिववालय सेवा की प्रवरण कोटि में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे आधिकारी श्री जे० शंकर को मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, न ई दिल्ली में 17-3-75 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते है।

सं० 6/823/67-प्रशा० (जी०) ——स्वैच्छिक निवृत्ति प्राप्त करने पर संयुक्त मुख्य नियंत्नक, श्रायात- निर्यात के कार्यालय वस्बई में श्रीमती एस० एल० कृपलानी ने 28 फरवरी 1975 के श्रपराह्न से नियंत्रक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

> बी० डी० कुमार मुख्य नियंत्रक्ष, भ्रायात-निर्यात

काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन गांधीधाम, दिनाक 15 ऋप्रैल 1975

सं० एफ० टी० जेड०/ए० डी० एम० एन०-7/2/1974— प्रिंधसूचना क्रमांक ए/12018/1/72 ई० ग्राई० दिनाक द्वितीय जनवरी, 1975 को ध्यान में रखते हुए जिसमें कि प्रशासन प्रधिकारी की पद-नियुक्ति के परिवर्तित ग्रादेश जारी किये गये हैं, श्री यू० जे० बहारमलानी की पद नियुक्ति प्रशासन-प्रधिकारी, काण्डलो मुक्त व्यापार क्षेत्र, जिसका वेतनमान ६० 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०- 40 1200 के पद पर प्रगला प्रादेश जारी होने तक, 22-3-1975 से कर दी गई है।

एन० विट्ठल, विकास स्रायुक्त काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र

उद्योग एवं नागरिक पूर्ति महालय

अद्योगिक विकास विभाग
विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रप्रैल 1975

सं० ए०-19018/16/75-प्रशासन (राजपल्लित)— विकासायुक्त लघु उद्योग, लघु उद्योग सेवा संस्थान इन्दौर में स्थायीवत् लघु उद्योग संवर्द्धन ग्रधिकारी (ग्रीद्योगिक प्रबन्ध व प्रणिक्षण) श्री एल० पी० गंगवार को लघु उद्योग सेवा सस्थान कटक में प्रागामी श्रादेशों तक श्रीद्योगिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापश रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री एल० पी० गंगवार ने पिन्चिस फरवरी 1975 की पूर्वाह्न को लघु उद्योग सेवा संस्थान कटक के श्रौद्योगिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

> के० वी० नारायणन निदेशक, (प्रशासन)

पूर्ति तथा नियटान महानिदेशालय (प्रणासन शाखा 1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 अप्रैल 1975

सं० प्र०-1/1(962)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतदद्वारा श्री के० के० हलदर को दिनांक 5-4-1975 के पूर्वाह्म से तथा श्रागागी श्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन शाखा 6)

दिनांक 23 ग्रप्रैल 1975

सं० ए/17011/88/75-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्दारा निरीक्षण निदेशक, उत्तर निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्याक्षय में भड़ार परीक्षक (इंजी) श्री डी० एल० तलवाड़ को 7-4-75 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण श्रीधकारी (इंजी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> कें० एल० कोहली, उप निदेशक (प्रशासन), कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन गाखा-1)

नई दिल्ली-1 दिनांक 17 श्रप्रेंल 1975

प्र-1/1(1022) महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा उप महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में अवर क्षेत्राधिकारी श्री सुबलेन्द्रदास को 22 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म से तथा आग्रामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सुबलेन्दु दास की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी तथा श्री एम० कुप्पूरकामी द्वारा उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में क्षायर दीवानी याचिका रा० 739/11 के निर्णय के श्रधीन होगी।

दिनांक 26 अप्रैल 1975

सं० प्र०-1/1(1023)-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतदद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री डी० पी० गौड को दिनांक 26 मार्च, 1975 के पूर्वाह्र से आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-11) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गौड की सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के पद पर नियुक्ति पूर्णत: श्रस्थायी तथा श्री एम० कुणुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर याचिका सं० 739/71 के निर्णय के स्रधीन होगी।

दिनांक 6 मई 1975

सं० प्र-1/1(455)—-राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) श्री टी० ए० श्रवतरमानी को दिनाक 15 श्रप्रैल,

1975 के पूर्वाह्न से तथा श्रागामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय बम्बई में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन शाखा 6)

दिनाक 23 अप्रैल 1975

सं० ए०/17011/89/75-प्र-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतदब्वारा कलकत्ता निरीक्षण मंद्रल में भंडार परीक्षक (बस्त्र) श्री पी० एन० मुखर्जी को दिनांक 17-3-75 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (बस्त्र) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 भ्रप्रैल 1975

स० ए-17011(83)/75-प्र-6—राष्ट्रपति, धंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1973 के परिणाम के भ्राधार पर नामित प्रत्याशी श्री श्रशोक कुमार वर्मा को दिनांक 3-3-75 से भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) की इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-III में नियुक्त करते हैं।

श्री वर्मा ने दिनांक 3-3-75 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय मे निरीक्षण ग्रिधिकारी (इंजी) का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 1 मई 1975

सं० प्र-6/247(83)/IV — स्थाई निरीक्षण निदेशक तथा भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न उप महानिदेशक (निरीक्षण) श्री पी० सी० कपूर दिनांक 28-2-75 के श्रवराह्म से निवर्तन श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये ।

के० एल० कोहली, उप निदेशक' (प्रशासन)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 17 मई 1975

> ए० के० राघवाचारी, प्रवर प्रशासन स्रधिकारी, भारतीय खनि विभाग

नागपूर, दिनाक 19 श्रप्रैल 1975

स० ए० 19011(80)/70-सिब्बन्दी ए---राष्ट्रपति श्री मोहम्मद श्रनवर, सहायक खान नियन्नक, भारतीय खनि विभाग को दि० 12 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खनि विभाग में उप खान नियन्नक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० एन० भार्गव, नियत्नक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-13, दिनाक 2 मई 1975

स० 2251 (के० के० डी०)/19 बी---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ड्रीलर श्री के० के० दे का निधन 28 फरवरी, 1975 को हो गया।

स० 40/56/सी/19ए--महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ब्यक्तिक सहायक श्री सुधामय चक्रवर्ती को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेंतनमान में नियमानुसार बेतन पर 5 मई 1975 के पूर्वात्न में श्रगला श्रादेण दिये जाने तक, पदोन्नति द्वारा नदर्थ रूप में सहायक प्रशासनिक श्रिधकारी, नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 13 मई 1975

संख्या 40/59/सी/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्न लिखित अधीक्षको को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में भ्रगले आदेश तक उनके नामों के आगे दी गई तारीख से तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है।

ऋ० स ०	नाम	नियुक्ति की तारीख
2 भी ए	णान्ति रजन भट्टाचार्जी एम० एन० चौध्रुरी तारापद मुखर्जी	3-5-75 (पूर्वाह्न) 5-5-75 (पूर्वाह्न) 5-5-75 (पूर्वाह्न)

सी० करूणाकरन् महानिवेशक

भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनाक 12 मई, 1975

स० एफ० 92-83/74-स्थापना—-श्री क्यपा सुधाकर, को भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के प्रधान कार्यालय, कलकला के श्रन्तर्गत श्रस्थायी श्राधार पर सहायक प्राणि वैज्ञानिक (राजपत्नित द्वितीय श्रेणी) के रूप में, 19 श्रप्रैल, 1975 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी आदेशो तक नियुक्त किया जा रहा है।

एफ 92-84/74-स्थापना—डा० म्रार० सी० सुट्या राजू को सहायक प्राणि वैज्ञानिक (राजपित द्वितीय श्रेणी) के रूप में अस्थायी आधार पर भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के हाई ग्रल्टीच्यूड जूलोजी कीव्ड स्टेशन, सोलन के अन्तर्गत 9 अर्प्रल, 1975 (पूर्वाह्म) ने ग्रागामी प्रादेशा तक नियेक्त किया जाता है।

> डा० स० खेरा, उप निदेशक कार्यभारी, भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वे० विभाग

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनाक 28 स्रप्रैल, 1975

केन्द्रीय सिविल सेवाए (ग्रस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) के ग्रन्तर्गत निर्मित सेवा समाप्ती का नोटिस

स० ई-1-4955/पी० एफ० (एम० आई० हक)—केन्द्रीय सिविल सेवाए (ग्रम्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसार श्री मोहम्मद इम्तियाजुल हक, अधिकारी, सर्वेक्षक की एतद्द्वारा नोटिस दिया जाता है कि इस नोटिस के सरकारी राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से एक महीने की अवधि के ममाप्त होने के बाद की तारीख से उनकी सेवा समाप्त हो जायेगी क्योंकि उन्होंने तारीख 10-10-72 के नोटिस की पावती नहीं भेजी है।

हरी नारायण, महासर्वेक्षक भारत (नियुक्ति प्राधिकारी)

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय सम्राहालय

कलकत्ता-13, दिनाक 25 मार्च, 1975

स० 4-104/74-स्था०—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री जोगेण्वर महत की इस सर्वेक्षण के प्रधान कार्यालय, कलकत्ता में महायक मनोवैज्ञानिक के पद पर 15 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म में अस्थायी आधार पर अगले आदेशो तक नियुक्त करते हैं।

स० 4-105/74-स्था०—भारतीय मानव विज्ञान तिर्बेक्षण के निदेशक, श्री धसीम कुमार ध्रधिकारी को इस सर्वेक्षण के प्रधान कार्यालय, कलकत्ता में सहायक मानव विज्ञानी (सास्क्रृतिक) के पद पर 18/3/75 के पूर्वाह्न से श्रस्थायी श्राधार पर श्रगले भादेशों तक नियुक्त करते हैं।

दिनाक 4 श्रप्रैल 1975

स० 4-111-/75-स्था----निदेशक भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण श्री विकास भट्ट को, सर्वेक्षण के क्षेत्रीय मानव विज्ञान सग्रहालय, जगदलपुर मे सहायक कीपर के पद पर 12 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रस्थायी श्राधार पर ग्रगले श्रादेशों तक नियेक्त करते हैं।

दिनांक 5 **भ्रप्रै**ल 1975.

सं० 4-101/74-स्था०—िनिदेशक, भारतीय मानविज्ञान सर्वेक्षण के श्री राजेन्द्र सरकार की इस सर्वेक्षण के उत्तर-पश्चिम स्टेशन, देहरादून में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 24 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से श्रस्थायी श्राधार पर श्रगले श्रादेशों तक नियुक्ति करते हैं।

सी० टी० थोमस, वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मई 1975

स० फा० 11-2/74-ए-1—श्रिभिलेख-निदेशक, भारत सरकार इसके द्वारा श्री श्रोम् प्रकाश भुगरा, सहायक माइकोफोटो-ग्रेफिस्ट (पदक्रम 1) को दिनांक 28 अप्रैल 1975 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त तदर्थ श्राधार पर माइकोफोटोग्राफिस्ट के रूप में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्त करने हैं।

सं० फा० 11-3/74-ए-1--- प्रभिलेख-निदेशक, भारत सरकार इसके द्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक रसायनज्ञ (पदकम 1) को दिनांक 2 मई, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, तदर्थ प्राधार पर वैज्ञानिक श्रिधकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्त करते हैं।

प्रशासन-ग्रधिकारी, राष्ट्रीय अभिलेखागार, कृते अभिलेख-निदेशक

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनाक 16 अर्थल. 1975

सं० ई-11 (7) :—-इस विभाग की श्रधिसूजना स० ई--11 (7) दिनाक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 2 के श्रधीन - नाइट्रेट सिक्सचर, ''श्रक्वाडाइन -11'' की प्रविष्ट में संख्या ''1975'' के स्थान पर संख्या ''1976'' प्रतिस्था-पित की जापेगी।

> धंगुव नरीसह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियंन्त्रक

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 19 ग्रप्रैल, 1975

सं० 4/84/75-एस-एक :—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ए० श्रार० हाडिकर, को 31 मार्च, 1975 से श्रग्रेतर श्रादेणों तक, आकाशवाणी , पूना में अस्थायी श्राप्तार पर . कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्पूटिव) के पद पर निष्कृत करते हैं।

सं० 4/27/75-एस-एक :— महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रा पस्तियम डी० शिरा को 29 मार्च, 1975 के श्रापाह्य से श्रद्वेतर श्रादेशों तक , श्राकाशवाणी, शिलाग में श्रह्मायी श्राप्तार पर, नार्यक्रम निष्पादक केपद पर निष्युवत करते हैं।

ेस० 4/73/-75 एस-एकं — महानिटेशक, आकाशवाणी, एन्डारा धीमनी विजया एम० जोगलेकर, को 19 मार्च, 1975 से अग्रेनर आदेशों तक दूरदर्शन केन्द्र , श्राकाशवानी बम्बई, में अरथायी श्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्युटीव) के पद पर नियक्त करते हैं।

सं० 5/117/67-एस-एक: — महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतदब्रारा श्री वाई० पी० सिंह प्रसारण निष्पादक (ट्रांसिमिशन एनजीक्य्टीव) को 12 मार्च, 1975 से श्रयंतर श्रादेशों तक दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोणाम एक्जीक्य्टीव) के पद पर निय्वत करते हैं।

र ० 4/35/75-एस एक :-- महानिदेशक, आकाशवाणो, एतद्द्वारा श्रीमती विजय लक्ष्मी सिन्हा को 21 मार्च, 1975 से अग्रेतर ग्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, पटना में श्रस्थायी ग्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5/16/67/-एस-एक :--- महानिदेशक, आकाशवाणी, गिन्द्द्वारा श्री एम० के० सर्वहें, प्रसारण निष्पादक द्रांसिमशन एक्जीक्प्टिव), आकाशवाणी, पूना को 27 मार्च, 1975 से अग्रेतर श्रादेशों तक, उमी केन्द्र पर, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्प्टिव) के पद पर निष्क्रत करते हैं।

स० 4/18/64- एस-एक :--- महानिदेशक, आकाशवाणी एतर्हारा श्री टी० गणेशन् , प्रमारण निष्पादक (ट्रांसिमिशन- एकजीक्यूटिव) , आकाशवाणी . तिरुचिरापल्ली को 15 मार्च, 1975 से अग्रंतर श्रादेणों तक, उसी केन्द्र पर, अस्थायी आधार पर, कार्यत्रम निष्पादक (प्रोग्राम एकजीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करवे हैं ।

स० 4/24/75-एस - एक :---- महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० सी० शाह को 22-3-75 से अग्रेतर ग्रादेशों तक, ग्राकाशवाणी, राजवीट में ग्रस्थायी आधार पर निष्णादक (प्रोधामं एकजीक्प्टिय) के पद पर नियुक्त करते हैं।

स० 5/42/70-एस-एक:— महानिदेशक, प्राकाशवाणी, एतद्बारा श्री एस० ए० हुङ्गुण्ड, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-समिशन एक्जीक्यूटिव), आकाणवाणी, धारवाड को 24 मार्च, 1975 से अग्रेतर श्रादेशों तक, आकाशवाणी, धारवाड में ग्रस्थायी ग्राक्षार पर, कार्येत्रम निष्पादक (प्रोग्नाम एक्जी-क्यटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 अप्रैल, 1975

स० । (16) 175 -एस -एक:-- महानिदेशक, स्राकाशवाणा, एतद्वारा श्रीमती के० तुलसी को 4 अप्रैल, 1975 से अग्रतर आदेशो तक, आकशवाणी, मदास में , अस्यायी आधार पर, कार्धक्रम दिष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (123) / 75-एस-एक:—— महानिदेशक, श्राकाशवाणी ऐनेंद्द्वारा श्री नव शर्मा को 5 श्रश्रेल. 1975 से अग्रेतर श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, गोहाटी में , श्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4 (75) / 75 एस-एक: — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्शारा श्री बी० डी० अन्तानी को 9 अर्प्रेल, 1975 से अभ्रेतर आदेणों तक, आकाशवाणी, कजु में अस्थायी आधार पर, कार्यत्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (36) /75 -एस-एक: — महानिदेशक, श्राका-शवाणी, एतद्वारा डा० उदयभान मिश्र को 2 श्रप्रैल. 1975 से अग्रेतर आहें शों तक आकाशवाणी, नई दिल्ली में, श्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (48)/75 -एस-एक :—-महानिदेशक, आकाश-वाणी, एतदद्वारा श्री जी०एस०कृष्णन् को 5 अप्रैल. 1975 से अग्रेतर श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, तिरुनेलवेली में ग्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (58) / 75 - एस- एक-:— महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतब्द्वारा श्री बी० के० गोधिन्दी को 31 मार्च, 1975 से अग्रंतर श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी, हैदराबाद में, ग्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर निम्कृत करते हैं।

स० 5 (75) / 61-एस-एक:— दिनांक 1-1-1975 से 30-4-1975 तक मंजूर की गई सेवा-निवृत्त पूर्व छुट्टी की समाप्ति पर, श्री ए०एच० बकं, कार्यक्रम निष्पादक रेडियो काश्मीर, श्रीनगर, दिनांक 30 श्रप्रैल, 1975 की श्रपराह, में सेवा-निवृत्त हो जाएगे।

सं० 4 (116) / 75 - एस - एक : — महानिदेशक, श्राकाश-बाणी एतट्डारा श्री इन्द्रराज बैंद को 7 ग्राप्तैल, 1975 से ग्रग्नेतर ग्रादेशों तक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, श्राकाशवाणी, जयपुर में श्रस्थायी ग्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (122) / 75-एस-एक:— महानिदेशक, आकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री माखन चन्द्र राजखोवा को 5 अर्प्रेल, 1975 में अयेतर ग्रादेशों तक ग्राकाशवाणी, गौहाटी मे, ग्रस्थायी ग्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते है ।

मं० 4 (11)/75 -एस-एक :--- महानिदेशक, श्राकाश-वाणी एतद्हारा श्री एम०एच० खान को 31 मार्च, 1975 से ब्रग्नेतर श्रादेणों तक, श्राकाणवाणी, गुलवर्गा में , श्रस्थायी श्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं। स० 5 (150) /67-एस-एक — महानिदेशक, आकाश-वाणी, एतद्हारा श्री एम० शशितारन् , प्रसारण निष्पादक, श्राकाशवाणी, कालीकट को 3 ग्रर्जल, 1975 से अग्रेतर श्रादेशो तक, श्राकाशवाणी, तिरुनेलवेली में , ग्रस्थाणी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हे ।

सं० 4 (92)/75-एस-एक: --- महानिदेशक, ग्राकाणवाणी एतद्द्वारा श्री श्रीकान्त दास को. 2 अर्प्रल, 1975 से ग्रग्नेतर श्रादेशों तक, ग्राकाणवाणी संबलपुर मे, श्रस्थायी ग्राधार पर, कार्यंत्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (66) / 75-एस-एक:—— माहानिदेशक, श्राकाश~ वाणी. एतदृद्वारा श्री कार्तिकेश्वर नायक को 31 मार्च, 1975 से अग्रेतर ग्रादेणों तक, ग्राकाणवाणी, कटक मे, अस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर निष्कृत करते हैं।

सं० 4 (111) / 75 - एस - एक : --- महानिदेशक, आकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री अथोस परनीन्डिस, क्लर्क ग्रेड - एक, श्राकाशवाणी, पणजीको पहली अर्जल, 1975 से, अग्रेतर श्रादेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियक्त करते हैं।

दिनांक 12 मई, 1975

सं० ए -30014 (2) / 74-एस -छ:— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० एस० पाने के, कृषि/रेडियो अधिकारी, श्राकाशवाणी, पूना को 23 फरवरी 1974 से उमी पद पर स्थायिवत् पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1975

सं० 2/39/60-एस-दो:— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन०एन० घोष , मुख्य लिपिक, आकाशवाणी, कलकत्ता को दिनांक 19-4-75 (पूर्वाह्न) से श्राकाशवाणी, रांची में तदर्थ श्राधार पर प्रशामनिक श्रिधकारी के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 13 मई 1975

सं० 2/23/61-एस-दो :— श्री मुहम्मद युसूफ प्रशा-सिनक श्रिधकारी, श्राकाशवाणी, हैदराबाद, श्रिधवार्षिक श्रायु प्राप्त करने पर, 30-4-75 को श्रपराह्न में सेवा निवृत्त हो गए।

> इन्द्र सेन पांधी, अनुभाग अधिकारी कते महानिदेशक

सिविल निर्माण स्कन्ध

नई दिल्ली, दिनांक श्रप्रेल, 1975

सं० ए-12023/2/74-सी० डब्स्लू०-1:— महानिदेणक, आकाशवाणी, श्री एस० के० दास को , 18-3-75 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध में सहायक अभियन्ता (सिविल) के रुप में नियुक्त करते हैं तथा उन्हें उप मंडलीय कार्यालय (सिविल) कलकत्ता , में तैनात करते हैं ।

के० बालसुक्रमणीयम् मुख्य इंजीनियर के इंजीनियरी ग्रधिकारी कृते महानिदेशक ।

सूचना और प्रसारण मंद्रालय पद्म सूचना कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

सं० ए 12026/3/74-स्टा० वि० मृख्य सूचनाः— श्रिधकारी केन्द्रीय सचिवालय सेवा में के चतुर्थ ग्रेड के स्थाई श्रिधकारी श्री एस० एन० व्रिपाठी, जो भारतीय समाचार पत्नों के रिजस्ट्रार नई दिल्ली में कार्य कर रहे हैं, पत्न सूचना कार्यालय कलकत्ता में प्रशासन श्रिधकारी के पद प्रतिनिधृक्ति के श्राधार पर नियुक्त करते हैं। यह प्रतिनिधृक्ति 22 अपल 1975 की प्रातः से तब तक के लिए लागू होगी जब तक इस संबंध में श्रागे श्रादेण नहीं दिये जाते ।

मदन मोहन शर्मा, सहायक मुख्य सूचना ग्रधिकारी कृते मुख्य सूचना ग्रधिकारी

स्वास्थय सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनाक 28 अर्प्रेल 1975

सं० 38-12/74 -सी एच० एस० -1 :--- श्रपने स्थानांतरण के परिणामस्यरुप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० छी० श्रो० ग्रेड-1 के श्रधिकारी डा० एस० डी० वोहरा ने 20 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म को केन्द्रीय स्वास्थ्य णिक्षा क्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई विल्ली. में उपसहायक निदेशक (जन स्वास्थ्य) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 29 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म को पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता, में पत्तन स्वास्थ्य श्रधिकारी के पव का कार्यभार ग्रेहण कर लिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 36-10/73-एडिमन - 1 :-- प्रत्यावर्तन होने के परिणामस्वरुप श्री राजकुमार सूरी ने विलि उड़न ग्रस्पताल, नई दिल्ली के प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार 25 मार्च, 1975 के प्रपराह्म में छोड़ दिया तथा उसी तारीख को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में धनुभाग श्रिधकारी के रद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

सं० 9-5/75-एडमिन-1: -- स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन ग्रीर सतर्कता निदेशक ने राजकुमारी ग्रमृतंकीर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली, की क्लिनिकल श्रनुदेशक कुमारी मनजीत कौर कात्यांगपत्र 10 मार्च, 1975 के अपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 29 अप्रैंल 1975

सं० 12-1/75-प्रशासन-1:—— उस्पात तथा खान मंत्रालय (इस्पात विभाग) में स्थानातंरण हो जाने परश्री श्रार० चक्रवर्ती ने 10 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्म को इस निदेशालय में श्रन्भाग श्रिभकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 1975

सं० 9-3/74-प्रशासन-1:—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में प्रशासन ग्रीर सतर्कता निदेशक ने कूमारी लीलम्मा इखाहिम को राजकुमारी ग्रमृत कौर परिचर्या महाविद्यालय नई दिल्ली में, 16 फरवरी 1975 से क्लिनिकल ग्रनुदेशक के पद पर ग्रस्थायी रूप में तथा ग्रागामी श्रादेशों तक नियुक्त किया है।

दिनाक 1 मई 1975

सं० 26-2 / 70-प्रशासन - 1: --- भारतीय भ्रायुविभान भ्रनुसंधान परिषद् में वैज्ञानिक के पद पर भ्रपनी नियुक्ति के परिणाम-स्वरुप डाकटर एस० जे० रहमान ने 31 श्रक्तूबर 1974 के भ्रपराह्म हे राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में भ्रनुसंधान श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 6 मई 1975

सं० 17-26/74-एडिमन-1:— राष्ट्रपित जी ने डा० पी० दास गुस्त को 28 श्रगस्त, 1973 ने स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशालय में भेषज्ञगुण विज्ञानी के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है ।

दिनांक 9 मई 1975

सं० 17-40/एडिमिन/1:— हैदराबाद में उप सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर्स) के पद पर ध्रपनी नियुक्ति के फलस्वरुप श्री एम० रिवकान्त ने 9 श्रप्रैल, 1975 के श्रपराह्म को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक सिचव (भारतीय भेषज संग्रह सिमिति) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 16 मई 1975

सं० 27-5/73-एडमिन -1:-- राष्ट्रपति जी ने डा० एस० पी० राम चौधरी को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान दिल्ली में, 22 मार्च, 1972 के पूर्वाह्न से उप सहायक निदेशक (रसायनज्ञ) के पद पर स्थायी रुप से नियुक्त किया है।

दिनांक 1975

सं० 10-7/74-एडमिन-1:— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ग्रसित रंजन सेन को केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में तकनीकी ग्रिधिकारी (प्राध्यापक) (श्रेणी 2 राज पत्रित) के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर 10 मार्च, 1975 के पूर्वाह्नन से ग्रागमी श्रादेशों तक नियुक्त किया है ।

दिनांक 19 मई 1975

र्रें सं० 17-14/75 -एडमिन - 1: -- राष्ट्रपति ने श्री दर्शन-सिंह चड्ड़ा को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय मे 25 श्रप्रैल, 1975 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों तक सहायक महानिदेशक (पी०एफ०ए०) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सहायक महानिदेशक (पी०एफ०ए०) के पद पर श्रपनी नियुक्ति के परिणामस्वरूप थ्री दर्शन सिंह चड्डा ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक महानिदेशाक (पी० एफ०ए०) के पद का कार्यभार 24 श्रप्रैल, 1975 के अपराह्म से छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्राप्रैल 1975

सं० 21-2/73-एस-1 (पार्ट) :-- चिकित्सा सामग्री संगठन में स्थायी फैक्ट्री प्रबन्धक ग्रौर स्थानापन्न उप-सहायक महानिदेशक (चि० सा०) श्री के० पी० बी० पिशा-रोटी ग्रिधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर 31 जनवरी, 1974 के ग्रपराङ्क से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

यह श्रिधसूचना इस निदेशालय की दिनांक 17-4-74 की श्रिधसूचना संख्या 21-2/73-एस० 1 का स्थान लेगी ।

संगत सिंह, उपनिवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1975

सं० 24/6/(1)/75-सी० जी० एच० एस०-1:— संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नामित डा० मुहम्मद कुदरतुल्ला के केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर, में 18 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० श्रो० ग्रेड-2 के पद का कार्यभार ग्रहण करने के परिणाम-स्वरुप डा० रमेश ग्रांहूजा, कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी (तदर्थ) (निलम्बित) की सेवाएं उनकी तदर्थ नियुक्ति की गर्तों के श्रनुसार समाप्त कर दी गई।

> के० वेणुगोपाल, उपनिदेशक प्रशासन

कृषिर््रू एवं सिंचाई मंस्रालय विस्तार निवेशालय_ं

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1975

मि० सं० 5(7)/68-सिब्बन्दी (प्रथम): —भारतीय राज्य फार्म निगम से परावर्तन होने पर विस्तार निदेशालय के स्थायी अधीक्षक श्री के० पी० श्रीनिवासन श्रधीक्षक (ग्रेड प्रथम) ने 1 मई, 1975 के पूर्वाह्म से निदेशालय में श्रधीक्षक (ग्रेड प्रथम) के पद का कार्यभार संभास लिया है।

पी० के० मुखर्जी, प्रशासन निदेशक (ग्रामीण विकास विभाग) विषणन श्रौर निरीक्षण निदेशालय (प्रधान शाखा कार्यालय) नागपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1975

सं० फा० 2/8/8/75 - वि० II:-- भारत के राजपत्न मे प्रकाशित सं० 125, 126, 127, दि० 15-9-1962 सं० 1131, 1132, दि॰ 7-8-1965, सं॰ 2907 दि॰ 5-3-1971, सं० 3601-क, 3601-ख, 13601-ग, दि० 1-10-1971 सं० 3099 दि० 3-11-1973, भारत सरकार के मित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) ।, विदेश व्यापार वाणिज्य मंत्रालय की **अधिसूचनाम्रों** मंत्रालय स्रौर के लिए मैं एतद्द्वारा श्री बी० एस० भारद्वाज, सहायक विपणन प्रधिकारी को इस प्रधिसूचना के जारी किए आने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, ग्रदरक, हल्बी, धनिया, सौंफ, मेथी, सेलरी, बीज ग्रौर जीरा, श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण ग्रौर चिह्न) ग्रधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के ग्रधीन सूत्रीकृत संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण श्रौंर चिह्नन नियमों के उपबन्धों के श्रनुसार किया जा चुका है, के संबंध में श्रेणीकरण प्रमाण पन्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

> एन० के० मुरलीधरराव, कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 25 श्रप्रैल 1975

सं० फा० 4-6 (2)/74-प्रणा०-I:—श्री के० सुम्रह्मण्यम, सहायक विपणन श्रिधकारी, वर्ग-प्रथम नागा-पित्तनम को, इस निदेणालय के ग्रिधीन कार्यालय तूतीकोरिन में तारीख 27 विसम्बर, 1974 के ग्रिपराह्म से श्रगले ग्रादेश होने तक तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न विपणन श्रिधकारी, वर्ग-प्रथम नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 15 मई 1975

सं० फा० 4-6 (16) / 74 प्रशा I: — संघ लोक सेवा श्रायोग की ससंतुतियों के अनुसार श्री कंवरसिंह निशाल को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय नई दिल्ली, में दिनांक 12 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन श्रिधकारी वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया है।

. एन० के० मुरलीधरराव, कृषि विपणन सलाहकार

(खाद्य विभाग) राष्ट्रीय मर्करा संस्था कानपुर, दिनांक 22 स्रप्रैल 1975

सं० 19 (6) :-- श्री श्रार०पी० मुक्ला श्रनुसंधान सहायक राष्ट्रीय मार्करा संस्था की किनष्ठ वैज्ञानिक श्रिष्ठकारी (फिजिकल कैमिस्ट्री) के पद पर तदर्थ श्राधार पर दिनांक 7-4-1975 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए स्थानापन्न नियुक्ति की जाती है। श्री मुक्ला 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०- 40-1200 के वेतनमान में प्रारम्भिक वेतन प्राप्त करेंगे।

ह० ग्रपठनीय निदेशक आई• टी० एन० एस० ———

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 1917/74-75/JJ. N. I(420)/GTR/74-75.-

यतः मुझे, K. Subba Rao मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० 12-25-63. Guntur में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता में भारतीय ग्रधिकारी के कार्यालय, Guntur रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269--ग
of the said Act के श्रनुसरण में, मैं, said Act
की धारा 269--घ की उपधारा (1)
के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) Smt. B. N. Mallikamba, W/o S. Prakasa Rao, Guntur.

(अन्तरक)

S/Shri

- (2) 1. M. Deenadayal,
 - 2. M. Parathasarathi Naidu,
 - 3. M. Krishna Murthy Naidu,
 - 4. M. Purushottam Naidu,
 - 5. M. Gopalarao Naid, and
 - 6. Smt. M. Laxmi,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हचक्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के शब्दाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

The schedule property as mentioned in the sale deed dated 12th Septemer, 1974 vide document No. 4676 dated 12-9-74 registered before the SRO, Guntur.

K. SUBBA RAO सम्म प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada

दिनॉक: 11-4-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, KAKINADA.

Kakınada, the 11th April 1975

Acq. File No. 190/74-75 J. No. I(367)/EG/74-75.— श्रतः, मुझे, K. Subba Rao ग्रायकर ग्रधिनयिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनयिम, कहा गया है)

की धारा 269-च के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं02-40-27. है जो Alcot Garden. Main Road. RJY में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 15-9-74 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रब उक्त ग्रधिनयिम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत त्यक्तियों, श्रथीत् :- Shri P, Venkatanarayana. Lalimi eddyvari Street, Innispeta, Rajahmundry-2.

(भ्रन्तरक)

S/Shri

- (2) 1. Umedraj,
 - 2. Tejoraj,
 - 3. Kanakraj,

8-2-21, Nalam Bhimaraju St. Rajahmundry.

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The property as stated in the from No. 37G vide document No. 3673/74 dated 4-9-74 registered before the SRO, Rajahmundry.

K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज, KAKINADA.

तारीख : 11-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 193/74-75/J. No. 1(337)/74-75.— यत:, मुझे, K. Subba Rao आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,

श्रीर जिसकी सं०

Door No. 14-1-8, है जो, Eluru Canal Road 14th Ward, Nidadavole में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध

जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रु० से अधिक है

भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Nidadavole में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-9-1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दुश्यमान से कम के प्रतिफल लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोषत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अपिनयों अर्थातः— Smt. Gokaravapu Sesharatnam, Palakol, W/o Sundaraswara Rao.

(Transferor)

Smt. Vendra Parvatamma,
 W/o Nagabhushanam,
 Nidadavok, Vevvur Taluk,

(Transferce)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ मुरू करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as shown in form No. 37G vide Document No. 2029 dated 20-9-74 Registered before the S.R.O., Nidadavole.

K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 11-4-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 9th April 1975

Acq. File No. 189/J. No. I(119)/VSP/74-75..... यतः मुझे, K. Subba Rao ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 年 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 26-14-372, Wood Yard Street है, जो Visakhapatnam में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय Visakhapatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-1974 को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्थमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए सकर बनाना;

अतः, अब, घारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौतः-- (1) Sri P. Narayana Murthy, Anakapally.

(Transferor)

(2) Sri P. Chidambra,Swang, Visakhapatnam.

(Transferce)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा 45 दिन की अविधि या ्तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त णड़दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

THE SCHEDULE

As per the schedule mentioned in Schedule dated 6th September, 1974 vide document No. 4283 dated 6-9-74 registered before Sub-Registrar, Visakhapatnam.

K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada

दिनीक: 9-4-1975

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 मई 1975

निर्देश सं० Phg /73/75-76--यतः, मुझे, बी० भ्रार० सगर ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रौर जिसकी सं० भमि का प्लाट है तथा जो जी० टी० रोड़ फगवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्दीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्णित बाजार मूल्य से कम के प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक प्रतिफल को दश्यभान हैं ग्रीर और श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त ध्रधिनियम,' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्री तेलू राम सपुत्र श्री रामदास मल, सिगला मार्कीट, जी०टी० रोड़ फगवाड़ा (नजदीक पैराड़ाईज सिनेमा) (श्रन्तरक
- 2. श्री बलवंत सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह वासी गांव पलाही, फगवाड़ा जिला कपूरधला (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजँन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो आयकर भिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1239 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फंगवाड़ा में है।

> बी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 15-5-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 मई 1975

निर्देश सं ASR / 74 / 75-76 — यत्त,: मुझे, बी० ग्रार० सगर अधिनियम 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यष्ट विश्वास करने की कारण है िक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से अधिक है भौर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो हाल बाजार श्रमृतसर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रधिनियम सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त उचित सम्पत्ति गजार से दुश्यमान प्रतिफल मुख्य लिए अन्तरित की गई है और मुझे करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम, के श्रिष्ठीत कर देते के श्रन्तरक के दायित्व में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ध्रतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के धन्सरण में, मै, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात :---

- श्री बुद्ध सिंह सपुत्र श्री करम सिंह वासी राम गली, चौक पासीयां, ग्रम्तसर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री वीरिन्द्र मोहन सेठ सपुत्र लक्षमन दास हाल बाजार श्रम्तसर । (श्रन्तरिती)
- 3. श्री विश्वामित्र, सुखदेव सिंह, शादी लाल, पुरुषोत्तम दाम, श्रीमती सुरिन्द्र पुरी तथा श्रौर कोई किराएदार । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रिघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/3 भाग सम्पत्ति नं० 526, 527, 474 तथा 475 तथा 58 से 61/1-1 हाल बाजार श्रमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2067 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में हैं।

वी० ग्रार० सगर सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

तारीख : 15-5-1975 (

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 17 मई 1975

निर्देश सं० एस० आर० एस०/30/74-75—-श्रतः मुझे, जी० पी० सिह सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

आयकर श्रिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- व्पये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव खेरपूर, तहसील सिरमा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिक्तियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- श्री निरमल सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, गांव खेर्फ्रूर, तहसील सिरमा (श्रन्तरक)
- मै० गोपी चन्द टैक्सटाईल मिल्ज लिमिटेड, सिरसा द्वारा श्री गुरबख्श सिह एजेंट मिल्ज। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में थथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

जमीन 14 कनाल-9 मरले जो कि गाव खोरपुर, तहसील सिरसा में स्थित है। और

64 खसरा नं०——		71	72
	22/2,	5/1,	1/1
(5-7)	(0-4)	(4-9)	(4-9)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3040, सितम्बर 1974, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी सिरसा में दिखाया गया है)

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 17-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 मई 1975

निर्वेश सं० एस० श्रार० एस०/31/74-75—श्रत: मुझे, जी० पी० सिह, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की,

का 43) (जिस इसम इसक पश्चात् 'उक्त आधानयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव खेरपुर तहसील सिरसा, सिरसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिरसा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री निरमल सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह गाव खेरपूर तहसील सिरमा । (ग्रन्तरक)
- मै० गोषी चन्द टैक्सटाईल मिल्ज लिमिटेड, सिरमा द्वारा
 'श्री गुरबख्श सिह, एजेन्ट मिल्ज । (ग्रन्तिरती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त णब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 15 कनाल 9 मरले जो कि गांव खेरपुर, तहसील सिरसा, में स्थित है।

(जायदाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3045, सितम्बर 1974, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी सिरसा में विखाया गया है।

> जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 17-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भीपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1975

निवेश सं० एस० श्रार० मोरेना—श्रतः, मुझे, श्री वी० के० सिन्हा, श्रायकर श्रीधनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० जमीन हैं, जो मोरेना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय मोरेना में रजिस्ट्रीकृत श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-9-1974।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार

मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री विशम्भर दयाल पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी विकमपुरा मौरेना (अन्तरक)
 - 2. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी सुरेशचन्द्र केशो कोलोनी मोरेर्मैं। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूम 39.53 एकड़, गाँव शाहपुर, मोरेना।

वी० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-5-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

धायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1975

निदेश सं० एस० आर० इन्दोर---श्रतः, मृक्षे, श्री वी० के० सिह्ना, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है) ।,

की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से श्रधिक हैं श्रौर जिसकी सं० अमीन हैं, जो देवाम में स्थित है श्रौर उपाबद अनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
धन्तरित की गई है धौर मृझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है धौर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

धत: धव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपध्तरा (1) के ब्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ऋर्यात्:——

- 1. श्रीमती केशरबाई बेवा श्री सायन्त सिंह ग्रीर भी है सब निवासी पाल नगर देवास (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शान्ती बाई पत्नी श्री वीरेन्द्र सिंह भन्डारी निवासी यशयन्त रोड, इन्दोर (ग्रन्तरिती)

को यह युचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हैं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) कुम मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्य या तत्सम्बन्धी स्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्राधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन स्थिति रसूल पुरा श्रागरा बाम्बे रोड, देवास

वी० के० सिन्ह्या सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-5-1975

ोहर :

प्ररूप धाई० टी० ्एन० एस०-

आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाक 15 मई 1975

निर्देश सं०एस०ग्नार० इन्दोर—श्वतः, मुझे, श्री वी०के० सिह्ना, श्रामकर श्रीव्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिवियम' कहा गभा है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रीविकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित वासार मूल्य 25,000/-र० से श्रीवक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन है, जो इन्दोर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दोर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-5-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उम्रत अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिजाने में सुविधा के लिए;

म्रतः सब 'उक्त मधिनियम' की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं मिषिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :-1. श्री रामफल पुत्र श्री बुद्धू प्रसाद जी निवासी ग्वाल

55/5 व बल्लभ नगर इन्दोर (श्रन्तरक)

2. श्री जनिक लाल पुत्र श्री ग्रमृल लाल ग्रोझा निवास इन्दोर (ग्रन्तरिती)

3. ग्रौर भी है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पर्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्कोंगे।

स्वस्टीकरण:---क्समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

खुली जमीन टुकड़ा, स्थिति 7 एम० जी० रोड इन्वोर ।

वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 15-5-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, विनांक 11 मप्रैल 1975

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसकी सं० प्लाट भौर राइस मिल्स दुर्ग है, जो दुर्ग में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुर्ग में भारतीय रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11-7-1974। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितबाआर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

भ्रतः श्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, श्रथीतृ:---

- श्री रघुनंदन पुत्र श्री शिवदयाल हरीराम स्रग्नवाल द्वारा भगवती राइस मिल्स, दुर्ग, (श्रन्तरक)
- 2. श्री नन्दिकिणोर पुस्न मानकचंद खडलवाल, सिवासी सदरबाजार द्वारा श्रादर्श राइस मिल्स, गंजपारा, मिल पारा, दुर्ग (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

भूमि एंव राष्टस मिल्स (मभीन सहित) मिल पारा क्षेत्न, दुर्ग ।

एम० एस० मुंशी, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 11-4-1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/833/75-76/599—-यत:, मुझे, चं० वि० गुप्ते

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० ई०-56 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-1-1975। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

1 श्री गुरजीत मिह, गुपत एस० ग्रबल्चन सिह, मकान नं० 3607, गली न० 11, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरक) 2. हरबन्स लात भम्भानी सुपुत्र थी नारायण दास भम्भानी, एफ-46, बाली नगर, नई दिल्ली (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध**नुसूची**

फोहोल्ड प्लाट जिसका नं० 56 है तथा क्षेत्रफल 250 वर्ग गण है तथा जो बसाए दारापुर के गांव के क्षेत्र में है श्रीर बाली नगर ई ब्लाक की श्रवादी जोकि मान्यताप्राप्त है तथा नजफगढ़ रोड नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व : प्लाट नं० ई-55 पश्चिम : सड़क 30' चौड़ी उत्तर : सड़क 30' चौड़ी दक्षिण : लेन 15' चौड़ी

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्गन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 16म⁵ 19 5। मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ' श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/ 1 1/834/75/76/599— यतः, मुझ चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० एच-87 का 1/2 भाग है, जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुिधा के लिए।

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 4--106GI/75

- 1. श्री राजिन्द्र कुमार सुपुत श्री लाल चन्द, 8/41, रमेश नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नरिन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री दिवान चन्द, ग्राई०-80, कीर्ति नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा. घो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

1/2 भाग फीहोन्ड भूमि जिसका प्लाट नं० 87 ब्लाक नं० एच है तथा 1/2 का क्षेत्रफल 200 वर्गगज है जो मान्यताप्राप्त कालौनी कीर्ति नगर से जानी जाती है तथा जो बसाए दारापुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली के क्षेत्रफल में है तथा इसकी सीमाएं निम्न प्रकार है:—

पूर्व:सङ्क

पश्चिम: सर्विस लेन

उत्तर : मकान ः प्लाट नं० एच०-88 दक्षिण : मकान प्लाट नं० एच-86 पर

> चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 16 मई 1975। मोहर: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

र्कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/835/75-76/599---यतः, मुक्को, चं० वि० गुप्ते

भ्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है) की धारा 269भ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 41 का 1/2 भाग है, जो डम्प स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-

करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-2-75 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृयग्मान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तथ पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :~ श्रीमती सत्यावती, पत्नी स्वर्गीय श्री हरचरण दास, 65/53, नया रोहतक रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

श्री खान चन्द (2) श्री रावल सिंह सुपुत श्री काका सिंह, निवासी 20-बी/33ए श्रीर 20-बी०/35ए, तिलक नगर, नई दिल्ली (3) श्री प्रीतम सिंह, सुपुत एस० गियान सिंह, निवासी 20-बी/35ए० बी, तिलक नगर, नई दिल्ली (4) श्री सरदार सिंह सुपुत्र एस० पियारा सिंह, निवासी बी०-20/34-ए बी, तिलक नगर, नई दिल्ली—सभी मैं० काहन सिंह रावेल सिंह, 41, रानी झांसी रोड, मोतिया खान, नई दिल्ली के हिस्सेदार हैं। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं:---

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप, --

- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीसहोल्ड प्लाट का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल (1/2) 597, 37 वर्ग गज है जिसका प्लाट नं० 41, तथा जो मोतिया खान, डम्प स्कीम, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सङ्क (सविस लेन) पश्चिम : प्लाट नं० 40

उत्तर: सङ्क (रानी झांसी रोड)

दक्षिण : प्लाट नं० 42

चं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 16 मई 1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

कलकसा-16, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० 259/एकुरे०-III/75-76/कल०--श्रत: मुझे, एल ० के ० बालसूत्रमनियन म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 36/1 है तथा जो देवदार स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण **श्रिधिनियम**, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-9-74 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री श्रनिलमाधब पाल 36/1 देवदार स्ट्रीट, कलकत्ता-19 (श्रन्तरक)
- 2.(1) श्री चिरजी लाल ग्रागरवाल, 114 कटन स्ट्रीट, कलकत्ता
- (2) श्री राधेस्याम श्रागरवाल, 42, यमुनालाल बाजाज स्ट्रीट, कलकता।
- (3) श्री गिरधारी लाल श्रागरवाल, 42 यमुनालाल बाजाज स्टीट, कलकता ।
- (4) श्री गोकुल ग्रागरवाल, 144 कटन स्ट्रीट, कलकत्ता । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ भरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, तो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 8 कट्टा 1 छटाक 9 स्को० फुट साथ उस पर बनाया दो तल्ला मकान श्रौर श्रन्यान्य स्ट्राकचर जो 36/1, देवदार स्ट्रीट कलकत्ता पर श्रवस्थित श्रौर जो डिस्ट्रिक्ट रिजस्ट्रार, श्रासिपुरद्वारा रिजस्ट्रीकृत देलिल सं० 1—-6400/1974 का श्रनुसार हैं।

> एल० के० बालसुम्रमनियन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 6-5-1975

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश सं० ग्राई०-2/1063/2742/74-75—म्प्रतः मुझे एम० जे० माथन सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई, ग्रायकर प्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, सर्वे नं० 40 हिस्सा नं० 3 है, जो जूहु विलेज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-9-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

- श्री व्हीक्टर गैंबीएल किश्राडो ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- श्री शहा अब्बास खान उर्फ संजय श्रीर झरीना शहा श्रब्बास खान की पत्नि (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जिसका प्लाट नं० 2 सिल्बर बिज इस्टेट के नाम से ज्ञात जायदाद का उपखंड जिसका मर्वेक्षण नं० 745 (ग्रंश), सर्वेक्षण नं० 40 हिस्सा नं० 3, सर्वेक्षण नं० 38, हिस्सा नं० 1 (ग्रंश) सर्वेक्षण माप से 2029 वर्गगज समकक्ष 1692-90 वर्गमीटर जिसका रजिस्ट्रेशन जिला श्रीर उपजिला बम्बई नगर श्रीर बम्बई उपनगर रेनेन्यू विलेज जुहु है।

एम० जे० माथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8 मई 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

भ्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद । श्रहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-374 (183)/16-6/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० मर्वे नं० 639, है, तथा जो पंचाना प्रन्ताट की ऐरी नं० 7 राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणत है),रजिरद्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन प्रक्तूवर 1974।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम,' के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :- -

- (1) श्री विजय गोकल दास सोमैया, तथा श्रन्य सोमया बिल्डींग नं० 1, 177 सेम्यश्रल (स्ट्रिट, बम्बई-1 (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहनलाल पिताम्बर दास श्रोंझीया (जीजुडा गेट, सावर कुंडला, जिल्ला भावनगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूखी

एक दो मंजला मकान जो 187-4-72 वर्ग गज भूमि पर स्थित है क्रौर जिसका सर्वे नं० 639, स्ट्रिटनं० 7,पंचनाथ प्लाट, राजकीट में स्थित है श्रौर जिसकी सीमाएं निम्नलिखित है ।

पूर्वः पंचनाथ प्लाटकी स्ट्रीटनं० 7

पश्चिम : दूसरों की सम्पत्ति

उत्तर: सर्वेनं० 639 की दूसरों की सम्पत्ति

दक्षिण : दुसरों की सम्पत्ति

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-380(184)/16-6/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं है, तथा जो शेरी नं० 33, करण परा, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या श्रन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः जब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रिपीत्:— (1) श्री पुरषोत्तम रामचंदभाई भाटीया, गंगा विहाक्र, सरदारनगर, राजकोट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनेशचन्द्र प्राणजीवन देसाई, 33, करणपरा, राजकोट (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजला मकान जो "निर्मल" को नाम से ज्ञात है ग्रीर जो 168-5-81 वर्ग गज भूमि पर स्थित है ग्रीर जो शेरी नं० 33, करणपरा, राजकोट में स्थित है, ग्रीर जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं:---

पूर्व :--श्री भीमजी के० की सम्पत्ति पश्चिम :---नर्वदा बाई विठलदास की सम्पत्ति उत्तर :--श्री विजय शंकर जुठाभाई की सम्पत्ति दक्षिण :---33, करणपरा मेईन रोड

ज० कथूरिया; सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-5-1975

PART III—Sec. 1]

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 289-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1975

निवेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-381(185)/16-6/ 74-75---यतः मुझे जे० कथ्रिया प्रधिमियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने 🐝 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है \mathbf{x} ौर जिसकी सं० 26/42, प्रहलाद प्लाट, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यलय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1961 (1908 का 16) के श्रधीन 24-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम, के अधीन कर देने के अभ्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या-भ्रत्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

म्रतः जब उक्त म्रधिनियम की, धारा 269-ग के म्रनुसरण में मै उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:---

- (1) श्री बाब्लाल वनमाली दासभाई, नवानाका रोड, (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री गुणवंतराय जेचंदभाई, (2) श्री शशी-कान्त जेचंदभाई, सोनी बाजार, सबजी भाई स्ट्रिट, राजकोट। (भ्रन्तरिती)
- (3) (1) श्री फुलचंद वल्लभदास, (2) श्री कीशोर भाई सोनी, 26/42, प्रहलाद प्लाट, राजकोट। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में

के लिए कार्येवाहियां करता हं।

सम्पत्ति है,) को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी*खा* से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियागया है।

अनुसूची

एक दो मंजला मकान जो 141-5-108 वर्ग गज जमीन पर स्थित है श्रीर जो 26/42 ब्रहलाद प्लाट, राजुकोट में स्थित, है ।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 13-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन०एस०---

म्रायकर मििंग्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 156, सैक्टर 9-बी, चंडीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मार्च 1975

निदेश सं० सी एच डी० /178/74-75--यतः मझे, जी० पी० सिंह श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- ६० से उचित बाजार मत्य ग्रौर जिसकी सं० कार्माशयल प्लाट नं० 63 है तथा जो सैक्टर 30-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यलय, चण्डीगढ में, रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सितम्बर, 1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों श्रर्थात:—

- (1) श्री श्रतुल नरायण चानना पुत्र लैंफटीनेंट कर्नल कै० एन० चानना, नं० 8, सांगली होस्टल, लिटन रोड, नई दिल्ली-1। (श्रन्तरक)
- (2) डाक्टर ग्रार० के० चौधरी पुत्र श्री टकन दास, सूथ नं० 29, सैक्टर 20-डी, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्निय किसी अन्य व्यक्ति वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसुची

कामिशयल प्लाट नं० 63, मैक्टर 30-डी, चण्डीगढ़। जी०पी०सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 18-3-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, 156, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 8 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० एन० य एच/9/74-75—यत: जी० पी० सिंह, ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० जमीन 1/2 भाग 269 कनाल 5 मरले है तथा जो गाँव गोयाला, तहसील नूह, जिला गुड़गांव, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नह में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार स कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह वि**म्वा**स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था

या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

🛶 ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनयिम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , प्रर्थात् :-

(1) श्रीमती जवाला देवी विधवा पत्नी श्री माहीपाल सिंह ऊर्फ हरीपाल सिंह पुत्र श्री सूरत सिंह, निवासी बोहदा कला, तहसील श्रीर जिला गुड़गांव द्वारा श्री जगबीर सिंह पुत्र सिमव सिंह निवासी बोहदा कला तहसील और जिला गुड़गोवा ।

(2) सर्वश्री

(i) घमान }(ii) सुखदेव ∫ पुवान ऊवी पुत्र फता,

(iii) मान सिंह े पुत्रान वखतावर, पुत्र पुशा राम, निवासी

(iv) रतनलाल ∫ गोकालवास, तहसील भ्रौर जिला गुड़गीव, (v) हकम चन्द्र पूक्ष परभ दियाल पूक्ष मेंगल, कुकरोला पचगोन, तहसील श्रीर जिला गुड़गांव,

(vi) दलीप सिंह

(vii) रोहतस सिंह

पुत्रान कुन्दन निवासी सफरपुर, (viii) रामेशवर

(ix) सुखनान

तहसील गुड़गांव

(3) श्री कृवेंर सिंह, निवासी गाँव गोयाला तहसील नूह, जिला गुङ्गांव । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (खा) इस सूचना राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची (x) राम फल जमीन, जो कि गाँव गोयाला तहसील नूह, जिला गुड़गाँव में स्थित है क्षेत्रफल 269 कनाल 5 मरले का 1/2 भाग खेबट नं 86 मिन, खाता नं 100 मिन और 103, 102,

खसरा नं ०	42	42	8	9	12	42	14	15		
2 6			8-0	2	7-10		8-0	4-8		
गेरचाही	26 3-12	7		5-11		13				r
6	3-12 7	8-0 6	9	12	44	8-0 2	3	49	43	4
	2	8	2	8-0	1	7-11	9-0	2	3	8-0
612	4-0	2	2-14		7-11			1-17	2-9	
3-0 बूद	वूद 43	4-0 वृद 43	वूद 7	वूद 1 5	16	41	41	23	ाही मगदा 42	मगदा 10
	5	6	5-6	8-12	4-2	21	22	1	6	2-14
	8-0 मगदा 42	8-0 मगदा 9	मगदा 23	मग दा 24	मगदा 25	2 3-16 मगदा है 44	8-0 भगदा 0	3-4 मगदा 44	8-0 मगदा 12	मगदा 13
	18	3-14	7-8	8-0	8-0	8-0	8-0	11	8-0	3-8
	8 0 मगदा 44	मग दा 20	मगदा 21	मगदा 22	मगदा	8-0 मगदा	मगदा	8-0 मगदा	मगदा	मगदा
श्रीर	19 8-12	8-0	5-4	6-2	0.3		£	1074 Př	यत प्रतिस्ट	क नव के

विलेख नं० 1328 सितम्बर 1974 में सब रोजस्ट्रार नृह के कूल क्षेत्रफल 269 कनाल 5 मरले जैसे कि रजिस्ट्रीकृत जी० पी० सिंह, दफतर में लिखा है। सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 8 श्रप्रैल, 1975

^{5 - 10(}GI/74

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०— आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

दिनांक चण्डीगढ़ 8 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० एन० यू० एच०/10/74/75—-अतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्कात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ -रु० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० जमीन 1/2 भाग 269 कनाल 5 मरले है तथा जो गाँव गोयाला, तहसील नूह, जिला गुड़गावा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नूह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के वृंध्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत
को गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत श्रधिक है श्रोर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रोर श्रन्तिरती
(श्रन्तिरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उन्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती जवाला देवी विद्यावा पत्नी श्री माहीपाल सिंह ऊरफ हरीपाल सिंह पुत्र श्री सूरत सिंह, निवासी बोहदा कला, तहसील श्रौर जिला गुड़गावा द्वारा श्री जगर्बीर सिंह पुत्र सिमवू सिंह, निवासी बोहदा कला, तहसील श्रौर जिला गुड़गांवा

(श्रन्तरक)

(2) सर्वश्री

(i) धामान | } पुत्रान ऊदी पुत्र फता, (ii) सुखदेव |

(iii) मान सिंह विद्यान वश्वतावर पुत्र पुत्रा राम, निवासी मोकालधास, तहसील ग्रौर जिला (iv) रतन लाल गुडगांवा,

(v) हुकम चन्द्र पुत्र परभू दियाल पुत्र मंगल, निवासी कुकरोला पचगोन, तहसील भौर जिला गुड़गांवा,

 (vi)
 दलीप सिंह

 (vii)
 रोहतस सिंह

 (viii)
 रामेशवर

 (ix)
 सूरज भान

 (x)
 राम फल

(भ्रन्तरिती)

(3) मुकन्द सिंह भ्रादि निवासी गांव गोयाला तहसील नूह जिला गुड़गाँवा

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

ंउक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ः—

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति ग्रारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पर्दों, का जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

*				A	अनुर					
			ोयाला तह [्]	**			स्थत ह काल	'h প' 269 क	नाल 5 मरले व	કા 1/2 મા ગ,
·	_		, खाता नं०			102,	1.4	1 =		
खसरा नं	9 4Z	42	8	9	12	42	14	15		
3. —3.			80	2	7-10		8-0	4-8		
गेरचाही	26	7		5-11	-1-1	13				
	3-12	8-0				8-0				
6	7	6	9	12	44	2	3	49	43	4
	2	8	2	8-0	1	7-11	9-0	2	3	8-0
612 3-0	4-0	2 4-0	2-14		7-11			11 7 चाही	2-9	
बूद	वूद 42	बूद	वूद	बू द	16	41	41	23	मगदा 42	मगदा
	43	43	7	15		41	41	40	42	10
	5	6	5-6	8-12	4-2	21	22	1	6	2- 14
						2				
	8-0	8-0				3-16	8-0	3-4	8→0	
	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगद	मगदा	मगदा	मगदा
	42	19	23	24	25	44	10	44	12	13
	18	3-14	7-8	8-0	8-0	1-0	8-0	11	80	3-8
	8-0					8→0		8-0		
	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मगदा	मग दा	मगदा
m 1 -r	44	20	21	22						
श्रीर	9	8-0	5-4	6-2						
	8-12									

कुल क्षेत्रफल 269 कनाल 5 मरले (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1329, सितम्बर 1974 में सब रजिस्ट्रार नुहु के वफतर में लिखा है।

> जीव पीव सिंह, सक्षम प्राधिकारी, हर साम स्व (विजीवणा)

सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

ता**रीख**ः **८ श्रप्रै**ल 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 7 श्रप्रैल 1975

निवेश सं० एस० एन० जी०/5/74-75--श्रतः मुझे, जी० पी० सिह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी

को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, ग्रोर जिसकी स० खेती वाली भूमि ईमारत सहित है तथा जो गांव बड़क्खा तहसील ग्रौर जिला संगरूर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तुवर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1)के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) मेजर टिका खुणवन्त सिंह पुत्र श्री ई० ए० ग्रार०, फतेह सिंह, निवासी बङ्ख्या, तहसील ग्रीर जिला संगरूर (श्रन्तरक)
- (2) मैं । सबराज सिंपिनिंग मिल्ज लि । रिजस्ट्रड स्नाफिस पटियाला, द्वारा श्री सूरज भान डायरैक्टर, मार्फत मैं । सिंगला निवास शाही समाद्धाँ पटियाला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि श्रौर ईमारत जो कि गाँव बङ्रूखा, तहसील श्रौर जिला संज्रूर में स्थित है।

खतोनी नं० 212

खसरा नं० 99/27-69-16,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1653, श्रक्तूबर 1974 में सब रजिस्ट्रार संगरूर के दफतर में लिखा है।)

जी०पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

श्चर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 7 अप्रैल 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्री 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़
156, सैक्टर 9-बी
चण्डीगढ, दिनांक 7 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० एस० एन० जी०/6/74-75---ग्रतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़, श्रायकर प्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० खेती वाली भूमि ईमारत सहित है तथा जो गाँव बड़रूखा, तहसील श्रीर जिला संगरूर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अक्तुबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण, में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों भ्रथीत्:---

- (1) मेजर टिका खुगवन्त सिंह पुत्र श्री ई०ए० ग्रार०, फतेह सिंह, निवासी बड़रूखा तहसील ग्रौर जिला संगरूर(ग्रन्तरक)
- (2) मै० सवराज सिंपिनिंग मिल्ज लि० रिजस्ट्रड फ्राफिस, पिटियाला द्वारा श्री सूरज भान डायरैक्टर, मार्फत मै० सिगंला निवास शाही समाद्वां, पिटियाला (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 / दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर ईमारत जो कि गांव बड़रूखा, तहसील श्रीर जिला संगरूर में स्थित है

खतोनी नं० 2/2,

खसरा नं० 99/27---69-16

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1663, श्रक्तूबर 1974, में सब रजिस्ट्रार संगरूर के दफतर में लिखा है। जी०पी०सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 7 म्रप्रैल 1975

मोहरः

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 7 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० एम० एन० जी०/7/74-75----- प्रतः जी० पी० सिंह, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ्, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर श्रौर जिसकी सं० खेती वाली भूमि ईमारत सहित है तथा जो गाँव बड़रूखा, तहसील ग्रीर जिला संगरूर, में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य द्रश्यभान प्रतिफल के लिए से कम के गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह

प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेजर टिका खुणवन्त सिंह पुत्र श्री ई०ए० भार०, फतेह सिंह, निवासी बङ्ख्खा, तहसील ग्रौर जिला संगरूर (श्रन्तरक)
- (2) मैं० सवराज सिपिनिंग मिल्ज लि०, रिजस्ट्रड ग्रिफिस, पटियाला, द्वारा श्री सूरज भान डायरैंक्टर, मार्फत मैं० सिगंला निवास शाही समाद्धाँ पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो 'उक्स अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

भूमि श्रौर ईमारत जो कि गांव बड़रूखा, तहसील और जिला संगरूर में स्थित हैं।

खतीनी नं० 2/2

खसरा नं० 99/27--69/16

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के त्रिलेख न० 1719 नवम्बर 1974, में सब रिजस्ट्रार संगरूर के दफतर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: ७ ग्रप्रैस 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---- -आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० चण्डीगढ़/207/74-75--- प्रतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक भ्रायकर म्राय्वत (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) अधिनियम' इसमें इसके पश्चात 'उ**न**त गया है) की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 665, सैक्टर 11-बी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के ग्रार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रधीन तारीख श्रमतूबर, 1974 को पुर्वोक्त उचित बाजार मुल्य दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतिबक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उम्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- करनल तरलोक सिंह, पुत्र श्री पूरन सिंह, निवासी 159, घौला कुआं, आफिसरज फ्लैंट, दिल्ली केंट।
 (श्रन्तरकं)
- श्री करम पाल सिंह सन्धू, पुत्र श्री ऊदम सिंह, निवासी मंकान नं ० 177, सैंक्टर 11-ए, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं ।

उत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ग्राफ लैण्ड, क्षेत्रफल 499. 8 वर्गगज जिस पर ग्रानैक्सी बनी हुई है। नं० 665, सैक्टर 11-बी०, चण्डीगढ़। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 847, श्रक्तूबर 1974 में सब रजिस्ट्रार चण्डीगढ़ के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ,चण्डीगढ़।

तारीख : 7 ग्रप्रैल, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 7 अप्रैल 1975

निर्देश सं० लुधियाना/सी०/422/74-75—श्रतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961

का 43)(जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक हैं श्रौर जिसकी सं० जमीन हैं तथा जो गांव तरफ जौधेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रश्निक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

भतः भ्रव, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीतः--

- 1. सर्वश्री (1) सुरजीत सिंह, (2) मलविन्द्र सिंह पुतान हरी सिंह, निवासी गांव जोधेबाल, तहसील लुधियाना (अन्तरक)
- 2. मैं ० माडल लाईन कालोनाईजर्ज प्रा० लि०, रजिस्टर्ड भ्राफिस, दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों को, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल 1 बीघा, 3 विस्वा भ्रौर 3-3/4 विस्वांसी, जोकि तरफ जोधेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है। खसरा नं०

खमरा नं०	835/159	156	157
	 ;	 ,	,
	0-4-8	0-11-0	0-10-16
	834/159	165	166
	,	 ,	
	0 - 2 - 8	0-16-20	1-4-14

खेबट नं० 432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5949, ग्रक्तूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 7 ग्रप्रैल, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

भायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ ७ अप्रैल 1975

निर्देश सं० लुधियाना/सी०/421/74-75—श्रतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं जमीन है तथा जो गांव तरफ जोंधे वाल तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णता रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अक्तूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति ने उचित बाजार दुश्यमान प्रतिफल के लिए के से कम मुझे ग्रन्तरित की गई है ग्रौर यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रत: अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- सर्वश्री (1) सुरजीत सिंह, (2) मलविन्द्र सिंह पुत्रान श्री हरी सिंह, निवासी गांव तरफ जोधेवाल, तहसील लुधियाना । (अन्तरक)
- 2. मैं० माडल लाईन कलौनाईजर्ज प्रा० लि०, रजिस्टर्ड ग्राफिस, दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना, द्वारा श्री इन्द्रजीत सिंह मैंनेजिंग डाइरैक्टर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्येवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित• बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास ज़िक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन, क्षेत्रफल, 1 बीषा, 3 विस्वा श्रीर 9 विस्वासी, जोकि तरफ जोधेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रोक्टत के विलेख नं० 5947, प्रक्तूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

> जी० पी० सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 7 भ्रप्रैल, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1975

निर्देश संव्लुधियाना/सीव/423/74-75—म्प्रतः, मुझे, जीव पीव सिंह, महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ग्रायकर प्रायकर प्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम, कहा गया है)

की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रोर जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तर्फ जोधे वाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्मत्त

ताराख अक्तूबर, 1974 का पूर्वाक्त सम्मात के जिस्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या अन्य थ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्रारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना काहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रषीत्:——
6.—106GI/75

- 1. श्रीमती करतार कौर विधवा श्री हरी सिंह, निवासी गांव जोधेवाल, तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० माडल लाईन कालोनाईजरज प्रा० लि०, रजिस्टर्डं श्राफिस दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना। द्वारा श्री इन्द्रजीत सिंह, मैनेजिंग डाइरैक्टर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल 0 बीघा 11 बिस्वा ग्रौर 11-7/8 बिस्वासी जो कि गांव तर्फ जोधे वाल, तहसील लुधियाना।

खसरा न. 835/159 156 157 0-4-8 0-11-0 0-10-16

खेबटनं० 432

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं. 6036 ग्रक्तूबर, 1974, में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के वफ्तर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 7 भ्रप्रैल, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1975

निर्देण स० लुधियाना/सी०/424/74-75—प्रतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी म० जमीन है तथा जो गांव तर्फ जोधेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूवर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्षिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:→→

- श्रीमती करतार कौर विधवा श्री हरी सिह, निवासी गांव जोधेवाल, तहमील लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. मैं० माडल लाईन कालोनाईजरज प्रा० लि०, रजिस्टर्ट भ्राफिस दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना द्वारा इन्द्रजीत सिंह मैनेजिंग डायरेक्टर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन, क्षेत्रफल 0 बीघा, 11 बिस्वे और 14-1/2 बिस्वांसी जो कि गांव तर्फ जोधेवाल, सहसील लुधियाना

जसरानं० 1484/140

152

0-11-4

3-5-12

खेवट नं०

432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6037, श्रक्तूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 7 म्रप्रील, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी/425/74-75——भ्रत: मझे जी०पी०

सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रुपये से श्रधिक हैं और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तर्फ जोधेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्ति है), रजिस्ट्रीजर्ती अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री राजिन्दर सिंह पुंत श्री हरी सिंह, निवासी गांव जोधेवाल, तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० माडल लाईन कालोनाईजरज प्रा० लि०, रजिस्टर्ड आफिस दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना, द्वारा श्री इन्द्रजीत सिह, मैंनेजिंग डाइरैक्टर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुक् करता हुं।

उश्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 0 बीघा, 11 बिस्या फ्रीर 11-7/8 बिस्वांसी जो कि गांव तर्फ जोधेयाल, तहसील लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं ० 165 166 खसरा नं 0 165 166 0-2-8 0-16-10 1-4-14 खेबट नं 0 432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6128, श्रक्तूबर, 1974, में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के वफ्तर में लिखा है)।

> जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ ।

तारीख: 7 श्रप्रैल, 1975

प्ररूप आई० टी० एन● एस०--

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 7 भ्रप्रैल, 1975

निर्देश सं० एल०डी०एच०/सी/426/74-75-प्रतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तर्फ जोधेवाल तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबज्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्तां अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन तारीख म्रक्तवर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: श्रव उक्त अधिनयिम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, निवासी जोधे बाजू तहसील लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. मैं० माडल लाईन कालोनाइजरज् प्रा० लि० रजिस्टर्ड प्राफिस दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना द्वारा श्री इन्द्रजीत सिंह मैनेजिंग डायरैक्टर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, क्षेत्रफल 0 बीघा, 11 बिस्वा ग्रौर 14-1/2 बिस्वासी जो कि गांव तर्फ जोधेबाल, तहसील लुधियाना में स्थित है। खसरानं० 1484/140 152

0-11-4,

5-5-12

खेबट नं० 432

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के शिलेख नं० 6129, श्रक्तूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ ।

तारीख : 7 ग्राप्रैल, 1975

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 7 ग्रप्रैल, 1975

निर्देश सं० चण्डीगढ़/192/74-75--श्रतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अर्धान प्राधिकारी सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० ट्रांसपोर्ट बिल्डिंग नं० 22, ट्रांसपोर्ट ऐरिया है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, भ्रक्तूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिल्ब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री गुरदियाल सिंह गंगावाला पुत्र श्री करम सिंह गंगावाला सकान नं 1025, सैक्टर 21-बी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
 - 2. सर्वश्री (1) मेजर जनरल जोगिन्द्र सिंह पुत्र रणधीर सिंह,
 - (2) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी मेजर जनरल जोगिन्द्र सिंह
 - (3) कुमारी जसबीर कौर पुत्री मेजर जनरल जोगिन्द्र सिंह,
 - (4) श्रीमती सनजीब कौर मलहंस पत्नी बरीन्द्र सिंह मलहंस
 - (5) बरीन्द्र सिंह मलहंस पिता श्रौर प्राकृतिक संरक्षक कुमारी पनीता मलहंस श्रौर कुमारी श्रमृत मलहंस, निवासी मकान नं० 138, सैक्टर 9-वी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
- (1) ग्रसोसिएटिड ट्रेडर्ज ऐण्ड इन्जीनियर्ज प्राईबेट लिमिटेड, हैंड श्राफिस, 20/1, श्रासिफ श्रली रोड, नई दिल्ली।
 - (2) मोगा फिरोजपुर ट्रांसपोर्ट कम्पनी नं० 9, ट्रांसपोर्ट ऐरिया, चण्डीगढ़।
- (3) स्नारोड़ा ट्रांसपोर्ट कम्पनी, चण्डीगढ़, मार्फत ट्रांसपोर्ट बिल्डिंग नं० 22, ट्रांसपोर्ट ऐरिया, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्यद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ट्रांसपोर्ट बिल्डिंग नं० 22, ट्रांसपोर्ट ऐरिया, चण्डीगढ़। जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 7-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, अर्जन क्षेत्र लखनऊ लखनऊ, दिनांक 26 अर्प्रैल, 1975

निदेश सं० 43-प्रार/प्रर्जन—प्रतः मुझे बिशस्भर नाथ प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रधिक है

श्रीर पजसकी सं० 158, 159 है तथा जो ग्राम जुल्फिकारपुर तहसील नजीबाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नजीबाबाद में रिजस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-9-1974 को

पूर्वोक्स सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्सरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् —

- 1. श्री राजकुमार प्रीतम शेर जंगव ग्रन्थ (श्रन्तरक्र)
- 2. श्री रामगोपाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अधें होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एक किता स्नाराजी भिम मय बिल्डिंग नं० 158, 159 जिसका रकबा 5260 वर्ग फीट है, जो कि ग्राम जुल्फिकारपुर तहसील नजीवाबाद, जिला बिजनौर में स्थित है।

> विणम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 26-4-1975

प्ररूप साई० टी० एन० एस०-

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

श्रायकर ग्रायुक्त, श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ लखनऊ, दिनांक 25 ग्रप्रैल, 1975

निदेश सं० 20 जे०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे बिशम्भर नाथ अधिनियम, आयकर (जिसे 1961 (1961 43) का पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण सम्पत्ति. जिसका है कि स्थाबर उचित मे अधिक 25.000/-₹0 ब्रौर जिसकी सं० बी-21/130 है तथा जो भो० कमच्छा, वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण **ग्रिधिनियम,** 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 6-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्य मान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री महन्त रामानन्द दास

(ग्रन्तरक)

2. श्री जगननाथ प्रसाद व प्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्णन के संबंध भें कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मय भिम नं० बी-21/130 जिसका रकबा 30×20 वर्ग गज है जो कि मोहल्ला कमच्छा जिला बाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 25-4-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

भ्रायकर भ्रायुक्त, भ्रजन क्षेत लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 श्रप्रैल, 1975

निदश सं० 15-एल/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे बिशम्भर नाथ धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे पक्ष्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया इसमें इसके के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, 269घ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म<u>ु</u>ल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है श्रौर ग्रौर जिसकी सं० के०-53/88 है तथा जो माध्यमेक्वर वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ंग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-9-74 सम्पत्ति के उचित बाजारमृल्य से कम को पूर्वोक्त के लिए प्रतिफल **बुश्यम**।न है और गई यह **प्रन्स**रित विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल उचित प्रसिफल वुष्यमान पन्द्रह ऐसे से प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण के हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

1. श्री पूर्णानन्व कुमार व भ्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्रीलल्लू राम यादव

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

एक किता वो मंजिला मकान नं० के 53/88 जिसका रकवा 1625 वर्ग फीट है, जो कि मोहल्ला माध्यमेण्वर जिला वाराणसी में स्थित है।

बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 25-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

1. श्री सीताराम राय

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

श्रायकर ग्रायुक्त धर्जन क्षेत्र लखनऊ लखनऊ, दिनांक 25 ग्रंप्रैल, 1975

निर्देश सं० 16-एल/प्रर्जन----ग्रतः मुझे बिशम्भर नाथ श्रधिनियम, 1961 (1961 新 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' गया है), की धारा 269 ख के अधीन समक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- ए० से अधिक है बाजार मल्य है तथा जो ग्राम चान्दपूर, गाजीपूर में श्रीर जिसकी सं० स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय गाजीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 7—106GI/75

2. श्री लुयवन व भ्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता श्राराजी भूमि जिसका रकवा 9 बीघा, 2 बिस्वांसी है, जो कि ग्राम चान्दपुर परगना पचोरट, जिला गाजीपुर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 25-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

1. श्री एयाम साल

(भ्रन्तरक)

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक

भ्रायकर भ्रायुक्त, भ्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 श्रप्रैल, 1975

निदश सं० 37-बी०/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे बिशम्भर नाथ 1961 म्रायकर मधिनियम, (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 565/50 है तथा जो पूरन नगर, लखनऊ में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप, से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रक्षिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण <mark>म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख 16-9-74</mark> को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के को दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल कापन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मै, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारानिम्नलिखित (1) के ग्रिधीन न्यक्तियों ग्रर्थातृ:--- 2. श्रीमती बुज राना

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कस व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला नं० 565/50, जिसका रकबा 95×22 वर्ग फीट है, जो कि पूरन नगर खखनऊ में स्थित है।

बिशम्भर नाय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 25-4-1975

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्राजीन रेंज 1/2, दिल्ली-1
4/14 ए, भ्रासफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रप्रैल 1975

निर्वेण सं० म्राई० ए० सी०/एनयु०/11/827/75-76/374 —-यतः, मुझे चं० वि० गुप्ते

कायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० दुकान नं० 9 है, जो खारी बावली, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 25-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य लिए से कम के वृश्यमान प्रतिफल मन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ग्रधिक है और ग्रन्तरक का पन्त्रह प्रतिशत रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: भ्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, प्रयात:—

 मैं० एल० एन० गादोदिया एण्ड सन्स (प्रा०) लि०,
 1112, कूचा नटवन, चांदनी चौक, दिल्ली-1 डायरेक्टर
 श्री तेज पाल गादोदिया, सुपुत्र श्री राम गोपाल गादोदियां, वंगलो नं० 8, ग्रलीपुर रोड, सिविल लाइन, दिल्ली।

(म्रन्तरक)

 $2 \cdot (1)$ श्री नाथूमल, सुपुत्त श्री उपराग्नो सिंह, 58-एफ०, कमला नगर, दिल्ली (2) श्री ग्याम सुन्दर (3) श्री तारा चन्द (4)श्री बिहारी लाल सुपुत्न श्री मुरली धर, 24/14, गक्ति नगर, दिल्ली-7।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्रांक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जो कि ग्राउण्ड फ्लोर पर गादोदिया मार्किट में है जिसका नं 9 है तथा कुल बिरा हुआ क्षेत्रफल 775 वर्ग गज (जिसमें बारान्दा तथा फड़) है तथा जो खारी बावली, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से घिरा हुआ है:—

पूर्व-साझी दीवार। पश्चिम-साझी दीवार।

उत्तर---गादोदिया मार्किट के पीछे खुली म्युनिसिपल जोत । दक्षिण---गादोदिया मार्किट के ग्रन्दर 16 फीट चौड़ी नोजि साझी सड़क ।

> चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली-2, नई दिल्ली-1

तारीख: 28 ग्रप्रैल 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ----

प्रायक्षर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रप्रेंल 1975

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/ 11/828/75-76/375---यत: मुझे चं० वि० गुप्ते

ध्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 14 है, जो खारी बावली, दिल्ली
में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे
रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन
21-1-1975 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी झन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपद्यारा (1) के प्रधीन निम्निस्थित व्यक्तियों अचितः— 1. मैं० एल० एन० गादोदिया एण्ड सन्स (प्रा०) लि०, 1112, कूचा नटबन, चादनी चौक, दिल्ली-1 डायरेक्टर श्री राम गोपाल गादोदिया, सुपुत्त श्री लक्ष्मी नारायण गादोदिया, बंगलो नं० 8, अलीपुर रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरक)

2.(1)श्री हुकम चन्द, सुपुत्र श्री सन्त लाल, (2)श्री सुभाष चन्द्रा, सुपुत्र श्री हुकम चन्द, 1547, गली कूचा बाग, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, दिल्ली-1। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जो कि ग्राउण्ड फ्लोर पर गाबोदिया मार्किट में हैं जिसका नं 14 हैं तथा कुल घिरा हुआ क्षेत्रफल 768 वर्ग गज (जिसमें बारान्दा तथा फड़) है तथा जो खारी बावली, विल्ली में निम्न प्रकार की सीमाग्रधों से घिरा हुआ है:---

पूर्व---साझी दीवार

पश्चिम---साझी दीवार

उत्तर—इस जायदाद की सारी दीवार नीचे से ऊपर इसके बाद खुली म्युनिसिपल जोत है।

दक्षिण—गागोदिया मार्किट के श्रन्दर 16 फीट चौड़ी नेजि साझी सड़क।

> चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 2-दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28 भ्रप्रैल 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— धायकर ग्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिप्तीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 श्रप्रैल, 1975

निदेश सं० 64-एस०/ग्रर्जन--ग्रतः मुक्षे विशम्भर नाथ आयकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है)

की घारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक हैं। भ्रौर जिसकीं सं० वी०- 3- 4-बी० है तथा जो हास्पिटल रोड जगदीश-पुर बिलया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बिलया में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1974 को सम्पत्ति के उचित पूर्वोक्त से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

- से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबतं उक्त श्रिधिनयम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (बा) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या थ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः श्रवधारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , श्रर्थात् :-- ा. श्री बजेन्द्र नारायन

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शिवगुलाबी देवी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं 9 बी०-3-4-बी० जिसमे आराजी भूमि का 1/4 भाग शामिल है। जो कि हास्पिटल रोड, जगदीश पुर, शहर, बलिया में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) स्त्रर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख: 22-4-1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

ग्रायकर भश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> भ्रजन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 मंत्रैल, 1975

सं० 64 एस० । प्रर्जन -- अतः मुझे बिशम्भर नाथ धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) इसमें इसके 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से घ्रधिक है श्रीर जिसकी सं० बी० 2-4 बी० है तथा जो हास्पिटल रोड़ जगदीश पुर बलिया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय बलिया में प्रिवित्यम 1908 (1908 का 16) के रजिस्दीकरण श्राधीन दिनांक 30-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) झम्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्स ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः, ग्रबं, उक्त अधिनियम की घारा 269—ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269—श की उप-घारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।-- (1) श्री भग नारायन

(ग्रन्सरक)

(2) श्री शिव गुलाबी देवी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धाधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पवों का, जो सक्त धिधिनियम, के घ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस घष्ट्याय में विया गया है।

अमुसुची

एक किता मकान न० बी०-3-4 बी० जिसमें श्राराजी भूमित का 1/2 भाग भी शामिल है जो कि हास्पिटल रोड़ जगदीश पुर शहर बलिया में स्थित है।

> बिशम्बर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 22-4-1972 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 मर्गल, 1975

निदेश सं० 64-एस०/श्रर्जन—श्रतः मुझे बिशम्भर नाथ आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० वी०-3-4-वी० है तथा जो हास्पीटल रोड, जगवीशपुर बिलया में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कार्यालय, बिलया में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 -9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बिशोश्वर नारायण

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शिव गुलाबी देवी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो आयकर ध्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

एक किता मकान नं० बी०-3-4-बी० जिसमे श्राराजी भूमि का 1/4 भाग भी शामिल है। जो कि हास्पीटल रोड़, जगवीश पुर, शहर बलिया में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम ध्रधिकारी, सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 22-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 23, मई, 1975

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०आर०-iii/दिसम्बर1/534(18)/74-75—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार०-62 है, जो ग्रटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-12-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितं बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

न्नतः अब उक्त श्रधिनियमकी, धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घकी उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत्:——

- 1. श्री गुलाब सिंह जैन, सुपुत्र श्री रूली राम, निवासी डी/1ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
- 2. श्री मास्टर कमल डोगरा श्रीर मास्टर राजेश डोगरा नाबालिंग सुपुत्र श्री जें के सी इोगरा, माता तथा स्वभविक संरक्षक श्रीमती कष्णा कुमारी ढोगरा, पत्नी श्री जें के सी इंगरा विवासी 62, कटरा शेर सिंह, हाल बाजार, श्रमृतसर (पंजाब) (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए एसदुद्वारा कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितअब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगण है ग्रीर नं० 62 है तथा ब्लाक नं० 'श्रार०' तथा जो कि दुमंजिल बिल्डिंग के साथ बना हुग्ना है ग्रीर जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली के नाम से जानी जाती है तथा जिसकी सीमाएं निम्न हैं:—

पूर्व: मकान नं० ग्रार०-62 पश्चिम: मकान नं० ग्रार०-64 उत्तर: सर्विस लेन दक्षिण: सड़क

> चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज 1/2, दिल्ली।

तारीख: 23 मई, 1975

प्राक्य आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, विनॉक 12 मई 1975

निर्देश सं०-III/6/मर्जन-75-76---यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ अधिमियम, 1961 (1961 **斬 43)** (जिसे इसमें ईसके पश्चात 'उक्त अधिक्यम' कहा गया है) की घारा 269 वाके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्ष्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० -II, हो० नं०-684-भ्र० है तथा जो अपर बाजार रांची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 **का** 16) के ग्रधीन, तारी**ज** 18-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों अर्जातः—

- 1. श्रीमती लीला देवी टैनवाला जौजे श्री डूगरमल टैन-बाला द्वारा एम०/एस० कलकत्ता हार्डवेयर स्टोर ग्रपर बाजार रांची। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमला देवी पोदार जौजे श्री केदार नाथ पोदार ईस्ट मारकेट रोड, ग्रपर वाजार रांची (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजँन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविधि दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्भीकरण:—हसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रांची गोशाला के पास मकान, वार्ड नं०-II हो० नं० 684 -ध्र० जो कि दस्तावेज नं० 14951/74 दिनांक 18-9-74 में 4णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पदना

तारीख: 12 मई 1975

मोहर :

8-106GI/75

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०------

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायम आयमर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, विनोक 12 मई 1975

पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावश मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधि। नयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-9-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत श्रधिक है और यह कि धन्तरक (धन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठितियम, के ग्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए शौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-घ की उपद्वारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात:-

- (1) श्री तारकेश्वर राम वल्द श्री भागवत राम
 श्री चन्द्र शेषर अग्रवाल 3. श्री अजेश कुमार अग्रवाल/ वल्दान श्री तारकेश्वर राम सा० राजाराम लेन, राम बाग, पटना-8।
- 2. श्री केशव प्रसाद गुन्ता उर्फ बाबू लाल गुन्ता वल्द श्री द्वारिका प्रसाद, सा०/पो० कदमकुत्रां, पटना-3। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लीत में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गड्यों और पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ये होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक किता दो मंजिला सकान, कदम कुभ्रां, पटना-3 में, सं० नं० 3 सीट नं० -54 प्लौट नं० 588 जो कि दस्तावेज नं० 1 5076 दिनांक 28-9-74 में पूर्णतया वर्णित है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

तारीख: 12-5-1975

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी०-17/75-76---यतः मुझै, के० एस० वेंकटरामन

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 12-2-718 मलकापुर है, जो हैदराबाद में में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अम या अन्य आस्तियों,
 को जिन्हें भारतीय क्षाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उपत अधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयीत्:— 1. श्रीमती रेह मतुन्नीसा बेगम पत्नी मोहम्मद रेहासत श्रली, नं० 20-5-285/1, काजीपुरा, हैदराबाद-2 (श्रन्तरक)

2. मैंसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, ब्राबिव रोड, हैदराबाद-1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गडदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:--नं० पुराना 345, हल्का बाई नई नं० 12-2-718 मलकापुर, बैरबन, हैदराबाद, क्षेत्रफल 10,555 बर्गेगज, मा 8825.25 वर्ग मीटर्स।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैक्दाबाद

तारीख: 8-5-75

प्ररूप आई टी० एन० एस० ---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश मं० ग्रार० ए० सी० 18/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० एफ० -2/661 का भांग सोमानीगूडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमूस्ची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-

लय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन 5-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिश्वास अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अम्परिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्ष्यित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) (1) श्री पी० बी० नरसिंहा राव पुत्र रामध्य डोकीपारु मोजा (2) श्रीमती झार० बुचम्माल पत्नी रामलू नायडु, घोरकाडु मोजा, मद्रास-67

(मन्तरक)

(2) मैसर्स शाह फारम भौर कन्स्टकशन इकविपमेंट कंपनी, 5-3-335, भ्रार० पी० रोड, सिकन्दराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पर्ति के अर्जन के लिए एसव्दारा कार्ये**वाहियां कुरू** करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तस्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-निधम के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, नहीं अर्च होना, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची '

सम्पत्ति:---

पूरी प्लाट जिसंका क्षेत्र 1200 वर्ग गण ग्रीर संसग्न प्लान में खुली तरह वर्णन क्षिया गया है जो सं० नं० 35 पर सोंमाजीगूडा, हैदराबाद एफ०-2/661 का भाग निम्न से घिरा हुआ है:---

उत्तर—सी० सी० रोड दक्षिण—⊶मैसर्स शाह सन्स (पी०) लिमिटेड पश्चिम—पेट्रोल पम्प पूरब—मसर्स शाह सन्स

> के० एस० वेंकट रामन, सक्तम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-5-75

प्रारूप आई०टी०एन० एस०---

अशयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 19/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

भायकर प्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 16/52, 51, 50, 46, 47 है, जो ट्रंक रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-9-1974 को

का 16) के प्रधीन 11-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्सिंघी, को जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जी० सुद्रमन्यम्, (2) जी० श्रादीशेशयान,
 (3), जी० स्त्रीनीयास मुलकी कृष्णा, (4) जयचन्द्रा,
- (5) वेंकटाद्री लकशमम्मा पत्नी ए० शेशप्या, ट्रंक रोड, नेल्लूर (भ्रन्तरक)
- (1) श्री के० वेंकट सुब्बय्या पुत्र नारायन चेट्टी
 (2) वी० वेंकप्या दोनों मैसर्स सिल्क प्यालेस के भागीदार ट्रंक रोड, नेल्लूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्प्रित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० 16/52, 51, 50, 46, 47, ट्रंक रोड, नेस्सूर ।

के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्रधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 9-5-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, हैदराबाद
हैब्राबाद, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 21/75-76---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

ष्मायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधितियम' फहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० बाग 3-6-122 हिमायतनगर है, जो हैब्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैद्राबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृषयमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्यों) और अन्तरिती (अन्तरिक्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविष्ट रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिशिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. (1) श्री जाल येम जहानगीर, (2) मेहर के हिटालिया (3) रोणन येम जहानगीर, (4) सीन येम जहानगीर तमाम नं० 10-5-15 मासाब टान्क हैद्राबाद / (भ्रन्तरक)

2. श्री केस राम रेड्डी पिता सत्यानारायन रेड्डी एच० नं० 18-4-485 श्रलियाबाद हैदाबाद (श्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिकाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:--पिचेकाबरा नं० 3-6-122 हिमायतनगर हैब्राबाद।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ष्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 मई 1975

निवेश नं० 31-के०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे विशम्भरनाथ धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रू० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा 3/40 खियाबान वजीर हसन रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 28-9-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और <mark>अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के मीच</mark> ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- राज सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि० (श्रन्तरक)
- श्री कैलाश नारायन मिश्रा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) धस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

एक किता प्लाट नं० 3 जिसका रकबा 8604 वर्ग फिट है। मय एक किता कोठी जो कि 3/40 खियाबान, वजीर हसन रोड, लखनऊ में स्थित है।

> बिशम्भर नाय, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 7-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 7 मई 1975

निदेश नं० 65-एस०/प्रजन---ग्रतः मुझे बिशम्भर नाथ अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है तथा जो 40/3 खियावान वजीर हसन रोड लखनऊ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाब**ब ग्रनुसूची** में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 13-9-1974 पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगरत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की झारा 269-ग के अनुकरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-म की उपझारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- " 1. राज सहकारी गृहनिर्माण समिति लि० (प्रस्त

(ग्रन्तरंक)

2. श्री सन्तोष कुमार श्रग्रवाल

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 7 जिसका रकवा 6140 वर्ग फिट है। मय एक किता कोठी जो कि 40/3 खियाबान, कजीर हसन रोड लखनऊ में स्थिति है।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम श्रक्षिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-5-1975

4589

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० 16/75-76---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन मायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनयम' कहा गया है।) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० 10-2-180 मोरड़ पल्ली है, जो सिकन्दरा-बाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनूसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 4-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है यह कि अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया असिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः श्रम उक्त श्रिविनयम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिविनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रिवीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रिवीन :--- 9—106GI/75

1. श्रीमती पान कुमारी बाई, 1200 म्याक्लेवगूडा सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)

2. (1) श्री नरेश कुमार (2) श्री लोकेन्दर कुमार 9-3-164 रेजीमेन्टल बाजार, मिकन्दराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, श्री उक्त श्रीधिनियम, के श्रीध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा, अमे आहा श्रीध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—दुःमजला पूरा मकान जिसका नं । 10-2-180 (पुराना नं । 17) क्षेत्रफल 7182 वर्ग फीट, जो मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में स्थित है।

> के० एस० **वेंकट रामन,** सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-5-1975

प्ररूप आई० टी० एस० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, हुबली धारवाड, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश सं० 76/75-76/ए० सी० क्यू०--- यत:, मुझे भार० पार्थसारथी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज घारवाड भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 'की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सी० टि० एस्० नं 142/एस० बी० है, जो वार्ड न 9, लैन बद्यार, धारवाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, धारवाड में डांक्युमेट नं० 1236 के श्रंतर्गत 17-9-1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रश्चिनियम 1908 (1908 का 16) के <mark>भ्रधी</mark>न के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति वृष्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और यह कि अन्सरक (अन्सरको) और अन्सरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित मेवास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, जबत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269 - ग के झनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269- ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :~

- 1. डा० सुंदर लक्ष्मण बल्से, एम्० ग्रार० सी० पी० (लन्डम) प्लाट नं० 201, बी० ब्लाक, सिम्ला हौस, 51 बी० नेपियन् सी० रोड, बोबाई-400006 (ग्रन्तरक)
- 2. लेफ्टनंट कर्नेल डा॰ एम्॰ ए॰ सिरूर, 173, मीरा सीसाइटी, साँलिस्थरी पार्क, पूना-4110001 (अन्तरिती)
- 3. (1) श्री पल्लप्पा एच् कलाल, कॉल्टेक्स, पेट्रोल पंप, धारवाङ, (2) दि॰ रीजनल् ट्रांसपोर्ट श्राँफीसर, धारवाङ, (3) मेसर्स ज्योती श्राँइल डिस्ट्रीब्यूटर्स, धारवाङ (4) इंडियम् ग्राँइल कार्पोरेशन् लिमिटेड्, प्लाट न॰ 50, 'उषा' हिंदवाडी, बेलगाँय-590006

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सी० टि० एस्० नं० 142/एल्० बी० का आस्ती जो, दो मुख्य विल्डिंग श्रीर उसके अन्य संबंधी भागो का है श्रीर जिसका विस्तीर्ण 1 एकड, 35 गुठा श्रीर 99 चंदर यार्ड है, हुझली-धारवाड मुनिसिपल् कार्पोरेशन् के हद्द में धारवाड शहर के 9 वार्ड, लैन बातार में स्थित है।

> ं स्नार० पार्थसारधी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, धारवाड ।

तारीख: 8-5-1975

प्ररूप धाई० टी० एम० एस०----

र्भ द्यायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाड

घारवाड, दिनांक 30 भप्रैल 1975

निर्देश सं० 75/75-76/ए० सी० क्यू०---यतः, मुझे, म्रार० पार्थसारथी सहार्यक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज धारवाड प्रधिनियम, प्रायकर 1961 (1961 新 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने मा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी जिसकी सर्वे नं० 125 है, जो चिवरी गाँब, तालुका ग्रौर जिला बीदर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बीदर में डौक्युमेंट नं० 2176 के झंतर्गत 11-11-1974 के दिन भारतीय रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के फ्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए म्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल सै, ऐसे पुश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने मे सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुनिधा के लिए;

ग्रतः ग्रव धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निश्चित व्यक्तियों अर्थात:—-

- श्रीमती सरस्वती बाई, पत्नी भँवारी लाल, पानबझार, मुनाइटेड् कर्मामयल् बैंक के पीछे, सिकंदराबाद (ग्रांध्रप्रदेश) (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती कौसल्याबाई पत्नी मोहनलाल, (2) श्री बद्दीप्रसाद पुत्र मोहनलाल ग्रग्रवाल, (3) श्रीमती कांता बाई पत्नी महेंद्र प्रसाद, (4) कुमार शामसुदर पुत्र मोहन साल, ग्रल्यवयी, ग्रपने संरक्षणदार ग्रीर पिता मोहनलाल पुत्र शूरमल्जी, (5) कुमार मुकेशवाबू पुत्र नरसिंगदास, ग्रन्थवयी, ग्रपने संरक्षणदार ग्रीर माता श्रीमती शकुंतलाबाई पत्नी नरसिंगदास—धर नं० 5-3-39, धोशामहल, हैद्राबाद (ग्राध्य प्रदेश)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्तं श्रीविनयम, के शब्दाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

जिला और तालूक बीदर के चिदरी गाँव के सर्वे नं 125 में ग्राग्नेय भाग में 9 एकड़ विस्तीण का जमीन श्रीर उस जमीन पर स्थित सभी इमारतें, पक्का श्रीर श्रस्थाई सूपर स्ट्रक्चरें फैक्टरी शेड् श्रीफीस का कमरा (बिना छत का) और श्रीस्वेस्टौंस शीटों के छत का गोडौनें, जो पहले कर्नाटक खंडसारी शुगर प्याक्टरी के श्रावार के नाम से ज्ञात था और श्रव सौंधल्या खंडसारी शुगर प्याक्टरी के नाम से ज्ञात

श्रार० पार्थसारथी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, धारवाड़ ।

सारीख: 30-4-1975

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, बेगलूर

बैंगलूर, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० सि० ग्रार० 62/2995/74-75—यतः मुझे, ग्रार० किष्णमृति आयकर अग्निनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से ग्रधिक है

ष्मौर जिसकी सं 140 है, जो वी० पी० के० श्रौर सर्वे नं० 9, सैट नं० 17, कामाक्शी, हेड्बल कसबा, बैंगलूर नार्त तालूक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कैंगसूर नार्त, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-9-1974 दस्तावेज नं० 3575/74-75

को भूषोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रितिप्रका के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किकी आय की कायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म ऑस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अस उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ज की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एच० एम० तिम्मम्या (2) श्रीमती गनगम्मा हेट्याल कसबा, बैंगलुर नार्त तालुक (ग्रन्तरक)
- श्री एम० किल्णाप्पा पुत्र मारप्पा हेम्बाल कसर्वा,
 बैगलूर नार्त तालूक (ध्रन्तरिती)
- (1) श्री रामडास (2) मुषिवेन्कटप्पा (3) जोसफ
 (4) सूब सिन्ज (5) माडय्या (6) लोकोन्डो, (7) पांडे (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनतः सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस : सूचमा के राजपक में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितकक किसी अन्य व्यक्ति क्रांत्र, अधीहस्ताक्षरी के पास सिकित में किसी जा सकेंगे।

स्प्रकाशिकप्रण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में यथा-परिभाविक हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में विया नेया है।

अनुसूची

मकान नं० 140, हेध्याल, बी॰ पी० ले ग्रीर सर्वे नं० .9, सैंट नं० 17, हेस्थाल कसबा, बैंगलूर नार्ते क्षेत्रफल $.40' \times 60' = 2400$ वर्ग फीट सीमा

पु: सैट नं० 18 भ्रब्दुल कमर का

प : सिछ-गनगम्मा की सैंड नं० 16

उ: 25 फीट रोड

द : कनजन्मेनसी रोड

दस्ताबेज नं • 3575/74-75 सा । 21-9-1974

श्चार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बैंगलूर ।

तारीखाः 6-5-1975

प्ररूप आई० टी० एम० एस० 🗝

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज बैंगलूर बैंगलूर, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० सि० श्रार० 62/3098/74-75—-यतः मुझे, श्रार० किष्णमूर्ति

शायकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उक्त श्रिष्ठिनयम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम श्रिष्ठिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रिक्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 42 है, जो कोटगुर्जु गांष, पावगडा तालूक, तुमकूर जिला में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता घ्रिष्ठकारी के कार्यालय, पावगडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 6-9-1974 दस्तावेज 1350/74-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री के० सुब्बराय सास्त्री (2) के० एस० नागभूषण समी, के० एस० सत्यनारायण पावगडा, तुमकूर जिला (अन्तरक)
- 2. श्री हनुमप्पा पुत्र हनुमप्पा सिनगरहल्ली, पावगडा, तालूक, बी० एन० होसकोटे होबली, तुमकूर जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षे का, जो उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

खेती जमीन सर्वे नं० 42 20 एकर 37 गुनटे (41 एकर 35 गुनटे में से) जो कोटगुर्तु गांव पावगडा तालुक में स्थित है।

सीमा :--पूर्व : सिनगर हल्ली
पश्चिम : सर्वे नं० 43 की जमीन .
उत्तर : सर्वे नं० 41/182 की जमीन
दक्षिण : सर्वे नं० 48 श्रीर कोमाला
दस्तावेज नं० 1350/74-75 ता० 6-9-1974

ग्रार० क्रिष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बैंगलूर ।

तारीख: 6-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० सि० श्रार० 62/3099/74-75—पतः मुझे, श्रार० किष्णमूर्ति

ष्ठायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 42 है, जो कोटगुर्तु गांव, पावगडा तालूक तुमकूर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पावगडा दस्तावेज नं० 1351/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयश्वर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मात : मात उनत मधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं 'उनत श्रिधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के मानीन निम्मालिखित व्यक्तियों, गर्यात :—

- 1. (1) श्री के० सुब्राय सास्त्री (2) के० एस० नागभूषण शर्मा (3) के० एस० सत्यनारायण, पावगङ्ग, बी० एन० होसकोटे, तुमकुर जिला (श्रन्सरक)
- श्री एस० टी० हनुम रेड्डी पुत्र तिम्मप्पा, सिनगरूर गाय, पावगडा ताशूक तुमकूर जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (फ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध दा तत्सबंगी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के शब्दाय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती जमीन सर्वे नं० 42, 20 एकर 38 गुनटे (41 एकर 35 गुनटे में से) कोटगुर्तु गांव, पावगडा तालूक।

सीमा--

पूर्वः सिनगर इल्ली

परिचमः सर्वे नं० 43

दक्षिण: सर्वे नं० 48 श्रीर कोमाला

भ्रार० किष्णमृति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजीन रेंज, बैंगलूर ।

तारीख: 6-5-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, तिथि 6 मई 1975

निर्वेश सं० सि॰ श्रार० 62/3100/74-75---यतः मुहो, श्रार० किष्णमूर्ति श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है और श्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 52 खेती जमीन) पावगडा, तुमकर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पावगडा, तुमकर जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के मधीन 7-9-1974 दस्तावेज नं॰ 1352/74-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री (1) पी० जी० रामय्या (2) पी० जी० बद्रिनारायण सुपुत्र गुन थय्या सास्त्री, पावगडा, तुमकर जिला (ग्रन्तरक)
- 2. श्री के० एस० सत्यनारायण सपुत्र सुप्राय सास्त्री पावगडा (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पडटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खेती जमीन सर्वे नं० 52, 19 एकर 4 गुनटे (34 एकर 2 गुनटे में से), पावगडा, तुमकर जिला। सीमा: पूर्व: सर्वे नं 54 की जमीन पश्चिम: सर्वे नं० 48 की जमीन उत्तर: के० एस० नागभूषण की सम्पत्ति विश्वण: सर्वे नं० 53 की जमीन

वक्षिण : सर्वे नं० 53 की जमीन वस्तावेज नं० 1352/74-75 ता० 7-9-1974

> ग्रार० क्रिष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रज, वैंगसूर

तारीख: 6-5-1975

मोहरः

प्ररूप० भाई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगसूर तारीख 6 मई 1975

को, प्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से प्रक्षिक हैं श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 52 हैं, जो (जमीन) पावगडा, टुमकूर जिला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पखनड़ा दस्तावेज ्नं० 1353/74-75 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

श्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथींत् :--

- 1. श्री (1) पी० जी० रामथ्या (2) पी० जी० बद्रिनारायण पाथगडा, दुसकूर जिलां (श्रन्तरका)
- 2. श्री के० एस० नागभूषण सर्मा सपुत्र के० सुब्बाराय सास्त्री, पावगडा, दुमकूर जिला (ग्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजजा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के
 पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

अमुसूची

जमीन सर्वे नं० 52, 14 एकर 38 गुनटे (34 एकर 2 गुनटे में से) जो पायगडा में स्थित हैं धौर जिसकी सीमा निम्नलिखित हैं:--

पूर्व : सर्वे नं० 54 की जमीन पश्चिम : सर्वे नं० 48 गी जमीन उत्तर : सर्वे नं० 51 की जमीन दक्षिण : के० एस० सत्यनारायण की जमीन दस्तावेज नं० 1353/74-75 ता० 7-9-74 ।

> श्चार० किश्णमूर्ति , सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बैंगलुर

तारीख: 6-5-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रिधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगलूर तारीख 7 मई 1975

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/3152/74-75—यतः मुझे, श्रार० किष्णम्ति

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रधिक है

म्रीर जिसकी सं० 48/1 म्रीर 48/2 है, जो म्रीन्ड फ्लोर ग्रीर 48,48/1, 48/2 मीर 48/3 का I फ्लोर जे० सी० रोड, बैंगलूर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबढ़ भ्रनुसची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर दस्तावेश नं० 2852/74-75 में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 26-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित
की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
भीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम था धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीन :-10—106QI/75

- श्री जी० एस० ग्राचार्य सपुक्र डा० बी० जी० एस० ग्राचार्य ग्रारा पी० ए० श्रीमती सुशीला देवी, 173, I ब्लाक जयनगर, बैंगलूर- (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती एम० एनः जानकी पत्नी नरसिमहय्या होटल मालिक, सनतेपेट, विश्वदुर्गा (ग्रन्तरिती)
- 3. 1. रथालिस फार्मा डिवीजन
 - 2. सिलवेनिया ग्रौर लक्ष्मन
 - 3. रथालिस वोल्फ डिबीजन (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय। है ।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 48/1 भ्रौर 48/2 (पुराना नं० 20/4) ग्रौन्ड फ्लोर भ्रौर I फ्लोर इमारत नं० 48, 48/1, 48/2 भौर 48/3 जे० सी० रोड, बैंगलूर सिटी ।

सीमाः पूर्वः जे० सी० रोड

पश्चिम : कार्पोरेशन की गली

उत्तर : पुराना सैट नं० 4 (नया नं० 20/3)

विक्षण : सम्पत्ति नं० 48 ग्रौर 48/3

क्षेत्रफल 216 वर्ग गज

दस्तावेज नं० 2852/74-75 तारीख 26-9-1974

श्चारः क्रिष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैगलुर

तारीख: 7-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के <mark>घष्टीन भूचना</mark> भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर (भ्रायुक्त) निरीक्षण

ग्रर्जन रेंज ज्योती बिल्डिंग्स गोपाल प्रभु रोड, एरणकुलम कोचीन-II तारीख 5 मई 1975

निदेश सं० एल० सी० 38/75-76—यत. मुझे, के० राज-गोपालन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'

(1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिस की सं० 892 ग्रीर 898 है तथा जो कोट्टनकरा विल्लेज, कोल्लम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय छरविपुरम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 13-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

धतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिथीत्:——

- 1. (1) श्रीमती जानममा रामन, गोविन्द भवन कोल्लम
 - (2) श्री हरिवास, गोविन्द भवन, कोल्लम
 - (3) श्री नटराजन, गोविन्द भवन, कोल्लम मेसर्स ए० पी० गोविन्दन एण्ड सन्स(पी०) लिमिटेड कोल्लम के लिए (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ए० एन० सैनुलब्दीन मुसलिलार बाफी मंजिल कक्षिमेलचोरी, किलिकोदूर, कोल्लम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करती है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, ओ जम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोल्लम तालुका के पुनुकोक्षरचेरी, कोट्टनकरा विल्लेज में सर्व० सं० 892 श्रौर 898 में मकान से यक्त I एकड 35 सेनटम् भूमि ।

> के० राजगोपालन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीखा: 5-5-175

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स,
गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम, कोव्चिन-II
तारीख 6 मई 1975

निदेश सं० एल० सी० 40/75-76—यतः मुझे, के० राज-गोपासन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिध-नियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिस की सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो कालिकट के नगर ग्रंश देश में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चालप्पुरम में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 5-9-1974 को

ताराज 3-9-1974 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित धाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विस्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रश्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:---

- 1. श्री विषिन्दास पोकरदास, श्री पोकरदास के पुत्र, बैंकर, नगरं कालिकट (भ्रन्तरक)
- के० बी० जी० राऊ एस्टेट (हि० ग्र० कु०) मैनेजर एण्ड कर्ता श्री के० बी० गोविन्द राऊ श्री के० बी० देवदास राऊ काचरी श्रंग (से प्रतिनिधित्व कालिकट के पुत

 पुत

 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 , विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कालिकट के नगरं श्रंण देशं के सर्वे सं० 39/6 क (श्रार० एस० 11-2-75/2 (में स्थित, कालिकट निगम के सं० 11/179C) मकान के पहले श्रौर दूसरे मंजिल के खुली छत के 4/5 श्रधिकार ।

कें० राजगोपालन; सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

तारीख: 6-5-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज बंगलूर कार्यालय

बैंगलूर, दिनाक 5 मई, 1975

निदेश सं० सि० मार० 62/3017/74-75—-यतः मुझे म्रार० क्रुष्णमूर्ति, म्रायकर म्रायुक्त बंगलूर

मायकर ग्रधिनियम, (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त (1961 南 43) ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिस की सं० सकान नं० 10/6 है, जो ${
m VI}$ कास, विक्टोरिया ले आउट, बैगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, को कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 2222/74-7ढता दिनांक 28-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि भन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ब्रन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्वनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—-

- श्रीमती बी० शारदम्मा, नं० 85 विक्टोरिया ले श्राउट, मंगलूर-7 (अन्तरक)
- 2. श्री बी॰ रुद्रय्या नं॰ 10/6 विक्टोरिया ले भ्राउट बैंगलूर-7 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं धर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं॰ 10/6 VI कास, विक्टोरिया ले आउट बंगलूर—560007

क्षेत्रफल : पूर्व-पश्चिम : 50'

1850 वर्ग फीट

उत्तर-दक्षिण : 37'

बस्तावेज नं० 2222/74-75 ता० 28-9-1974

ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, वैंगलूर ।

सारीख : **5**~5-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयफार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1)के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-पि, मद्रास

तारीख 5 मई 1975

निदेश सं० 1380/74-75---यतः मुझे, के० वी० राजन श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 ক্য (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्वनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रौर जिस की सं० डोर सं० 20, तिरुमुर्ती स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (मद्रास) (डाकू मेन्ट सं० 1384/74) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-9-1974 को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है मौर यह कि मन्तरक (मन्तरको) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे धन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उस्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन उक्त ग्रिधनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों, को जिन्हों भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु .--

- (1) श्री पी०वी० सत्यनारायणाा एस० सुन्दरराजन, एस० श्रीदरन; एस० रगोतमन; एस० रबीन्त्रनातः (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री चेन्नम्पल्लि श्रोबुलेसु

(ग्रन्तरिती)

को यह सूनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा.
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मन्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्रंथं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

> के० वी० राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

सारी**ख**: 5-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० 3202/74-75--यतः मुझे ए० रागवेन्द्र राव म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, असका उचित 25,000/- रुपये से अधिक मुख्य श्रौर जिस की सं० 38, लुयिप्रकासम स्ट्रीट पान्डिचेरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पान्डिचेरी (डाकुमेन्ट सं० 2678/74 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन, तारीख 1974 16-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृग्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ं उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः

- (1) श्री रंघसामि किरामनि
- (स्रन्तरक)
- (2) श्री कन्ता कन्तसामि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्येवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पान्डिचेरी लूथिप्रकासम स्ट्रीट में 2318 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ) (डोर सं० 38)

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-^{II}, मद्रास

तारीख 30-4-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृक्षना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, तारीख 30-4-1975

निदेश सं० 2282/74-75--यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राष श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिस की सं० ग्रालान्द्ररै गांव में सर्वे सं० 535/2; इक्करै बोलवस्पट्टि गांव में सर्वे सं० 244/2; 375/3; 374; 375/1 376/1 श्रीर 376/3 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 2317) मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के से प्रसिफल के दुश्यमान लिए की गर्ह और अन्तरित विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिशीन —

- (1) श्री एस० पी० राजगोपाल : एस० पि० श्रह्मुधम श्रौर श्रीमती सुब्बुलज्म (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुब्बुलिज्म के द्वारा एस० ग्रार० ग्रानन्द कुमार (मैनर) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाव	सर्वे सं०	एकर-सेन्ट
 ग्रालान्दुरै	5 3 5/2	0-46 (भूमि)
इक्करै बोलुबम्पट्टि	244/2	1-92 (भूमि)
"	375/3	4-04 भूमि
**	374	0-53 भूमि
$^{\circ}$ $_{D}$	375/1	2-40 भूमि
"	376/1	2-17 भूमि
"	376/3	1-26 भूमि
		12-78

ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^{II}, मद्रास

तारीख 30-4-1975 मोहर

[PART III—SEC. 1

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राक, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 2283/74-75---थतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव श्रघिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करवे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्थये से ग्रधिक है श्रीर जिस की सं० कोयम्बतूर तालुका; पुलियकुलम गांव में एस० एफ० सं० 102 मौर 103 में स्थित है (मीर इस उपाबद्ध कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 3675/74) में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफन 🖷 लिए ग्रन्सरिस की गई है और मुझ्ते यह विश्वास करनेका कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर ग्रस्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती(मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रविक रूप से ४थिन नहीं किया गया है .--

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (भा) ऐसी किसी प्राय था किसी घन या ग्रन्य आस्तियो की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922(1922 हो 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 259-च की उपधारा (1) के अधीन, निष्णालिक व्यक्तिया पूर्णान - (1) श्रीमती सिन्नम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) शी ग्रार० जान नाडार

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्णक्य सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वश्री गर्थ होगा, जो उस श्रध्याय म दियः गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालूका, पुलियकुलम गांव

	एकर-सन्ट
एस० एफ० सं:102	1-74
एस० एफ० सः 103	2-41
एस० एफ० सं० 103	0-20
	4-35

ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ы, मद्राम

तारीख: 30-4-1975

मोहर ' '

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-^II, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निदेश सं० 2283/74-75--यतः मझे, ए० रागवेन्द्र राव भायकर अधिनियम 1961 -(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से श्रधिक है श्रीर जिस की सं० पट्टा सं० 106, जीठ एस० सं० 101, 102, 103; पुलियकूलम गांव, कोयम्बतूर तालुका में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 3674) मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (श्रन्तरकों) भ्रौर श्रन्तिरती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम. भ्रधिनियम, धनकर 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ 27) श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ध्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ध्राधीन :--11—106GI/75

- (1) श्री ग्रार० वी० ग्रहनाचलम (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० जान नाडार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कपके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पश्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं भ्रष्यं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुलुची

कोयम्बतूर तालूका, पुलियकुलम गांव मे पट्टा सं० 106;

	एकर-सन्ट
जी० एस० सं०101	3-09
जी० एस० सं० 102	1-06
जी०ए०सं० 103	0-20
	4-35

ए० रागवेन्द्र रा**व** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 30-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एसं०----

भायकर ग्रिप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंब रेंज-¹¹, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निदेश सं० 2276/74-75---यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है)की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घ्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 3 3, ग्यारहवां स्ट्रीट, टाटबाड कोयम्बत्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धिपुरम (कोयम्बतूर (डाकूमेण्ट सं० 2799/74) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 12-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रक्षिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—

- (1) श्री डी० जान विल्लियम्स (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एन० तिरुवेंकटसामि (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्पव्यक्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भर्म होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अभुसूची

कोयम्बतूर, ग्यारहवां वार्ड, टाटबाड ग्यारहवां स्ट्रीट, प्लाट सं० 533 में ग्यारह सेन्ट भ्रौर 283 स्कुयर फीट का भूमि (भकान के माथ)।

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 30-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-479 (174)/1-1/74-75---यतः मुझे, जे० कथुरिया श्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य' 25,000/— रु०से आधिक है श्रौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 517-2 बी, टी० पी० एस० नं० 3 है, जो नरेरू ब्रीज के निकट, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमीन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात:—-

- मैसर्ज साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी ग्रोर से---
 - (1) श्री साधुराम वी० ग्रंबानी,
 - (2) श्री गोरधनसाल एस० ग्रंदानी,
 - (3) श्री कीशनलाल साधुराम श्रंदानी,
 - (4) कुमारी भाग्यवंती एस० श्रंदानी,नेताजी क्लाथ मारकेट, कालुपुर, कोटनी रांग,श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री डाह्राभाई रामसंग भाई जादव, 10-बी०, ग्राम्प्रकुंज, सोसायटी, कांकरीया ढोर बजार रोड, मणीनगर श्रष्टमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों, का जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रावल सम्पत्ति जिसका ग्राफिस नं० ए-54 है भ्रीर जो केपीटल कमर्शल सेन्टर की चौथी मंजील के ब्लाक ए० पर स्थित है ग्रौर जिसका फायनल प्लाट नं० 517-2-बी, टी० पी० एस० नं० 3 है ग्रौर जो नरेरू पुल के निकट, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-5-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1975

यतः, मुझे, जे० कथूरिया

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं फायनल प्लाट नं 517-2-बी टी पी एस नं 3 है, जो नहेरू पुल के निकट ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन 27-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रिष्ठीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम,' या धन-कर ग्रिधिनियम', 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैसर्म साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी श्रोर से--
 - (1) श्री साधुराम बी० ग्रंदानी,
 - (2) श्री गोरधनलाल एस० भ्रंदानी,
 - (3) श्री कीशनलाल साधुराम ग्रंडानी,
- (4) कुमारी भाग्यवंती एस० भ्रंदानी, नेताजी क्लाथ मार्केट, कालुपुर, कोटनी रांग, भ्रहमदाबाद (अन्तरक)

3. मैसर्ज गुजरात एन्टरप्राइज 3, रंग कुज सोसायटी, नारणपुरा चार रास्ता, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भ्रवल सम्पत्ति जिसका श्राफिस नं० ए-57 है भौर जो केपीटल कमर्शयल सेन्टर के चौथी मंजील पर ब्लाक ए में स्थित है श्रौर जिसका फायनल प्लाट नं० 517-2-बी, टी० पी० एस० नं० 3 है श्रीर जो नहेरू पुल के निकट, श्राश्रम रोड श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद।

तारीख : 6-5-1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ि ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1975

निर्देश सं० ए सी क्यू 23-1-481 (176) / 2, 1/74-75---यत:, मुझे जे० कथूरिया

प्रायकर श्रंधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूल्य 25,000/-रुपये से भ्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० फायनल प्लाट ने० 517-2-बी०, टी० पी० एस० नं० 3 है, तथा जो नहेरू पुल के निकट, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्षाणत है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन 25-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चातः--

- मैंसर्ज साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी ग्रोर से—
 - (1) श्री साधुराम वी० ग्रंदानी,
 - (2) श्री गोरधनलाल एस० श्रंदानी,
 - (3) श्री कीणनलाल साधुराम ग्रंदानी,
- (4) कुमारी भाग्यवंती एस० श्रंदानी, नेताजी क्लाथ मार्केंट, कालुपुर, कोटनी रांग, श्रहमदा-बाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गोविन्द लाल मयाभाई पटेल, ८/० ग्राफ मैंसर्ज श्रनील कुमार भगवानदास, 1457, नवा माधुपुरा, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक श्रचल सम्पत्ति जिसका ग्राफिस नं० ए०-56 श्रीर हैं जो केपीटल कमर्शल सेन्टर के चौथी मंजील के ब्लाक ए० में स्थित है ग्रीर जिसका फायनल प्लाट नं० 517-2-बी०टी० पी० एस० नं० 3 है ग्रीर जो नहेरू पुल के निकट, ग्राश्रम रोड ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ।

तारीख : 6-5-1975

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1975 निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-1-482(177)/1-1/74-75--यतः, मुझे, जे० कथ्रुरिया श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 年 43) की धारा 269-ख के श्रधीन (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है)। सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि जिसका उचित बाजार मरुथ सम्पत्ति, 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं कायनल प्लाट नं ० 517-2-बी, टी विश्व एस० नं० 3 है, जो नहेरू पुल के निकट, भ्राश्रम रोड, भ्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबछ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद

के अधीन 27-9-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देनें के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त श्रिधनियम,' या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव 'उक्त ध्रधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं 'उक्त ध्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, ध्रयातः—

- मैसर्ज साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी स्रोर से——
 - (1) श्री साधुराम वी० ग्रंदानी,
 - (2) श्री गोरधनलाल एस० अंदानी,
 - (3) श्री कीशनलाल साधुराम भ्रंडानी,
- (4) कुमारी भाग्यवंती एस० ग्रंदानी, नेताजी क्लाथ मार्केट, कालुपुर, कोटनी रांग, ग्रहमदाबाद · (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पुरषोत्तम दास श्रमीचंद पटेल 15, सुवास सोसायटी, सेन्ट झेवीयर्स रोड, स्टेडीयम के सामने, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतबुद्धारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमसची

एक ग्रटल सम्पत्ति जिसका ग्राफिस न० ए०-50 है ग्रौर जो केपीटल कमर्शल सेन्टर के चौथी मंजील के ब्लाक ए० पर स्थित है ग्रौर जिसका फायनल प्लाट नं० 517-2-बी, टी० पी० एस० नं० 3 है ग्रौर जो नहेरू पुल के निकट, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद।

तारीख: 6-5-1975

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० सि० ग्रार० 62/2906/74-75-यतः, मुझे, ब्रार० त्रिष्णमृति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भ्रौर जिसका संव 3 है, जो डाव श्रमबेदकर रोड, बंगलुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दस्तावेज नं० 1923/74-75 9-9-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

से कथित नहीं किया गया है :--

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भतः श्रव, 'उक्त श्रधिनयिम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--

- (1) श्री वी० एस० लोकनाथन (2) वी० एल० त्याग-राजन (3) वी० एल० डोरैराजन, नठ० 7, मुस्मेम पिल्लय स्ट्रीट, बैंगलूर-1 (श्रन्तरक)
- 2. श्री ब्रार० केमपथ्या हेय-42, लक्ष्मीनारायणपुरम, बैंगलूर-19 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उषत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 3, डा० भ्रमबेदकर रोड, बैंगलूर-5, क्षेत्रफल 223'---85'---18955 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 1923/ 74-75 ता० 9-9-1974।

> स्रार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बैंगलुर

तारीख 25-4-1975। मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1975

निर्देण सं० सि० श्रार० 62/2907/74-75---यतः, मुझे, श्रार० ऋष्णमृति श्रायकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से घ्रधिक है और जिसकी सं० 3 (एक भाग) है, जो डा० ग्रमबेंदकर रोड, बैंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर मे भारतीय दस्तावेज नं० 1922/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 9-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप में से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-व की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थान :--

- (1) श्री वी० ऊस० लोकनाथन (2) बी० एल० स्थागराजन (3) बी० एल० डोरेराज, 7, मुरुगेम, पिलैय स्ट्रीट बैंगलूर-1 (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रार० केमपत्र्या, हेच-42 लक्ष्मीनारायपुरम, वैंगसूर-19 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 3 (एक भाग), डा० ग्रमबेदकर रोड, बैंगलूर-5

$$93' + 85'$$
 क्षेत्रफल $177' \times \frac{93' + 85'}{2}$ दस्तावेज नं० $1922/74-75$ ता० $9-9-1974$ ।

भ्रार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, वैगलुर ।

सारीख : 25-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज - II, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 श्रप्रैल, 1975

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/2908/74-75 :---यत:, मुझे भ्रार० किष्णमृति ग्रधिनियम, 1961 (1961 आयकर पश्चास् (जिसे इसमें इसके 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 2 (एक भाग) है, जो डा० श्रम्बेडकर रोड, बैगलूर-5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

1908 का 16) के श्रधीन दस्तावेज नं 1924/74-75, 9 सितम्बर, 1974 पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पस्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात्:—
12—106GI/75

- 1. (1) श्री वी० एस० लोकनाथन
 - (2) बी० एल० त्यागराजन
 - (3) वी० एल० दोरैराज नं० 7, मुरगेण पिलैथ स्ट्रीट, बैंगलूर-1 (श्रन्तरक)

2. श्री आर० समपतराज नं० 1056, VII मैन रोड, श्रीराम पुरम, बैंगलूर-21 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 2 (एक भाग), डा० श्रम्बेडकर रोड, बैंगलूर-5 क्षेन्नफल $\frac{175' \times 70' + 89' \cdot 6''}{2} = 14000$ वर्ग फीट दस्तावेज नं• 1924/74-75 ता॰ 9 सितम्बर, 1974।

आर० किष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, बैंगलूर ।

दिनांक: 25 ग्रप्रैल, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैगलूर

वँगलूर, दिनांक 25 श्रप्रैल, 1975

निदेश सं० मि० भ्रार० 62/2909/74-75 :—-यतः, मुझे भ्रार० ऋष्णमृति,

षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 (एक भाग) है, जो डा॰ ग्रम्बेडकर रोड, वैगलूर-5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर, वस्तावेज नं० 1925/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1008 का 16) के ग्रधीन दिनांक 9 सितम्बर, 1974

पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक कुप मे कथित नहीं गया है:

- (क) अन्तरण में द्वृई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, फियां में सुविष्ठा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. सर्वं श्री (1) वि० एस० लोकनाथन,
 - (2) वी० एल० ह्यागराजन,
 - (3) बी० एल० दोरैराज, नं० ७, मुरुगेश पिलैय स्टीट, बैंगलर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रार० समपतराज, 1056, VII मैन रोड, श्रीराम-पुरम बैंगलूर-21 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां, मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस् ची

नं० 2, डा० भ्रम्बेडकर, रोड, बैंगलूर-5 (एक भाग) क्षेत्रफल $178' \times 70' = 12260$ वर्ग फीट दस्तावेज 1925/74-75 ता० 9 सितम्बर, 1974।

आर० किष्णम्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, बैगलूर ।

दिनांक: 25 भ्रप्रैल, 1975

प्ररूप आई० टी• एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बैंगलूर

बैगलूर, दिनांक 25 ग्रप्रैल 1975

निदेश सं० सि० ग्रार०-62/3000/74-75 :—यतः, मुझे ग्रार० ऋष्णमृति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उम्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जि्सकी सं० 4 (एक भाग) है, जो डा० ग्रम्बेडकर रोड, वैगलूर-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, वैंगलूर दस्तावेज नं० 2037/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9 सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास, करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारनीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातुः

- 1. मर्व श्री (1) वी० एस० लोकनाथन
 - (2) बी० एल० त्यागराजन,
 - (3) बी० एल० दोरैराज , नं० 7 मुरूगेश पिलैय स्ट्रीट, बैगलूर-1 (अन्तरक)

 श्री ग्रार० समपतराज 1056, VII मैंन रोड, श्रीराम-पुरम, बैंगलूर-21 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्डीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 4 (एक भाग), डा० श्रम्बेडकर **रोड, बैंगलू**र-5 क्षेत्रफल $210' \times 70' = 14700$ वर्ग फीट वस्ता**वेज नं०** 2037/74-75 ता० 9 सितम्बर, 1974।

ग्रार० क्रिष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण)**,** ग्रर्जन रेंज, बैंगलूर ।

दिनांक : 25 स्रप्रैल, 1975

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रजन रेंज, बैगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 धप्रैल, 1975

निदेश सं० सि० श्रार० 62/3001/74-75 :--- यत:, मुझे भ्रार० ऋष्णमूर्ति, भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० 4 (एक भाग) है, जो डा० श्रम्बेडकर रोड, बैंगलूर-5 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैंगलुर दस्तावेज नं० 2038/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 सितम्बर, 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिश्वनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व, में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः धव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धर्धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :---

- 1. सर्वं श्री (1) वी० एस० लोकनाथन,
 - (2) वी० एल० त्यागराजन,
 - (3) बी० एल० दोरैराज,

नं० 7, मुरुगेश पिलैय स्ट्रीट, बैगलूर-1 (श्रन्तरक)

 $_2$. श्री भ्रार॰ समपतराज , $_{1056}$, $_{VII}$ मैंन रोड, श्रीराम-पुरम, बैंगलूर- $_{21}$ (श्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 4 (एक भाग) डा० श्रम्बेडकर रोड, बैंगलूर-5 क्षेत्रफल $190' \times 70' = 13300$ वर्ग फीट दस्तावेज नं० 2038/74-75. ता० 9 सितम्बर, 1974।

आर० किष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रैंज, बैंगलुर ।

दिनांक : 25 ग्रप्रैल, **197**5

प्ररूप प्राई०टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, बैगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल, 1975

निदेश सं० सि० भ्रार०-62/ 3239/74-75 :—-यतः, मुझे आर० किष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 248 है, जो हिंडुगुनटा, काक्स टौन, बैंगलूर (डिबीजन नं० 49) 8 गुनटे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ती में भ्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2549/74-74, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 25 सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:-- 1. श्रीमती एस० जानकी, नं० 9, केमब्रइज रोड, बैगलूर-8 (श्रन्तरक)

 श्री ग्रार० समपतराज 1056, VII मैन रोड, श्रीराम-पुरम, बैंगलूर-21 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसंद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 248, हिंडुगुनटा, काक्स टौन, बैंगलूर-1 (डिबीजन नं० 49), 8 गुनटे जमीन । दस्तावेज नं० 2549/74-75 ता० 25 सितम्बर, 1974।

> श्चार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्वर्जन रेंज, बैगलूर ।

तारीख: 25-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगल्र, दिनांक 30 भ्रप्रैल 1975

निदेश सं० सि० श्रार०-62/3013/74-75 :—यतः, मुझे श्रार० ऋष्णमूर्ति,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विप्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 27(नया नं० 38639) है, जो वैलिन्गटन स्ट्रीट, रिचमन्ड टौन, बैंगलूर-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध थ्रनुसूची में <mark>भ्रौ</mark>र पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्र<mark>धिकारी</mark> के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर, दस्तावेज नं० 2164/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 25 सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः भ्रव धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उश्त भ्रधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रधीत :---

- 1. (1) श्री डी० वी० विश्वनाथ सुपुत डी० वी० दासप्पा
 - (2) श्रीमती सीतम्मा दासप्पा बाल गुडा एसटेट, सोम-वारपेट, कूर्ग जिला (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रतिभा एस० मूला पत्नी एम० सुरेन्द्रनाथ 38/39, बैलिन्गटन स्ट्रीट, रिचमन्ड टौन, बैंगलूर-26 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 38/39(पुराना 27), वैलिन्गटन स्ट्रीट, रिचमन्ड, टौन, बैंगलूर-26

क्षेत्रफल पू॰ प॰ $\frac{103'+88'}{2} \times 3$ उ० द० $\frac{170'+180'}{2}$

=16712 वर्ग फीट दस्तावेज नं० 2164/74-75 ता० 25 सितम्बर, 1974।

श्रार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 30-4-75

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बैगलूर

बैगलूर, दिनांक 25 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० सि० श्रार०-62/3038/74-75 :---यतः, मझे, श्रार० ऋष्णमूर्ति,

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विम्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से म्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6/1 है, जो श्रीकनतय्या ले औट, केसेन्ट रोड क्राम बैंगलूर-1 में स्थित है 'ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलूर-1, दस्तावेज नं० 2455/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 2 सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उक्त अधिनयिम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , श्रर्थात् :-

- श्री एच० एन० म्थुं क्रिष्ण सुपुत्र एच० नरसिमहय्या
 क्रेसेन्ट रोड, क्रास, बैंगलूर-1 (म्रन्तरक)
- 2. श्री हीरालाल, नं० 3, नोबल हार्डरवे स्टोरस , कुमबार-पेट, बैंगलूर-2 (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध भें कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 किन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 किन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूधना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 6/1, श्रीकानतय्या ले श्रौट, केसेन्ट रोड कास, बैंगलूर-1

क्षेत्रफल
$$\cfrac{54'+42'}{2} imes \cfrac{83'+75'}{2} = 3792$$
 वर्ग फीट $\cfrac{2}{2}$ दस्तावेज नं॰ $2455/74$ -75 ता॰ 2 सितम्बर, 1974 ।

ग्रार० किष्णमूर्ती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 25-4-1975

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

बैंगलूर, दिनांक 23 श्रप्रैल, 1975

निदेश सं० सि० श्रार०-72/3046/74-75 :---यतः, मुझे श्रार० ऋष्णमूर्ति

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सर्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सैट नें० 12 कार्पीरेशन नं० 11/10, 19 का एक भाग है, जो ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दस्तावेज नं० 2561 6 सितम्बर, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

धतः अब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथित्:-

- श्री एच० एच० सहदेवजी नरहर देवजी धरमपुर होज, जयमहल बैंगलूर-6 (ध्रन्तरकृ)
- 2. श्रीमती सरोज कपूर, 14 II मैन रोड जयमहल एक्स-टेनशन, बैंगलूर-6 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 11/10, (नं० 19 का एक भाग) सैट नं० 12 ननदीदुर्ग रोड, बैंगलूर-1।

क्षेत्रफल $54' \times 80' = 4320$ वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 2561/74-75 ता० 7 सितम्बर, 1974।

ग्नार० किष्णमिति, सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 23-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(ध) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

बैगलूर, दिनांक 25 स्रप्रैल, 1975

. निदेश सं० सि० ग्रार०-72/3059/74-75 :--- यतः, मुझे श्रार० किष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 281 (पुराना नं० 379, 376, ग्रीर 377) (दक्षिण भाग) श्रवेन्यू रोड, वैंगलूर सिटी में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, वैंगलूर-2 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दस्ताविज नं० 2763/74-75 23 सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः—
13—106GI/75

- 1. श्री (1) मोहिनी समरवाल,
 - (2) णैका विनद्रा, द्वारा पि० ए० डि० एस० बेदी, 7/डी०/18, रेस्ट हौज क्रेसेन्ट, वैंगलूर-1 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री द्वी० एव० नारायण सा जे० 15, 15, मिल्लिकार्जुन टेमपल स्ट्रीट, बैंगलूर-25
 - 3. श्री (1) जे० एम० सेथ कम्पनी
 - (2) यब्दुल हमीद

(ग्रम्निरतीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 281, (पुराना नं० 379, 376 ग्रौर 376), (दक्षिण भाग) ,ग्रवेन्यु रोड, बैगलूर सिटी। सैट क्षेत्रफल पू० प० 38′ उ० द० 10′ 380 वर्ग फीट

दस्तावेज नं ० 2763/74-75 ता ० 23 सितम्बर, 1974

स्रार० किष्णमूर्ति सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलुर

दिनांक: 25 म्रप्रैल,1 975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 भ्रप्रैल 1975

निदेश सं० सि०ग्रार० 62-/3060/74-75 :---यत:, मुझे, आर० ऋष्णमूर्ति **भ्रायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भ्रौर जिसकी मं० 281 (पुराना नं० 379, 376 भ्रौर 377) (उत्तर भाग) है जो ब्रवेन्यू रोड, बैंगलूर सिटी में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर-9 दस्तावेज नं० 2764/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 23 सितम्बर, 1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) मन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के मधीन कर देने के घन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मोहिनी सभरवार
- (2) भौका विन्द्रा द्वारा पी० ए० श्री डी० एस० वेदी, 7/डी/18, रेस्ट होज क्रेसेन्ट, वैगल्र-1 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री डी० एच० किश्नासा, जे० 15, मिल्लकार्जन टेमपस स्ट्रीट, बैंगलूर-2ए (भ्रन्तरिती)
 - 3. (1) जे० एम० सेथ एण्ड कम्पनी
 - (2) राधाकिष्ण सेट्टी (यह व्यक्ति जिसके द्रिभियोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के स्निए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 281 (पुराना नं**०** 379, 376 थ्रौर 377) (उत्तरी भाग) श्रवेन्य् रोउ, वैंगलुर सिटी ।

पू॰ प॰ 38' उ॰ द॰ 10'=380 वर्ग फीट दस्तावेज न॰ 2764/74-75 ता॰ 23 सितम्बर, 1974

ग्रार० किष्णमूति, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 25 श्रप्रैल, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एंस०----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय दिनांक, 23 म्रप्रैल, 1975

निर्देश रां० सी० ग्रार० 62/3063/74-75—यत : मुझे ग्रार० कृष्णामृति

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 305/6 है, जो सदासिवनगर, बैंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलूर दस्तावंज नं० 2797/74-75 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-9-74

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिवत उद्श्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अग्निनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; भौर/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अर्थ, उन्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री डोड केमपक्का, डी० सुक्रमन्था गोसगौडा स्ट्रीट,
 श्रीरनगपटना, मैसूर जिला (श्रन्तरक)
- श्री डी० के० रमेश 2, 3 ब्लाक, कुमारापार्क वेस्ट, बैंगलूर
 (प्रन्तरिती)
 - 3. श्री टी० श्रार० महालिनगम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थादीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

सकान नं॰ 305/6, सदासिवनगर, बैंगलूर क्षेत्रफल $60'\times$ 60' श्रौर $15'\times30'$ 4050 वर्ग फीट दस्तावेज नं॰ 2797/74-75 ता॰ 20-9-74

म्रार० कृष्णामर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक: 23-4-75

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० -

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बैगलूर का कार्यालय दिनांक, 23 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० सी० भ्रार० 62/3078/74-75—यत : मुझे, भ्रार० कृष्णामृति,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० सर्वें० नं० 128/1 है, जो बैक्तिगनहल्ली, के० श्रार० पुरम होब्ली बैंगलूर सौत तालुंक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर सौत दस्तावेज नं० 5399 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-9-74

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अयं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयात:—

- श्रीमती मनगी बाई डा०/ब्राफ लेट गुलाबी बाई मैलापुर रोड़, मद्रास-51 (श्रन्तरक)
- 2. श्री 1. एम० वेनकटस्वामध्या 147, 3 कास हनुमन्त-नगर टी० हनुमन्तध्या हनुमन्तनगर बैंगलूर-19 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज्ञ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे० नं० 128/1, बेन्निगनहल्ली, के० म्रार० पुरम होब्ली, बैंगलूर सौत तालुक । 2 एकर 12 गुनटे/दस्तावेज नं० 5399/1 ता० 26-9-74

> द्यार० कृष्णामूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक: 23-4-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/3079/74-75--- यत : मुझे, न्नारः ऋष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे० नं० 128/2 है, जो बेन्निगनहल्ली, के० श्रार० पुरम होब्ली बैंगलूर सौत तालुंक में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, बैंगलूर सौत दस्तावेज नं० 5400 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 26-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विश्वेख के प्रनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोन्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों)भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए ।

भतः भव, उक्त भिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1), के भ्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों भर्यात्:-

- 1. श्रीमती रजनी कुमारी शियाल नं 12/7, के 0 ए०-स्ट्रीट, मद्राम-0 (श्रन्तरक)
- 2. श्री (1)एम० वेनकटेशय्या, 147, 3 श्रास हनुमन्तनगर वैंगलूर-19 (2) सी० हनुमन्तथ्या, 91,10 श्रास वेस्ट हनुमन्तनगर, वैंगलूर-19 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे० नं० 128/2, बेह्मिगनहल्ली, के० भार० होब्ली, बैंगलूर सीत तालुक, 4 एकर 4 गुन्टे, दस्तावेज नं० 5400/74-75 ता० 26-9-74

म्रार० किष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, बैंगलूर ।

दिनांक: 23-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 22/75-76—यत : मुझे, के० एस० वेंकटरामन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर श्रीर जिसकी सं० 4-3-1069 श्राधा भाग है, जो रामकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में: मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपश्रादा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः-

- 1. डा० जी० द्वारकाबाई, पत्नी स्व० डा० जैसूर्मा, बी-3-1069, राम कोट, हैदराबाद (ग्रन्तरका)
- श्रीमती एस० अन्नपूरनम्मा पत्नी डा० सुंक् बलराम, श्रोंगोले, प्रकाशम्, जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:---4-3-1069 का उत्तर का भाग, एडिन भाग, रामकोट, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-5-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 20/75-76--यत : मुझे, के० एस० बेंकटरामन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/– रु∘ से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 3-6-122 सामने का भाग है, जो हिमायतनगर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-9-1975 को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. झाल० एम० जहागीर 2. श्रीमती मेहरू के० इटालिया 3. कु० रोणन एम० जहागीर 4. श्रीमती मिरीन एम० जहांगीर 10-5-15 मासव ट्यांक हैंदराबाद (ग्रन्तरक)
- श्रीमती एम० सरोजनी देवी पत्नी एम० बालराज रेड्डी
 15-5-717, अफजलगंज, हैदराबाद । (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:--नं० 3-6-122 का मामने का भाग हिमायत-नगर, हैदराबाद। क्षेत्र 463 वर्गमीटर्स।

> के० एस० वेकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-5-75

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1975

मं० श्रार० ए० सी० 23/75-76--यत: मुझे, के० एस० वेंकटरामन
श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चान् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये मे अधिक है
श्रीर जिसकी सं० 4-3-1069 श्राधा भाग है, जो रामकोट में स्थित
है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्त्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रिजर्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 21-9-

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृंश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---

- 1. डा० जी० द्वारकाबाई पत्नी स्वं० डा० जयसरया बी-3-1069, रामकोट, हैदराबाद (ग्रन्तर्क)
 - 2. डा० सुंकू बलराम पुत्न बी० चेट्टी श्रोंगोल, प्रकाशम जिला (श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :--बी-2-12 (पुरागी) नया 4-3-1069 का दक्षिण का भाग, रामकोट, एडिन बाग, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-5-75

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1975

निदेश सं एस० ग्रार०/गवा/16-9-74--ग्रतः, मुझे, वी० कु० सिन्हा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजांर मल्य 25, 600/- , रु० से अधिक है जिसकी सं० कोठी है, जो झांसी-रोड़ में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, ब्रधिकारी_{, ,}के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत **ग्रिधिनियम** 1908 (1908 का 16) 16-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रतः म्रब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में में. उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत :---

1. श्री प्रम्सेब यशोधरा राव सिधिन्या निवासी ग्वालियर (ग्रन्तरक)

2. श्री जीत गुडस केरियर द्वारा सरदार गुरु दीप सिंह निवासी नया बाजार लशकर ग्वालियर

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन कें संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी श्रौर खुली जमीन वार्ड नं०24 झांसी रोड़ ग्वालियर । लशकर,

> वी० कु० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-5-75° मोहर:

14-106GI/75

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भौपाल

भोपाल, दिनांक 3 मई 1975

निवेश सं० एस० ग्रार०/ग्वा/16-9-74-- ग्रतः, मुझे, श्री वी० कु० सिन्हा घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269ण के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है जिसकी सं० मकान है, जो झासी रोड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप सेवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-9-74 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से धर्धिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितीयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरण के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रत: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:~

 प्रन्सेस यशोध रा राजें सिंधिया निवासी ग्वालियर। (भ्रन्तरक) 2. श्री सुभाष सियाल पुत्र श्री जी० एम० सियाल दाल बाजार, लगकर, खालियर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीख से 3-0 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में की किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विधा गया है।

अनुसूची

कमरा भौर खुली जमीन 15607 वर्क फीट स्थिति झांसी रोड़ ---ग्वालियर।

वी० कु० सिन्हा, तारीख: 3-5-75 सक्षम प्राधिकारी मोहर: सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन,रेंज भोपाल

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

बायकर अधिवियम, 1961 (1961का 43)

की घारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाव

प्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-18 5(180)/1-1/74-75—यतः मुझे जे क्यूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक हैं और जिसकी सं० कायनल प्लाट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस० नं० 3 है, तथा जो नेहरू पुल के निकट आश्रम रोड़ श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-9-1974 को प्रविक्त सम्पत्ति के जिता बाजार मुल्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

धतः धन, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत्:—

- (1) मैंसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथ उसकी म्रोर से
 - (1) श्री साधुराम बी० श्रंदानी
 - (2) श्री गोरधनलाल एस० श्रंदानी
 - (3) श्री कीशनलाल साधुराम ग्रंदानी
 - (4) कुमारी भाग्यवंती एस० ग्रंदानी

नेताजी क्लाथ मार्केट कालुपुर, कोटनी रांग, ध्रहमबाबाद (ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री प्रियकान्त मगनलाल बुच ।
 - (2) श्रीमती सरोजनी प्रियकान्त बुच।

बुच मेन्सन, मीरा भ्रंबीका होटल के निकट नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद। अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रजल सम्पत्ति जिसका दुकान नं एस०-9, है ग्रीर जो केपीटल कमर्शल सेन्टर के ब्लाक नं ए के भुमंजले पर स्थित है ग्रीर जिसका फायनल प्लाट नं 517-2-बी॰, टी॰ पी॰ एस० नं 3 है ग्रीर जो नेहरू पुल के निकट ग्राश्रम रोड़ श्रहमदबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद,

तारीख: 9-45-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक **9 मई** 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-486(181)/1-1/74-75-- यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस० नं० 3 है जो नेहरू पुल के निकट, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1961 (1908 का 16) के ग्रधीन 18-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी स्रोर से
 - (1) श्री साधु राम बी० भ्रंदानी
 - (2) श्री गोरधनलाल एस० ग्रंदानी,
 - (3) श्री कीशनलाल साधु राम श्रंदानी
 - (4) कुमारी भाग्यवंती एस० श्रंदानी,

नेताजी क्लाथ मार्केट, कालुपुर, कोटनी रांग, ग्रहमदाबाद (भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स एसमुखलाल एण्ड कंपनी फर्स्ट फ्लार, धनलक्ष्मी मार्केट क्रोस लेंन, ग्रहमदाबाद-2 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, केअध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका दुकान नं० 38, 39 है भौर जो केपीटल कमर्शल सेन्टर के ब्लाक नं० बी० भुमंजले पर स्थित है भौर जिसका फायनल प्लाट नं० 517-2-बी०टी० पी० एस० नं० 3 है भौर जो नेहरू पुल क निकट ग्राश्रम रोड, भ्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

र्वीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-487(182)/1-1/74-75--यतः, मुझे जे० कथूरिया

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है) की **धा**रा 269-ख

के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ र० से श्रधिक है

स्रौर जिसकी फायनल प्लाट नं० 517-2 B. टी० पी एस० नं० 3 है जो नरे रू पुल के निकट स्राक्षम रोड, सहमदाबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबध्द सनुसुची मे स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1961 (1908 का 16) के स्रधीन 27-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निजिखत व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--

- (1) मैंसर्स साधुराम गोरधन फर्म के हेतु तथा उसकी ग्रोर से
 - (1) श्री साधुराम पि० भ्रंदानी,
 - (2) श्री गोरधनलाल एस० ग्रंदानी,
 - (3) श्री कीनशनलाल साधुराम श्रंदानी,
 - (4) कुभारी भाग्यवंती एस० श्रंदानी

नेताजी क्लाथ मार्केट, कालुपुर, कोटनी रांग, श्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स गुजरास एण्ड प्राईज 3, रंग कुंज, नारणपुरा चार रास्ता श्रहमदाबादर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक श्रंचल सम्पत्ति , जिसका दुकान नं० एस० 58 है श्रौर जो पीटल कमर्शल प्लाट सेन्टर के ब्लाक बी० के भुमंजले पर स्थित है और जिसका फायनल प्लाट नं० 517-2-बी० टी०पी० एस० नं० 3 है श्रौर जो नेहरू पुल के निकट, ग्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद में स्थित हैं।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, म्रहमदाबाद

तारीख: 9-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (II) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर **धायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रैज-II, महास

मद्रास, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1975

निर्देश सं० 2287/74-75---यतः मुझे के० वी०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका प्रथित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 6ए/1, श्रलणीयम रोड, दारापुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दारापुरम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्षिप्तियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अल्प आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, श्रम, उन्त अधिनियम की श्रारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की श्रारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यांकि निस्वसिक्तिक व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री पी० एस० तण्यवेलू (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुत्तुसिम घौन्डर; श्रौर पलनिसामि घौन्डर (अन्तरिती)

को यह सुमाता जारी करके पूर्णेतरः सकारित के अर्थक के लिए एतब्धारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिसयों पर सूचना की कामील से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचता के राजमकः में प्रकाशन की तारीचा से 4.6 विन के भीतक उक्त स्थावर सम्पन्धि में हितवकः क्रिकी अस्म क्यक्ति द्वारा, अधोहस्थाकरीः के पाक लिकित में किये जा सकेंके

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों ना, जो उन्त अक्षितिमम, के अव्याय 20-क में परिचानिक्त हैं, वहीं, अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

दारापुरम वार्ड सं० छ; डोर सं० 6ए/1, ग्रलणीयम रोड में 5060 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 1139।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज II,मद्रास ।

तारीख: 18-4-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43 की) धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रजीन रेंज-11, मद्रास

मद्राप्त, विनांक 18 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० 2291/74-75—यतः मृक्षे, के० वी० राजन
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य ६० 25,000/- से श्रिधिक है
श्रौर जिसकी सं० लिक्ष्म रैस मिल, रेड्डिपालयम गाँव, ईरोड
तालूका में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर
पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय,
ईरोड में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16)
के श्रिधीन, तारीख 21-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत श्रीधक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्नरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 26 9-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपश्रारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :~~

- (1) श्री सि॰ बि॰ मुत्तीसामि चेट्टियार (भ्रन्तरक)
- (2) श्री करुपुसामि, कृष्णसामि घौण्डर, श्रौर राम-सामि । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रंबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रंबिध, जो भी श्रंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य ब्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वडीकरज—इसमें प्रयुक्त गड़दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिश्विनयम, 1961 (1961 का के ग्रध्वाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्वाय में दिया गया है।

धनुसूची

ईरोड तालूका, रेट्टिपालयम गाँव, में लक्ष्मि रैस मिल (भूमि मकान मेशिनरि के साथ)।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

ध्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज -II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रप्रेल 1975

निर्देश सं० 2292/74-75---यतः मुझे, के० वी० राजन श्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु० से श्रध्कि है ग्रौर जिसकी सं० 38, राजा स्ट्रीट, बेवानि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ईरोड में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीक्षक है ग्रौर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--- 1. श्रीमती बावायम्माल

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बि॰ विसालिक्ष्म श्रम्माल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के क्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किमी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पढ़ों का, जो ग्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बवानि, राजा स्ट्रीट, डोर सं० 38 (वार्ड सं० 3) में 1450 स्कुयर फीट का भूमि (मकान कै साथ)।

के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 18-4-1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती बावायम्भाल

(ग्रन्तरक)

2. श्री एल० बलरामन

(भ्रन्तरिती)

म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज का कार्यालय मदास, दिनांक 18 श्रप्रैल 1975

निर्वेश सं० 2292/74-75—यतः मुझे, के० वी० राजन

मायकर प्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिप्तिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हु से श्रिधिक है भौर जिसकी सं० 38, राजा स्ट्रीट, बबानि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ई ईरोड में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, तारीख 28-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अन्तरक के वाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :——
15—106GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्ध किसी श्रन्य न्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्हीकरण - - इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पदों का, ओ श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बवानि, राजा स्ट्रीट, डोर सं० 38 (वार्ड सं० 3) में 1450 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेंज, मद्रास

सारीख़ : 18-4-197**5**

मोह्ररः,

प्ररूप माई० टी० एन० एस०

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना 1. श्री धर्मानत्व जोशी

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती राज भसीन

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज.....का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 18 भ्रप्रैल 1975

निर्देश नं० 42-बार०/बर्जन--- बतः मुझे विशस्पर नाथ भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) **(जिसे** इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ४० 25,000-/ से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 547-सी०/64 है तथा जो महानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-9-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए **ग्र**न्तरित की **गई है ग्रौर मुझे** यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके <mark>दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे</mark> दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में लवास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 26 9-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्</mark>वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक किता मकान मं० 547-सी०/64 जिसका रक्खा 3362 वर्ग फिट है। जो कि महानगर लखनऊ में स्थित है।

विश्वस्थर नाथ, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लखनऊ।

तारीखः 18-4-1975

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43 की) धारा 269-घ (1) के भिर्मीन सुबना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज.....का कायलिय

लखनऊ, विनाम 18 प्रप्रैल 1975

निर्देश नं० 63-एस०/ग्रर्जन---श्रतः मुझे विमम्भर नाथ भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य रु० 25,000/- से मधिक भौर जिसकी सं० 90-ए०/1, है तथा जो महाजनी टोला इसाहाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 6-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपेश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई फिसी भाय की बाबत, भायकर भ्रिक्षितयम, 1961 (1961 का 43) के भ्रामीन कर बेने के भ्रन्तरक के दियस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 26 9-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, भर्यान् :--- 1. श्री चन्द्रावती देवी व प्रत्य

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती समला देवी व धन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे
 हितवक्ष किसी ग्रन्य ध्यक्ति द्वारा, ग्रधोहरताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पढ़ों का, जो श्रायकर ग्रिश्चित्तियम, 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयके होगा जो उस श्रद्याय में विया गया है।

मनुसूची

एक किता मकाम दो मजिला नं० 90-ए०/1 जिसका रकवा 53'---12' वर्ग फिट है। जो कि मोठ महाजनी टोला इलाहाबाद में स्थित है।

> विशम्भर नाथ; सक्षम श्रविकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 18-4-1975

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक द्यायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भर्जन रेज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनांक 18 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० सी० एच० श्रो०/189/74-75--श्रतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ भायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ६० 25,000-/ से श्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० भूमी क्षेत्रफल 29 कनाल 5 मरले है तथा जो गाँव बर्डल यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ जिसके साथ कोठा, मकान, कुँशा श्रौर ट्यूबवैल इत्यादि है में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रर्थातु:---

- 1. सर्व/श्री मेहर सिंह पुत्र बाबर सिंह, निवासी गाँव बड़ैल, यु० टी० चण्डीगढ़ (भ्रान्तरक)
 - 2; सर्वं/श्री
 - (i) जंग बहलदुर
 - (ii) धर्मपाल पुत्रान लैहना सिंह,
 - (iii) करिशन कान्त निवासी गाँव बड़ैल, यू० टी० चण्डीगढ़ (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

भ्रनुसूची

भूमी का क्षेत्रफल 29 कनाल 5 मरले है जो कि कुल जमीन 58 कनाल 11 मरले का आधा हिस्सा है यह जमीन गाँव बडेल, यूनियन टैरीटरी में स्थित है। इसके साथ चण्डोगढ़ कोठा, मकान, और कुँछा और टयूबवैल इत्यादि है।

खेषत नं० 177 खतौनी नं० 309,

खसरा नं० 34/5, मिन (0-13), 34/6/1, मिन (4-18), 35/1 मिन (6-8), 35/2/1, (7-19), 35/3 (7-8), 35/4/2 (1-2), 35/7 (7-8), 35/8/7 (7), 35/9 (7-7), 35/10 (7-7), 35/447 (0-13), खतौनी नं० 310, खसरा नं० 35/2/2 (0-1), 1966-67 की जमाबन्दी।

(जयदाद जैसा कि रिजस्ट्रीगं ग्रिफिसर, चण्डीगढ़ के रिजि० डीड नं० 728 सितम्बर, 1974 में दिखाया गया है।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीखा: 18-4-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 18 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० एस० एम० एल० /19/74-75--- प्रत: मुझे जी० पी० सिंह, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज चण्डीगढ भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य रु० 25,000/- से अधिक है श्रीर जिसकी सं० रिहायशी ईमारत खाली भूमि सहित जो कि देव निवास इस्टेट के नाम से जानी जाती है तथा जो कनलोग, तहसील शिमला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर म्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री लाल दास पुत्र सवर्गीय श्री मुलख राज, देव निवास शिमला-1 (श्रम्सरक)
 - 2. सर्व/श्री
 - (1) शियाम लाल
 - (2) चैन राम
 - (3) संचा राम पुत्रान जैय राम
 - (4) राम लाल
 - (5) मोती लाल

निवासी गाँव बारला, तहसील रोहडू, जिला शिमला। (भ्रन्तरिती)

3. दी० मैनेजिंग डायरैकटर मै० हिमाचल प्रदेश स्टेट फारैस्ट कारपोरेशन लि०, विलो बैंक, शिमला-1

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में

सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति <mark>के धर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

तीन मंजिला रिहायशी ईमारत साथ रसोई वाला भाग ग्रीर खाली भूमि का भाग जो कि देव निवास इस्टेट के नाम से जानी जाती है, कनलोग एरिया तहसील शिमला में स्थित ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 529 भ्रक्तूबर, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी शिमला के कार्या≟ लय में लिखा है।

> जी० पी० सिंह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-4-1975

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)का कार्यालय श्रर्जन रेंज, चंडीगढ़ चण्डीगढ, दिनांक 25 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० एस० एम० एल०/20/74-75—श्रतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेंन रेंज चण्डीगढ़

ध्रजैन रेंज चण्डीगढ **भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इस में इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000-/ से ग्रधिक है धीर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 399.8 वर्गगज है तथा जो जाख शिमला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबदध अनुसुधी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अक्तूबर, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंब उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रंधिनियम की धारा 269-च की उपद्यारा (1) के ग्रंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:— श्री बीर भदरा सिंह पुत्र श्री पदम सिंह, 23, फिरोजशाह रोड नई दिल्ली

(प्रन्तरक)

2. (1) श्री ग्रोम प्रकाश पुत्रान श्री परमा मंद

(2) श्री ग्रजीत सिंह

निवासी गाँव मांगसू डाकखाना शानेइर जिला शिमला (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनु सूची

जिमका क्षेत्रफल 399.8 वर्ग गज है खसरा नं० 805/489/सी०, जो कि जाखू, शिमला में स्थित, हैं। जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 531, ग्रक्तूबर, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी शिमला के दफतर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 25-4-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०

र्भेंग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 25 श्रप्रैल, 1975

निर्देश सं० एस० एस० एल०/21/74-75—-श्रतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

ष्मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रधिक ग्रीर जिसकी सं० जमीन, क्षेत्रफल 402.6 वर्ग गज है तथा जो जाखू, शिमला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक्र धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यलय, शिमला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रक्तूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फ़िपाने म सुविधा के लिए;

म्रतः भव उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- 1. श्री वीर भदरा सिंह, पुत्र श्री पदम सिंह, 23, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
 - 2. (i) श्री शेर सिंह,
- (ii) श्री बहादुर सिंह ठाकर, निवासी गौंव दावेश, डाकखाना थानेड्र, जिला शिमला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी,
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 402.6 वर्ग गज है खसरा नं० 805/ 489, जो कि जाखू शिमला में स्थित है।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 532, **प्रस्तूब**र 1974 में सब रजिस्ट्रार शिमला के दफतर में लि**खा** है।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ ।

तारीख: 25-4-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 156, सैक्टर 9-बी चडीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 25 श्रप्रेल, 1975

निर्देश सं० एस एम एल०/22/74-75—थतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ,

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु० से ग्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 406.1 वर्ग गज है तथा जो जाखू शिमला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, श्रक्तूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के िए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त 'प्रधितियम की धारा 269-ग के भ्रत्मरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्णातः——

- (1) श्री बीर भदरा सिंह पुत्र श्री पदम सिंह, 23, फिरोज शाह रोड, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री जय चन्द पुत्र श्री कर्म दास निवासी गाँव रेड्डा, तहसील रामपुर जिला शिमला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचन। के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण—इसमें 'युक्त शब्दों और पदो का, जो श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रधें होगा जो उस श्रभ्याय में दिया गया है।

अनु**सूच**ी

जमीन क्षेत्रफल 201 वर्ग गज है खसरा नं० 805/489/एफ, श्रौर क्षेत्रफल 205.1 वर्ग गज है खसरा नं० 805/489/जी, कुल 406.1 वर्ग गज जो कि जाखू, शिमला में स्थित है।

जयदाव जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 533 श्रक्तूबर, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी शिमला के दफतर में लिखा है।

> जी० पी० सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ ।

तारीख: 25-4-1975

आई॰ टी॰ एन० एस॰ -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, KAKINADA

Kakinada, the 9th April 1975

J. No. 1(278 & 281)/KR/74-75 Acq. File, No. 188.-यतः मुझे, K. Subbarao

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ह० से अधिक है भीर जिसकी सं०

31-12-5, Machavaram, Post Road, Vijayawada

में स्थित है (भ्रीर इसमे

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, में भारतीय Vijayawada रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-9-1974

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमै के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय 'Said Act' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 'या 'Said Act' या धा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के जिए।

ग्रतः अव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग of the Said Act के श्रन्सरण में, मैं, 'Said Act' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .--16-106GI/75

(1) Shii Kilam Venkata Subbarao,

(अन्तरक)

(2) 1. Sri S. Venkateswararao 2. Smt. S. Katuri, Vijayawada,

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी **ब्यक्ति द्वाराः**
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'Said Act' के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुस्यो

As per schedules of the sale deeds dated 2nd September, 1974 vide document Nos. 3117 and 3141 dated 2-9-74 and 4-9-74 registered at Sub-Registrar, Vijayawada.

> K, SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), अर्जा रेंज, Kakinada

दिनाँक: 9-4-1975 ।

प्ररूप आई∙ टी० एन० एस •~~~~

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1975

Acq. File No. 185/J. No. 1(342)/EG/74-75.-यत:, मुझे, K. Subba Rao ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 , का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-खर के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं•

392/7A Amalapuram है जो, Amalapuram - में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, Amalapuram में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-9-1974 सम्पति के उचित पूर्वोक्स बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल श्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या निया जाना याहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अन, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग उन्त अधिनियम की बारा के अनुसरण में, में, 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थातः :---

- (1) 1. Jana Veerabhadraraju,
 - 2. Jana Abbiraju,
 - 3. Konda Basavaraju.

(भ्रन्तरक)

S/Shri

- (2) 1. Edida Satyanarayanamurthy, 2. Edida Venkataramaiah.
 - - 3. Edida Dhanalaxmi Janardhanarao, Kandi Kuppa Amalapuram Taluk.

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त के अध्याय 20-फ अधिनियम, परि**भाषि**त ₹, वही अर्थ होगा, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

As per the schedule exhibited in the sale deed dated 12-9-74 document No. 3833/74 of the Sub-Registrar, Amalapuram.

> K. SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्प्रर्जन रेंज, Kakinada

तारीख: 2-4-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस० -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ΚΑΚΙΝΛΟΛ

Kakinada, the 2nd April 1975

Acq. File No. 186/J. No. 1(343)/74-75 ---यतः मुझे, K. Subba Rao ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास **करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ**चित बाजार 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० हैं, जो 392/7A, Amalapuram धनुसूची में और में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय Amalapuram में भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-1974 को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्थमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे ष्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पामा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर मनाना;

अत:, अब, घारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अमुसरण में, में, उस्त अधिनियम की बारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात:--

- (1) 1. Pichika Veer Naga Satya Desaka Swamy, Bandarlanka.
 - 2. P. Venkatasuryanarayanaraju, Bandarlanka.

 - Kurma Someswararao,
 Kurma Chinna Soweswararao, Jagannapeta.
 - Ankam Markandeswararao,

Smt. N. Nagaratnam, Ramachandrapuram.

(अन्तरक)

S/Shri

(2) 1. Akasam Sriramulu, A. Satyanarayanamurthy, Kandikuppa.

(भ्रन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना राजपत्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवश्वियां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों जो उम्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

As per the Schedule exhibited in the sale deed dated 12-9-1974 vide document No. 3834/74 of the Sub-Registrar, Amalapuram.

> K, SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (तिरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक: 2-4-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर श्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. KAKINADA.

Kakinada, the 26th February 1975

Acq. File No. 162/74-75/J. No. I(353)/KR/74-75.--श्रतः, मुझे, K. Subba Rao भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनयिम, कहा गया है)

कें ग्रजीत प्राधिकारी धारा 269-घ सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं०

Bldg. Nos. 11/20, 6 & 11/266A, Cantonment Road Hasulupatnam है जो

स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Masulupatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, 30-9-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत श्रधिक है श्रीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों)के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उ**क्**त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या:
- (च) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या श्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त ग्रधिनियम' धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया थाया किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए ।

ग्रतः ग्रब उन्त ग्रधिनयिम, की धारा 269-ग के ग्रन्सरण में, मैं, 'उम्त श्रधिनयिम', की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :-

- (1) 1. Ch. Ramakrishna Bhaskararao,
 - P. Laxmiganapathirao,
 - 3. Vemuri Venkataratnam,
 - Attluri Sarojini Devi,
 - Varada Nageswaramba,

 - Varada Ramanujarao. Namburi Swarajya Laxmi Palakurti Laxmi Ganagapthirao,
 - 9. Srikakulam Laxminageswararao,
 - 10. Yallagadda Chalapathirao,
 - 11. Achanta Venkata Mohanaprasad.
 - Vemuri Laxminageswara Prasad, 13. Kakarapatri Laxmi Narasimharao.

(ग्रन्तरक)

S/Shri

(2) I. Vemuri Venkatara!nam

Vemuri Laxmi Nageswararao,

3. Vemuri Balaratnam being minor by guardian mother Laxmi Ranganayakamma.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपध्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त श∗दों भौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna District-Masulipatnam Sub-Registrar-Masulipatnam Taluk Masulipatnam Town-Robertsonpeta-Contonment Junction—Site and buildings and other constructions
—Building Nos. 11/206 and 11/266A. BOUNDRIES

East : Old Contonment Road Now known as Ravindranath Tagore Road 250 ft.

South: Paul Memorial Hall 2048 ft.

West: Municipal Lane 282 ft.

North: Road connecting to Rustumbada Sivalyam

232 ft.

K. SUBBARAO सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)। श्रर्जन रेंज, KAKINADA.

तारीख : 26-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रोज जालन्धर

जालन्धर , दिनांक 5 मई, 1975

निर्देणस० ए०पी० न० / 847 जालन्धर --- यतः मुझें,रबीन्द्रकुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5878 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा को नगदीविशन में स्थित है (और इससे उग्रबद्ध अनुसूची में पूर्ण कप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --

- (1) श्री श्रमर जीत सिंह सपुत्र बहल सिंह गांव नंगली-विरान तहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री संसार चन्द सपुत्र फतेह चन्द ग्रीफ मैंसर्स र०ल० गर्मा एण्ड कम्पनी 15-ए वस्ती नौ जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इसमें रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5878 सितम्बर, 1974 को राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ज्यालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 5 मई, 1975

प्ररूप आई० टी० एस० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975 निदेश नं० ऐ० पी० नं० 848 जालन्धर —:— यतः मुक्को, रवीन्द्र कुमार

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5,869 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा को नगलीवरान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के न्न ग्रधीन, सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- (1) श्री ग्रमरजीत सिंह सपुत बहल सिंह नंगली बिरान तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक
 - (2) श्री रोशन लाल शर्मा सपुत्र हरनाम दास सपुत्र गणेश दास पार्टनर श्रीर०ल० शर्मा एण्ड कम्पनी बस्ती नौ जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'जक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5869 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी जालन्धर में लिखा है ।

> रवीन्द्र सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 5 **मई**, 1974

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

न्नायकर अधिनियम 1961 (1961 को 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

PART III-SEC. 1]

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर जालन्धर, दिनाक 2 मई 1975

निर्देश नं० ऐ० पी० न० 849/ जालन्धर :-- यतः मुझे, रबीन्द्र कुमार श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5834 सितम्बर, में लिखा है तथा जो जी० टी०रोड में स्थित है (क्रीरइससे उपाबद्ध क्रनुसूची में क्रीरपूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1,908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः जब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो ग्रथीत्:—

- (1) श्री अमरजीत सिहं सपुन्न बहल सिहं गांव नंगली विरान तहसील जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री चमन लाल मेहन पार्टनर मैंससं र० ल० शर्मा एण्ड कम्पनी बस्ती नौ जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वहव्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे किच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्या कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5834 सितम्बर, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ्रवीन्द्र कुमार मक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

विनांक . 15 मई, 1975 मोहर :

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निदेश नं० एँ० पी० नं० 850/जालन्धर :--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

रेंज-2 बम्बई, भायकर स्रक्षिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीरं जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6392 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो पुलिस लाईन रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्स अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-भ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात्:~~

- (1) श्री लखबीर सिंह वकील सपुत्र श्री कपूर सिंह 186 सैंगन कोर्ट रोड जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरबंस सिंह रणधावा सपृद्ध श्री श्रर्जन सिंह गाव रणधावा, कपुरथला (ग्रन्तरिती)
- (3) जैमा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में मम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अबीहस्ताक्षरी जानता हे कि वह सम्पत्ति में हितवध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ष्लाट जैसा कि रिजिस्ट्रेड डीट नं० 6392 सिंतम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, जालन्धर ।

तारी**ख**: 5 मई 1975

मोहर

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

द्यर्जन रेंज, जालन्धर ।

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 851 / जालन्धर :-- यतः कमार आयकर श्रधिनियम, मुझे, रवीन्द्र (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1460 सितम्बर, में लिखा है तथा जो नूरमहल रोड नकोदर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-व की उपधार। (1) के अजीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती बलजीत कौर सपुत्री जागीर सिंह सपुत्र सपुत्र श्रीतम सिंह थक सम्पूर्ण सिंह नाकोदर (श्रन्तरक)
- (2) श्री लाशर सिंह सपुत्र सन्ता सिंह सपुत्र गुरिक्त सिंह मार्फत सत उर्फ फैक्ट्री नकोदर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे श्रद्धोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रिजस्ट्रेड डीड नं० 1460 सितम्बर, 1974 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रिधकारी सहायकश्रायकरश्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 5 मई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 852 /जालन्धर:— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपये से अधिक है ओर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6381 सितम्बर, में लिखा है, तथा जो सुराज गंज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रुप मे विणत है), रिजस्ट्रीकरी श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या ग्रन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः जब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:---

- (1) श्री श्रमरीक सिंह सपुत्र तारा सिंह सपुत्र ज्ञान सिंह डब्लू जी 592 सुराज गंज जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री परोमील जीत सिंह सपुत्र मोहिन्द्र सिंह सपुत्र मेहल सिंह ग्रार०/ग्राफ डब्ल्यू जी० 579/डब्ल्य् जी० (नवानं० 592 मुराजगंज जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके फ्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता हो (वह ब्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पन्दीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जैसाकि रजिस्ट्रडडीड नं० 6381 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर के मेंदर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 5 मई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनिथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975 ह

निदेश नं० ऐ० पी० 853/ जालन्धर :→- यत: मुझे, रवीन्द्र कुमार भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6382 सितम्बर, में लिखा है तथा जो सुरज गंज में स्थित है (ग्रीरध्ससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से किम् के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है :--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री श्रमरीक सिंह सपुत्र तारा सिंह सुराज गंज जालन्धर (श्रम्तरक)
- (2) श्री गुरमीत सिंह सपुत्र मोहिन्द्र सिंह डक्ल्यू जी० 592 सुराज गंज जालन्धर (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (बह ब्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य ध्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि राजस्ट्रड डीड नं० 6382 सितम्बर, 1974 राजिस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी जालन्धर में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकरश्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, जालन्धर ।

तारीख : 5 मई, 1975

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 854 / जालन्धर:-- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6406 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो गुजामल गली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुयश्मान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और **अ**न्सरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे धन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/धा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धनकर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रवः, उक्त श्रविनियम की भारा 269ग के भ्रनुसरण में, में उक्त ध्रिधिनियम, की धारा 269-भ की उपभ्रारा (1) के भ्रशीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :--",

- (1) श्रीमती सविद्यी देवी स्वर्गीय, उमादत्त सपुत्र गुजर मल धड्डा होशियारपुर, गुजरमल की गली≱ जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स चोपरा बेस्ट पेपर मर्वेन्टस, ग्रह्डा होशियार-पुर जालन्धर द्वारा यशपाल चोपड़ा (भन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके ग्राध-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में कृषि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:—

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप, ---

- (का) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसाकि रजिस्टर्ड डीड नं० 6406 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 5 मई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निदेश सं० ऐ ० पी० नं० 855 / जालन्धर :-- यतः मझे, रवीन्द्र कुमार भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ऋधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5960 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा को जिन्धर रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को उचित बाजार मृल्य से कम पर्वोक्त सम्पत्ति के के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास 🔈 करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बार्जार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(क) अन्तरण से हुई। किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय क्षाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रवु-श्ररण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रशीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रवीतः—

- (1) श्रीमती मोहिन्द्र कौर स्वर्गीय श्री हरपाल सिंह सपुक्ष करतार सिंह 72 जिन्दन रोड जालन्धर कैन्ट (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कन्वर लाल ग्रग्नवाल सपुत्र मूलराज 72 जिन्दन रोड जालन्धर कैन्ट (ग्रन्तिरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में धिंच रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सञ्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रंड नं० 5960 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 5 मई, 1975 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 5 मई 1975

निदेश नं० ऐ० पी० नं० 856/ जालन्धर :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जियत बाजार मुल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 5892 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर सितम्बर, 74 में हैं को जालन्धर में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप में वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ष्प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे का उचित पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक दश्यमाम प्रतिफल म्रन्तरिती है ग्रीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनयम,' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उस्त अधिनियम,' की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चात्:—

- (1) श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी हरपाल सिंह 72 जालन्धर छावनी सपुत्र श्री करतार सिंह जिल्लूल रोड (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुनीता ग्रग्नवाल धर्मपत्नी कवंर लाल छावनी ग्रग्नवाल 72 जिन्दल रोड जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकार्यन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रिष्ठिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5892 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर के कार्यालय में सिप्तम्बर, 1974 में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 5 मई, 1975 मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1975

निदेश सं० ऐ० पी० 857/जालन्धर :--- यतः मझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6139 सितम्बर, 1974 को लिखा है तथा जो लाजपत नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पुर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का \$7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) ल० कर्नल शिव चरण जीत सिंह तुलसी सपुत्र नारायण सिंह 3 होस्टगं रोड कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) श्री के०ल०साहनी सपुत्र मोतीराम र० / 217 लाजपत नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिकोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 6139 सितम्बर, 74 रजिस्ट्रीकर्ती मधिकारी जालन्धर में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 5 मई, 1975

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 75 निदेश नं० ऐ० पी० 858/ जालन्धर :--- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-इ० से श्रिधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6175 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो लाजपत नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत
विक्रेख के अनुसार धन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती
(ग्रन्तरित्तयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भिधिनियम, के श्रधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

झतः श्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नसिद्धात व्यक्तियों, श्रवीतः →

- (1).श्री ल० कर्नल शिवचरणजीत सिंह सपुत्र नारायण सिंह 3 हेस्टंग रोड कलकत्ता (ग्रन्तरेक)
- (2) श्री के०ल० सेहनी सपुत्र मोती राम, 217 लाज-पत नगर जालन्धर। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं ० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिये एतद्वारा कार्येवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदा किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रिजस्ट्रिड डीड नं० 6175 सितम्बर, 1974 रिजिट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर में दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख : 5 मई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, तारीख 15 मई 1975

निदेश नं० ए ० पी० नं० 859 / जालन्धर :-- यतः मुझे, रवीन्त्र कुमार, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने कां कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी सं० जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6208 सितम्बर, 1974 में लिखा है । तथा जो गुरनाम नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विशेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रम्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए, धौर/या

कथिस नहीं किया गया है--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

म्रतः भ्रव 'उक्त भ्रधिनियम' की घारा 269-म के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीतृ:--18--106GI/75

- (1) श्री रगबीर सिंह सपुत्र सम्पूर्ण सिंह नं एे० 207/1 किष्णपुरा जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) मेजर श्रमरीक सपुक्ष वावा सिंह गांव खेरा माजा तहसील जालन्धर (श्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिध-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरु करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रिजस्ट्रड छीड नं० 6208 सिसम्बर 1974 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 15 मई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1975

निदेश नं० एे० पी० नं० 860 / जालन्धर :--- यतः मझे, रवीन्द्र कुमार, भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6232 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो गुरनाम नगर जालन्धर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है स्रोर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखिड उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीन्:→

- (1) श्री रगबीर सिंह सपुत्र सम्पूर्ण सिंह न० ऐ० 207/1 किष्णपुरा जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) मेजर ग्रमरीक सिंह सपुत्र वावा सिंह खेरा माजा तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरंसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कोठी जैसाकि रजिस्ट्रंड डीड नं० 6232 सितम्बर, 74 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर :

तारी**ख** : 15 मई, 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 मई 1975

निदेश न० ऐ० पी० न० 861/ जालन्धर :-- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), सक्षम की धारा 269-ख के ग्रधीन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रीर जिसकी स० जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6414 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा अस्ती दानिशमन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए म्रान्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तिरती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

म्रत: म्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध्मरा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:~--

- (1) श्री मनजीत सिंह सपुत्र मोहिन्द्र सिंह सपुत्र प्रेम-सिंह बस्ती दानिशमण्डा जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स बलवत बद्रसं बस्ती नौ जालन्धर द्वारा बलवत राम पटना (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 मे है (यह व्यक्ति, जिसके श्रिध-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसाकि रजिस्ट्रड न० 6414 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर मे दर्ज है ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख . 15 मई 1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 15 मई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं० 862 / जालन्धर :-- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6130 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो बस्ती दानशमन्दा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार

मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अभारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अक्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उक्त ग्रमिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रमीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री मनजीत सिंह सपुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह सपुत्र प्रेम सिंह बस्ती दानशमन्दा। (अन्तरक) ॣ
- (2) मैससं बलवंत बादसं बस्ती नौ जालन्धर श्री बल-वन्त राम द्वार' (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिध -भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 6130 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 15-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 5 मई, 1975

निदेश नं० ऐ० पी० न० 863/ 75-76/ जाल-धर: — यत: मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6373 सितम्बर, 1974 को लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

सम्पत्ति के पुर्वोद्धत उचित बाजार भूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के घनुसरण में, मै, उक्त ग्रंघिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) मैसर्स केन्या लैंड एण्ड फाईनैंस प्राइवेट लिमि-टेड जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रजैब सिंह सपुत्र श्री इन्द्र सिंह श्राफ सिधर राज पोलिंग तहसील श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)
- (4) जो कोई भी सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्षिये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदीं का, जी उसत ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6373 सितम्बर, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5 मई, 1975

प्ररूप अर्द्ध० टी० एन० एस०......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनाँक 2 मई, 1975

निदेश स० ए० पी०-864/जालन्धर:-- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० रजिस्ट्री नं० 2765 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर सितम्बर, 74 में है तथा जो जालन्धर में स्थित (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्र**धीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति केउचितवाजारमूल्य सेकम केदृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ुन्हेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अंब उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) सतलुज फाईनैंस लैंड प्राईवेट लिमिटेड श्री भ्रमर रोग्रामन नवांशहर । (भ्रन्तर्क)
- (2) सुरजीत सिंह प्रकाश सिंह सपुत्न श्री ग्रवतार सिंह गोविन्द पुर । (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसीव्यक्ति द्वाराः
- (खा) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

धरती का टुकड़ा जैसाकि रजिस्ट्री नं० 2765 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी नवांशहर सितम्बर, 74 में दर्ज है।

> रवीन्द्र क्मार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-5-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई, 1975

निदेश नं० ए० पी० न० 865 :-- यत मुझे, रवीन्द्र कुमार अधिनियम, *धाय*कर 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 6221 सितम्बर, 74 में लिखा है तथा जो गोपालपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप म वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सित-म्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रो श्रमर सिंह सपुत्र दितु सपुत्र शामसिंह जिला जालन्धर निवासी गाव गोपालपुर उर्फ विधिपुर। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्म श्रार० के० महाजन एण्ड कम्पनी, बस्ती रोड, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे ६चि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पब्टीकरण---इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैमा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6221 सितम्बर, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजेन रेज, जालन्धर ।

तारीख . 15 मई, 1975। मोहर . प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निदेश सं० ए० पी० 866 / 75-76: -- यत: मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

भौर जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6167 सितम्बर, 74 में लिखा है तथा जो मुहल्ला इस्लामाबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रिधक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर अधिनियम,' 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :→

- (1) श्रीमती दलीप कौर सपुत्नी श्री मान सिंह डब्ल्यू० जी० 228 मुहल्ला इस्लामाबाद जालक्शूर श्रव खालसा इंजीनियर्स वर्क्स इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री रूप नारायण इस्लामाबाद जालन्धर (252) माडल टाउन जालन्धर श्रव डब्ल्यू० जी० 228। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा:
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्त्रष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6167 सितम्बर, 74 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 5 मई, 1975

प्रकंप आई० टी० एन० एस०----

धार्षकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण, श्रजैंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई, 1975

निवेश सं० ऐ० पी० 867 / जालन्धर :-- यत: मुझे, रवीन्द्र कुमार भायकर अधिशियम, (जिसे इसमें इसके 1961 (1961 का 4.3) पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के अधीर्न सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण स्थावर सम्पत्ति. जिसका उम्बित याजार मृल्य 25,000/-से अधिक जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5955 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वॉणत है), रुजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के श्रंधीन तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृल्य से कम के दुश्य मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार. मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससी बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नविश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 19—106G1/75

- (1) श्री मोहिन्द्र पाल श्रलाईस जिन्द्र पाल जैन सपुत्र रखाव धन सपुत्र श्री लभू राम दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल सपुत्र श्री क्रुन्दन लाल जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिध-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध भ कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जैसाकि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5955 सितम्बर, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रधीन्द्र कुमार संक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 5 मई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (-1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर , दिनांक 15 मई, 1975

निदेश नं० ए० पी० - 868 जालन्धर:-- यत: मुझी, रवीन्द्र कुमार अधिनियम, 1961 (1961 नायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है जिसकी सं जैसा कि रजिस्दीकृत विलेख नं 5891 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो किनगरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के 'अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उगसे अवने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थिकतमों, अर्थात् :---

- (1) श्री तरलोक सिंह सच्चर सपुत्र शान हिंह द्वारा श्री हरिमन्द्र सिंह सपुत्र तरलोक सिंह 481 ल० माडल टाउन जालन्धर। (अन्तरिक)
- (2) मैंसर्ज घौधरी हाउसिंग ग्रोरगेनाईजेणन चमन लाल सपुत्र हरदियाल चन्द, भगवती पानी श्राफ फेड दलीप कौर राविन्द्र सुमार सपुत्र भीम सैन विग गुरुदियाल सिंह सपुत्र हरनाम सिंह, जालन्धर (धन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह डपक्ति जो सम्पत्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदृध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्रित में किए जा सर्कोंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

जमीन जैसाकि रजिस्हीकृत विलेख नं० 5891 सितम्बर, 1974 को रजिस्हीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है

> रवीन्त्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज जालन्धर ।

तारीख 5 मई, 1975। मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 5 मई, 1975

निर्देश सं० ए० पी०-869/ जालन्धर :-- यत : मुझे, रवीन्द्र कुमार अधिनियम, धायकर 1961 (1961 **新 43**) (जिसे इसमें ईसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00०/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसाकि रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 5813 सितम्बर, 1974 में लिखा है तथा जो माडल (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में र्षाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ब्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुग्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यगापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ उपधारा की (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—-

- (1) श्रीमती भूपिन्द्र कौर पत्नी स० भवतार सिंह सपुत्र हरनाम सिंह 615 सेक्टर 16-डी चण्डी- गढ़। (भ्रन्तरक)
- (2) जसिवन्द्र राम सपुत्र फूमन राम पेंड गुरबजन सिंह सपुत्र लाल सिंह द्वारा मैंसर्ज के० पी० टेलर्स जी० टी० 'रोड लक्षमण दास सपुत्र भगत (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसाकि नं ० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी बासे 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यश्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5813 सितम्बर, 1974 को रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी, जालन्धर में लिखा है। रवीन्द्र कुमार, सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 5 मई, 1975। मोहर: प्रका माई० टी० एन० एस०-----पायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्वालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनाक 12 मार्च 1975

निर्देश सं० ए-89-एस० एच० जी०/74-75/417 1-81---भ्रतः मुझे एगबार्ट सिंग

श्रायकर मधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं
और जिसकी सख्या रजिस्ट्रेशन सं० 232 है तथा जो बिशपंकाटन
रोड में शिलांग में स्थित है (और जिससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शिलांग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 25-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोक्टल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्ल अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त ग्रीधिनियम,' के ग्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या 'इक्त धिधित्यम', या धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

स्रतः सब धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, 'उक्त स्रिधिनियम,' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों , अर्थात् :--

- मिसेज एलि द्वारा, केयर घोक एच० पी० द्वारा, बिक्षप काटन रोड, शिलांग (धन्तरक)
- श्री प्रसेनजित द्वारा, केयर स्रोक श्री पी० पी० द्वारा एम० सी० रोड गोहाटी,

(धन्तरिती)

3 श्री सुबीर गुप्त, लाबान, शिलांग-4 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिश्रित्यम,' के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

लगभग 14400 स्कोयर फिट माप के जमीन के साथ एक मकान जो बेनिभिला नाम से परिचित है और जो मेघालय प्रदेश खासी हिलस जिला, शिलांग, ईउरोपयन बार्ड की भन्तर्गत बिशप काटन रोड में स्थित है।

> एगबार्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 12-3-1975 ।

प्रकृष माई० टी० एन० एस० --

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भिलंग

शिक्षांग, दिनांक 12 मार्च 1975

निर्देण सं० ए-90/एस० एच० जी०/74-75/4185-93---म्रतः मुझे एगवार्टसिंग **भायकर** ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) अधिनियम' कहा (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त हुया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्लित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भीर जिसकी रजिस्ट्रेशन सं० 219 है तया जो लाशमियर शिलंग में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वॉणत है),र जस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिलंग में, रजिस्द्रीकरण म्राधानयम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-9-75 प्रकेवित सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से. ऐसे बृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रद्धिक है और धन्तरक (ध्रम्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को। जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तस्ति। बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः, जब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्री एच० पी० राजखोश्रा, जुरोड गोहाटी।
 (धन्तरक)
- 2. ४० पी० के० बस्धा, केचेसट्रेस, भिलांग। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिस्सात में किए जा सकेंगे.

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क म यशः परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप 212 एकड़ जिसकी प्रन्तर भाग पी० डक्ट्यू० डी० सड़क से घिरे हुए हैं, दक्षिण भाग मिस्तर एम० एघ० चौधरी के श्रांगन, पूर्व भाग मिसेज श्रारित दास की श्रांगन श्रौर पश्चिम भागपी० डक्ट्यू० डी० सड़क से घिरे हुए हैं श्रौर यह मेघालय प्रदेश की खासी हिल्स जिला की श्रन्तगंत शिलांग की लाछा मियर स्थान में स्थित है।

> एगर्वट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, शिलांग

तक्रप्रस्व : 12-3-1975 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस ०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज-I श्रष्टमदाबाद।

निर्देश सं० ए०सी० क्यू० 23-1-340(155)/1-1/74-75

श्रहमदाबाद, दिनाक 22 मार्च, 1975

यतः मझे जे० कथुरिया मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269ख के भ्रघीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य

25,000/- ६० से मधिक है

भौर जिसकी सं०एफ० पी० नं० 105 टी० पी० एस० नं० 3 है, तथा जो गेखपूर खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के को दृश्यमान प्रतिफल के लियें है अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ंद्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अव उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उस्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-ध की जपबारानिम्नलिखित (1) के अधीन व्यक्तियों प्रयातु:--

- श्री पार्श्व नाथ लेन्ड श्रोगेंनाइजर्स के एण्ड तथा उसकी (ग्रोर से (1) श्री कीरीट कुमार पुरुषोत्तमदास पटेलं। हरि।सद्ध कृपा सोसायटी, नारणपुरा ग्रहमवाबाद, (2) श्रीमती इन्दीराबेन निवनभाई पटेल, विनेशनगर सोसायटी नारणपुरा रेलवे कासिंग के निकट, श्रहमदाबाद, (3) श्री प्रविण भाई चुनीभाई पटेल, दिनेश नगर सोसायटी वारणपुरा रेलवे कासिंग के निकट ग्रहमदाबाद, (4) श्रीमती सुरजबेन चुनीभाई पटेल दिनेश नगर सोसायटी नारणपुरा रेलवे कासिंग के निकट ग्रहमदाबाद, (5) श्री डाएयाभाई मोतीभाई पटेल, हसमुख कालोनी, नारणपुरा, संघवी हाई स्कूल के निकट ग्रहमदाबाद, (6) श्रीमती प्रभावेन मुकेगभाई पटेल, हरिसिद्ध कृपा सोसायटी, नारणपुरा, श्रहमदाबाद, (6) श्री उमेदभाई मोतीभाई पटेल, हसमुख कालोनी, नारणपुरा, संघवी हाई स्कुल के निकट, श्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. दी महेन्द्र मिल्ज लिमिटेड, दूसरा मंजला, पार्श्वनाथ चैम्बर्स, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद । (भ्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारी खासे 45 दिन की अवधि, या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूषी

एक इमारत का 6,5 प्रातणत प्रविभक्त हिस्सा (140.49 वर्ग मीटर) जो पार्श्वनाथ चैम्बर्स के दूसरे मंजले पर स्थित है भौर जिसका फायनल प्लाट नं० 105 टी० पी० स्कीम नं० 3 है भीर जो शेखपुर खानपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथुरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद।

तारीख: 22-3-1975

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भावकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के स्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज ग्रहमदाबाद ।

श्रष्टमदाबाद, दिनाक 22 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-368 (156)/I-I/74-75 मतः मुझे जे० कथुरिया बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका धिनत बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है . 'प्रोर जिसकी सं०एफ० पी० नं० 50/6+ 7+ 8+ 15,बी टी०पी० एस० नं० 4, है तथा जो मणीनगर ग्रहमवाबाद में स्थित है भीर इससे ापाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-1974 सम्पत्ति के बाजार मुख्य को पूर्वीक्त उचित निए से कम वृष्यमान प्रतिफल भ्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर भन्तरक (भ्रन्त-रकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

(क) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत: भव उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के भ्रतुसरण में, में, उक्त भिधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1)के अधीन निम्मलिखित स्थितियों, भर्मात:—

- 1. 1 श्री सुमनलाल होरा लाल शाह (श्रन्तरक)
 2 श्रीमती सरीताबेन, सुमनलाल हीरालाल शाह की पत्नी
 सूर्य किरन पान गली, गोवालिया टेंक, बम्बई।
 (श्रन्तरक)
- 2 नी जलदास घनोमल जगवानी, (2) डा॰ मोर्ताराम नीएचलदास जगवानी, (3) साधूराम नीएचलदास जगवानी, एन० जे॰ मेन्शन, शांतीनगसर सैजपुर बोधा घहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त भिक्षितियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ननुसूची

एक श्रचल सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है भौर जिसका फायनल प्लाट नं० 50/6+7+8+15 बी टी० पी० स्कीम नं० 4 है शौर जो मणीनगर, भहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 श्रहमदाबाद ।

तारीख: 22-3-1975

प्रकंप आई० टी० एम० ऐसे०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

म, सहायक ध्रायकर आयुक्त (निणिक्षण)
 ग्रजन रेज-I श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यु० 23-1-341 (151)/1-1/74-75 यतः मुझे जे० कथूरिया

धायकार श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्कात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा श्रिकृत्व के श्रवींस सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने औं औरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 28,000/- ४० से श्रीधक है

28,000/- वर्ण से अधिक हैं
जीर जिसकी संग्र सर्वे नंग्र 195, 196, एकण्पीण नंग्र 51, एसण्पीण नंग्र 35, टीण पीण एसण्नंग्र 21 है, तथा जो पालडी, अहमबरबाद में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का-16) के अधीन सारीख 11-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास सर्में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वांगित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधां के लिए भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हाराँ प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब उक्त श्रिश्चितियमं की, घारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधितियम, की धारों 269-भ की उपिश्चीरी (1) के श्रश्चीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत्:---

- (1) श्री गौतम बालुभाई "पारीतोश", श्रानंद वाटीका, एल० कालोनी के सामने धांबावाडी, ग्रहमवाकाँद (ग्रन्तरका)
- (2) लताबेंन सुपुती श्री गांतिलाल गोरधनदास णाह कटकीया वाड, धनासुधारनीपोल, कालुपुर, ग्रहमदाबाद (श्रन्सरिती)
- (3) श्री हरीशभाई चीमनलाल गुज्जर "पारीतोश", श्रानंद वाटीका, 'एल० कालोनी के सामने श्रांबादाडी, श्रहमदाबाद (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वीक्त सँम्पेर्सि के धर्जन लिए एक्षयुद्धारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्तिके सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: - इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उंक्त श्रिधनियम, के शब्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो 534 वर्ग गज भूमि पर स्थित है झौर जिसके सर्वे नं \circ 195, 196 फायनल प्लाट नं \circ 51, सब प्लाट नं \circ $\frac{7-6}{3}$, टी \circ पी \circ स्कीम नं \circ 21 है झौर जो पक्ति धहं मदोबाद में स्थित हैं।

जे० सबूरिया संक्षम प्राधिकारी सहायक बीर्यकर श्रीर्वुक्स (निरीक्षण) धजैन रेंज-I महिमदाबाङ

सर्रिष : 19-3-1975 मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर धायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I अहमदाबाद

धहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-454(152)/1-1/74-75---यतः मुझे जे० कथूरिया

श्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 61, सब प्लाट नं० 2 (हिंस्सा) टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो उस्मानपुरा, श्रहमंदाबाद में स्थित ह (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमंदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री रजनीकान्त वाडीलाल पारेख
- (2) श्री हरेन्द्र वाडीलाल पारेख श्रायुर्वेदिक निकेतन हनुमान रोड, विल पार्ले, बम्बई-57। (श्रन्तरक)
- (2) स्टेट बैंक श्राफ बीकानेर एन्ड जयपुर स्टाफ स्वप्न सिद्ध को-ग्रापरेटिव हाउसीग सोसायटी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिये एतदद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसृची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 303-5 वर्ग गज है ग्रीर जिसका फायनल प्लाट नं० 61, सब प्लाट नं० 2 (हिस्सा) टी० पी० स्कीम नं० 3 है ग्रीर जो उस्मानपुरा ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

तारीख: 19-3**-**1975

मोहर:

20-106 GI/75

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन-I श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-455 (153)/1-1/74-75 **बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यष्ठ विप्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- रु० से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 61 सब प्लाट नं० 2 (हिस्सा) टी० पी० एस० नं० 3 है, जो उस्मानपूरा, भ्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसके उपावड़ ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 17-9-1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) मौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

मतः, मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः-

- 1. (1) श्री रजनीकान्स वाडीलाल पारेख,
- (2) श्री हरेन्द्र वाडीलाल पारेख, आयुर्वेदिक निकेतन, हनुमात रोड, विले पार्ले, बम्बई-57 (ग्रन्तरक)

 2. श्री दिनकर गोकलदास परीख 2218/2, माली की खड़की, कटकीया बाड, कालुपुर, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरिती)

 को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपझ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित~ बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रश्चित्यम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 303-5 वर्ग गज है भीर जिसका फायनल प्लाट नं० 61 सब प्लाट नं० 2 (हिस्सा) टी० पी० स्कीम नं० 3 ह भीर जो उस्मानपुरा, भ्रहमदाबाद में स्थित है।

> ज० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 19-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रोंज -III 54 रफी अहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1974

निदेश सं० 238/एकुरे-III/कल०/74-75-श्रत: मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन श्रधिनियम, श्रायकर 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन समक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 17/1 बि है तथा जो रिची रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री मिजेन्द्र कुमार श्रागरवाल 4 बिशप लेफय ोड कलकता
- 2. श्री कानहाईयालाल सारफ श्री श्रन्यान्य 16 तारा **चाँद** दत्त स्ट्रीट कलकता। (श्रन्तरक)
- (2) 1. कनहध्यालाल सारफ 2. सीत देवी सारफ 3. निर्मेल कुमार सारफ 4. बिमला देवी केटावहा 5. बिमला देवी कंटाहा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 12 कट्ट 110 छटांक जमीन का 1/8 हिस्सा जो 17/1 बि, रिची रोड, कलकता पर अवस्थित श्रीर जो रजिस्ट्रार आफ ऐसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 1503/1974 का श्रनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज III 54, रफीग्रहमद किसवाई रोज, कलकत्ता-16

सारीख: 3-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज, III कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० 236/एक्यु० रे॰III/कल/74-75—यतः मुझे, एल० के॰ बालसुन्नमनियन

श्रायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनयिम' कहा गया है) की धारा

269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से घधिक है

भौर जिसकी सं० 17/1-धी है तथा जो रिची रोड, कलकता में स्थितं है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-75 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- श्री आनन्द प्रकाश ग्रग्नवाला 8, विशाप लेक्य रोड, कलकत्ता (भ्रन्तरक)
- श्री कन्हैयालाल सारीफ श्रीर श्रन्यान्म् 16 तारा चंद
 दत्त स्ट्रीट कलकता ।
 - 1. कन्हैयालाल सरीफ
 - 2. सीता देवी सरीफ
 - 3. निर्मल कुमार सरीफ
 - 4. बिमला देवी खेतावट
 - 5. बिमला देवी खेतावट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

छटाक जमीन का 1/4 हिस्सा जो 17/1 वि० स्वा रोड, करीब 12 कट्ठा 10 छटाक जमीन का 1/4 हिस्सा जो 17/1 बी॰ रिची रोड, कलकत्ता पर ध्रवस्थित धौर जो रिजस्ट्रार ध्राफ एष्योरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रिजस्ट्रीकृत दलील सं० 1501/1974 के धनुसार है।

एल० के० बालसुक्रमनियन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-III
54, रकी ग्रहमद किंदबाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 3-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस∙-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, कलकता--16 कलकता--16, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देशक सं० 237/एक्यु० रे०/कल०/74-75--यतः,मुझे, एल० के० बालसूब्रमणियन श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), ग्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) के अधीन सक्षम प्राधिकारी **घारा 269-ख** को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० 17/1बी० है तथा जो रिची रोड, कलकता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर गूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य के दुश्यमान प्रतिफल के लिये की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: मब उक्त मधिनयिम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, प्रथात्:-

- श्री जितेन्द्रकुमार अग्रवाल 4 विशाप लेफय रोड, कलकत्ता (भ्रन्तरक)
- 1. कन्हें यालाल सराफ
- 2. सीता देवी सराफ
- 3. निर्मल कुमार सराफ
- 4. बिमला देवी खेतावट
- 5. बिमला देवी खेतावट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 12 कट्ठा 10 छटाक जमीन का 1/4 हिस्सा जो 17/1 बी रिची रोड, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ग्रीर जो रजिस्ट्रार ग्राफ एश्योरेन्स कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 1502/1974 के ग्रनुसार है।

> एल० के० बालसुन्निमिन यम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कसक्ता-16

तारीख -- 3-3-1975 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजॅन रेंज III, कलकता--16

कलकता --16 दिनांक 14 फरवरी 1975

निर्देश सं०ए० सी० 117/म्रार० V/cal /74-75--यतः मुझे, एल० के० बालसुक्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है भौर जिसकी र्स० पी-- 126, 127, 127, 128 129 भौर 130<mark>ह</mark>ि जो बेनारस रोड, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इउसे उनाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-9-1974। को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा . के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आहितयों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- 1. मैसर्स कुमार इन्जिनियरिंग वर्कस प्रा० लिमि० (अन्तरक)
- 2. श्रीमती गणीबाला महेश्वरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

करीब 1 बीघा 10 कठ्ठा 0 छटाक 15 स्को० फुट जमीन जो पी० 126, 127, 128, 129 श्रोर 130 बेनारस रोड, हावडा पर अवस्थित जो रजिस्ट्रार आफ एश्रोरेन्स कलकसा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दक्षील सं० 3151/1974 के अनुसार है।

> एल० के० बालसुन्नमिनयन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायुक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

षायक्षर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज, शिलाग

शिलोग, दिनांक 11 फरवरी 1975

निदश सं० ए० 82/गी/74-75---यतः मुझे एगबर्टस सिंह, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है भौर भ्रौर जिसकी डागसं० 1270, के० पीं० पड़ा सं० 242 म्राठगांव है तथा जो गोह।टी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय गोहादी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम

के के दश्यमान प्रतिफल लिए गई है और की म्रन्तरित मुझे यह विषय)स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल प्रतिफल दृश्यमान प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~--

- (क) ग्रन्तरण के हुई िकसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी फिसी श्राम या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- 1. श्री० सैयद मोहम्मद हाबिबुलाह सैयद मोहम्मद मेहबुब्-उल्लाह, सैयद मोहम्मद सामसूल श्रालमे, सैयद मोहम्मद कूटूबूले श्रालम, लाखटिकया, गौहाटी। (श्रन्तरक)
- श्री राधेश्याम केडिया, श्री भागवती प्रसाद जालान, टी॰ भार॰ फूकन रोड, गोहाटी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**सूची**

1 (एक) बीघा, 10 लेखा जमीन जो डाग सं० 1270, के॰ पी॰ पट्टा सं० 242 से परिवेष्टित है श्रीर श्रासाम प्रदेश, कामरूप जिला, गोहाटी गहर के बाठगांव में स्थित है।

एगबर्ट सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, शिलोग

तारीख : 11-2-1975 I

भोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायक्रर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), 156 सेक्टर 9-बी भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 5 मार्च 1975

निर्देश सं० एल० एडी० एच०/सी०/412/74/75—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ श्रायकर श्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रधिनियम, कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 6, जो कि औसवाल मार्ग, जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरर्सा अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: म्रव उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, म्रियीनु:—

- 1. मैसर्ज कामन वैत्थ स्पिनिंग एण्ड निर्देग मिल्ज प्रा॰ लि॰, द्वारा श्री प्यारे लाल, इण्डस्ट्रीयल ए रीया डायरैंकटर, लुधियानाँ (ग्रन्तरक)
- 2. मैं कंबर इन्जीनियर्ज, जी विश्व रोड, लुधियाना द्वारा श्री प्रमोद कुमार गोयल, निवासी 280-आर, माडल टाऊन, लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्तिद्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही श्रर्थहोगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 6, क्षेत्रफल 602 वर्ग गज जो कि पहले में 6 कामन वैल्थ सपिनिंग एण्ड निर्दिग मिल्ज, प्रा० लि० का था और जो कि भ्रोसवाल मार्ग, लुधियाना, जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 5767 सितम्बर, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डोगढ़

तारीखः: 5 मार्च 1975 ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रार्जन रेंज 1/2, 4/14ए, ग्रासफन्नली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 जून, 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यु०/111/एस० ग्रार०-111/सितम्बर-1/67(10)/74-75---यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उक्त अधिनियम कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रुपये बाजार मृत्य 25,000/ सं ग्रौर जिसकी सं० प्लाटनं० 32, ब्लाक नं० 56, ईस्ट पार्क है, जो एरिया, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रेंह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जेक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती जनक कापूर, विध्वस पत्नी श्री शादी लाल कापूर, निवासी ए-12, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली

स्वयं तथा जरनल एटारनी निम्न के लिए:--(चार विकेता नं० 11 तथा 5)

- (2) श्री निर्मल कापूर
- (3) श्री दालीप कापूर, सुपुत्र स्थर्गीय श्री शादी लाल कापूर
- (4) श्रीमती बीना दिवान, सुपुत्नी श्री शादी लाल कापूर तथा पत्नी श्री ग्रविनाश दिवान ; निवासी ए-12 गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली
- (5) श्रीमती शोभा कापूर, मुपुत्री श्री शादी लाल कापूर, पत्नी श्री श्रशोक कुमार

(6) श्री हरी लाल कापूर, सुपुत्र श्री रगी लाल कापूर, निवासी 1425, चाँदनी चौक, दिल्ली (श्रन्तरक)

(2) श्री भगवान दास सुपुत्र श्री करम सिंह 20 प्रतिशत श्री तीलक राज 10 प्रतिशत सुपुत्र श्री भगवान दास श्री ग्रशोक कुमार, कमल कुमार, बलोव राज (नाबालिग) 30 प्रतिशत सुपुत्र श्री तीलक राज कालरा, उनके पिता तथा स्वाभाविक सारंक्षक द्वारा श्री तीलक राज 10 प्रतिशत (प्रत्येक) श्री मानोहर लाल, सुपुत्र श्री भगवान दास 10 प्रतिशत श्री विजय कुमार (नावालिग) सुपुत्र श्री मानोहर लाल उनके पिता श्री मानोहर लाल जैसा कि स्वाभाविक संरक्षक श्री पृथ्वी राज, सुपुत्र श्री भगवान दास, निवासी (सारे) 12/12, डब्ल्य० ई०ए०, कारील बाग, नई दिल्ली 10 प्रतिशत (भ्रन्तरिती)

(3) (1) श्री कुलिन्द्र सिन्ह साहनी (2) श्री गोपाल दास

(3) श्री हरदेव पुरी (4) श्री द्वारका नाथ

(5) श्री हरी राम (6) श्री सन्त सिंह साहनी

पहली मंजिल :---

(7) श्री राधे श्याम (8) श्री गोपाल बरसाती फलौर:--

(9) श्री समपूरण सिंह (10) श्री प्रितपाल सिंह

(11) श्री मंगल मिह

। पुनार । पार्क (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

श्रनुसूची

एक लीजहोत्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 1288.02 वर्ग गज है तथा जोिक 2-1/2 मंजिला वित्डिंग के साथ बना हुग्रा है जिसका प्लाट नं० 32, ब्लाक नं० 56, खेवट नं० 308, खसरा नं० 723/21 है तथा जो कि ईस्ट पार्क एरिया, कारौल बाग, नई दिल्ली में है ग्रौर नं० 8294, वार्ड नं० 16 है तथा जो निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्वः सर्विस लेन पश्चिमः सङ्क

21--106GI|75

उत्तर: सङ्क

दक्षिण : प्लाट नं० 31×32 पर कोठी

चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्राथकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7-6-1975

मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-!, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून, 1975

निर्देश सं० श्र० ई० - 1/947-9/सप्टेंबर 74—श्रत: मुझे, ग० सो० राव श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है ग्रीर जिसकी सं०

सी० एस० नं० 13/722 मलबार श्रीर कंबाला हिल डिब्हीजन है, जो 19 कारमायकेल रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्टार बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के

अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती शिरीन बाई कावजी गोवाई **ग्रौर ग्रन्य** (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र बिठ्ठदास शाहा श्रीर ग्रन्य (श्रन्तरिती)
- (3) श्री किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्वच्छीकरण :-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेत्यान भ्रौर टैक्स टेनर जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो उप कर से मुक्त है, 19, कारमायकेल रोड, बम्बई नगर रजिस्ट्रेशन जिला भीर उप-जिला बम्बई नगरभीर बम्बई उपनगर में स्थित है माप में 1241.37 वर्गमीटर या ग्रासपास है ग्रीर दूसरी जमीन के साथ भूराजस्ब के संग्रहक की पुस्तक में पुराना नं० 17 श्रीर संग्रहक का नेया नं० 1/88 ग्रीर सर्वेक्षण नं० 81 ग्रीर नया सर्वेक्षण नं० 7116 (भ्रंश) ग्रीर जिसका कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण नं० मालाबार भ्रौर कंबाला हील खड जिसके साथ निवास बाटा का भ्रचल संपत्ती या निवास गृह श्रीर वहां निर्मीत सभी भवन रजिस्टर है। ग्रौर म्युनिसियल भावों एव करों के निर्धारक एवं संग्रहक द्वारा पूर्वतः डी० वार्ड नं० 3453(5) का श्रंश श्रौर स्ट्रीट नं० 8-ई० के श्रंतर्गत निर्धारित है श्रौर उक्त जगह इस प्रकार घिरी हुई है ग्रथित पूर्व की ग्रोर से ग्रार० डी० दुबासन की जायदाद द्वारा, पश्चिम की श्रोर से कार-मायकेल रोड द्वारा श्रौर उत्तर की श्रोर से महामहिम बरोदा की रानी की जायदाद द्वारा और दक्षिण की श्रोर से माहेर श्राली मोहमद फकीरा की बिधवा कुलसमबाई की जायदाद द्वारा। ग० सो० राघ,

> सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज ३, बस्बई

तारीख: 2 जून, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर पिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 192/84-75/J. No. I(451)GTR/74-75.-यतः मुझे K. Subbarao

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० Door No. 3/13, Thummella Panchayat, Moparru 表明 Mopparru में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Морагги

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 30-9-1974

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 म 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-ग अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

S/Shri

- (1) 1. Y. Venkatarao,
 - 2. Y. Ankeneedu,

 - M. Veeraiah,
 G. V. Pandurangarao,
 M. Bhusaiah,

 - M. Ramaswamy,
 - D. Ramaiah,
 D. Venkateswarlu,
 - 9. K. Umamaheswara Rao.

S/Shri

- (2). 1. K. Satyanrayana.
 - 2. K. U. Maheswara Rao.
 - G. K. Viswanatham,
 G. V. Pandu Ranga Rao.
 - 5. M. Subba Rao,
 - Govindaiah,
 - 7. M. S. Prakasa Rao,
 - 8. E. V. Chalamaiah,
 - K. V. Subbaiah,
 - 10. K. Subba Rao,
 - 11. B. V. Narasimha Rao.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षा से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयक्त शक्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

The schedule property as mentioned in the sale deed dated 9th May, 1974 vide document No. 655 of 1974 registered before the SRO, Moparru, Guntur Dt.

> K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज. Kakinada

सारीख: 11-4-75

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the April 1975

No. O.II-40/69-Estt.—Consequent on his appointment on re-employment basis as Commandant in ITBP, Lt. Col. Chattar Singh relinquished the charge of the post of Commandant, Group Centre, CRPF Deoli on the afternoon of 16th March, 1975.

2. His services will stand terminated from the CRPF from the same date,

The 1st May 1975

No. O.H-1012/75-Estl(CRPF)—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Shiv Chandra Mathur as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 8th April 1975.

2. Dr. Shiv Chandra Mathur is posted to Group Centre, C.R.P.F., Deoli (Raj).

The 7th May 1975

No. O.II-878/69-Estt—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri A. S. Bhatnagar has reinquished charge of the post of JAD(Acts) CPAU, Die General CRPF, New Delhi on the afternoon of 30th April, 1975.

The 9th May 1975

No. O.II-1010/75-Lstt(CRPF)—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Debendra Kumar Pradhan as I.M.O. in the CRP Force on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the foreneon of 5th March 1975.

2. Dr. Debendra Kumar Pradhan, is posted to Base Hospital, CRPF, New Delhi.

The 12nd May 1975

No. O.II-1009/75-Esti(CRPF)—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Dinesh Kumar Jain as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 18th March 1975.

2. Dr. Dinesh Kumar Jain, is posted to 39th Bn, CRPF.

S. N. MATHUR, Assistant Director(Adm)

CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi-1100016, the 30th April 1975

F. No. 11(1)20/72-Admn.—Until further orders and with effect from 30-4-75(AN) the sevices of Shri Ram Shanker Singh, Translation Officer Central Translation Bureau, Ministry of Home Affairs are placed at the disposal of the Commissioner of Income Tax, Delhi-1 for his appointment as Hindi Officer in that Office on ad-hoc basis.

The 12nd May 1975

F. No. 11(1)28/72-Admn.—Shri Dev Lal, Senior Translator in the Central Translation Bureau is appointed to officiate as Translation Officer in the Bureau in leave vacancy w.e.f. 14-4-1975 to 11-7-1975 on ad-hoc basis.

G. K. MISHRA, Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 9th May 1975

No. 2/12/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri I. K. Sobti, an Assistant Engineer of the Western Railway, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st May, 1975, until further orders.

B. V. DIGHE,
Under Secy.
for Central Vigilance Commission.

IE AFFAIRS DIRECTORATE OF COORDINATION AL. CRP FORCE (POLICE WIRELESS)

New Delhi-I, the 23rd April 1975

No. A.38/5/74-Wireless—Shri P. J. Zachariah, Senior Technical Assistant is appointed on ad-hoc basis as Extra Assit. Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the forenoon of the 14th April, 1975 to 14th October, 1975(AN) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40—1200.

C. P. JOSHI,

Director, Police Telecommunications.

MINISTRY OF HINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik-Road, the 5th April 1975

No. 26/(A)—The undersigned hereby appoints Shri T. N. Valvi, Inspector Control (Class III non-gazetted), New Currency Note Press, Nasik-Road, to officiate as Deputy Control Officer (Class II Gazetted) in the New Currency Note Press in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on an ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th March 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI, General Manager

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 9th April 1975 Chemical Establishment

No. 5/1975—Shri D. K. Majumdar, Chemical Assistant Gr. I. Govt. Opium & Alkaloid Works, Ghazipur has been provisionally promoted to Officiate as Assistant Chemical Examiner in the same factory with effect from the afternoon of 29th March, 1975 and until further orders.

The 18th April 1975

No. 6/1975—Shri D. K. Roy, Chemical Assistant Grade I, Govt. Opium & Alkaloid Works, Ghazipur has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the Custom House Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of 27th Feb., 1975 and until fusther orders.

V. S. RAMANATHAN, Chief Chemist, Central Revenues.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 3rd May 1975

No. OE-1-Audo-501—The Accountant General has been pleased to promote Shri Gaur Baran Sarkar, a substantive Section Officer of the local Audit Branch of his office to officiate until further orders as an Assistant Examiner in that office with effect from 30-4-75 (F.N.).

The 6th May 1975

No. OEI-Audo-PF-GHM-546—The Accountant General has been pleased to promote Shri Gour Hari Mandal, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 17-3-75(F.N.).

B. P. SINHA,

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA OFFICE ORDER

Bangalore, the 21st April 1975

No. ESI/A4/54.—Shri J. R. Sachidananda Bhatta, Officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Karnataka Bangalore is appointed in a

_== == == ==

substantive capacity in the grade of Accounts Officer in the same office with effect from 20-2-1975.

D. H. VEERAIAH, Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, J&K, SRINAGAR

Srinagar, the 23rd April 1975

No. Admn. I/60(73)75-76/298-99.—The Accountant General, J&K, has appointed Shri Abdul Ahad, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 19th April, 1975, until further orders.

P. K. BOSE, Sr. Dy. Accountagn General (A&E)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 26th April 1975

No. 18342/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri R. Patnaik, an officer of the Indian Defence Accounts Service to Level I of the Senior Administrative grade (Rs. 2500-125/2-2750) in an officiating capacity during the period 25-12-1973 to 17-2-1974.

No. 68018(2) /71-AN-II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level I of the Senior

Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) with effect from the dates shown against them, under 'Next Below Rule', until further orders.

Name of the officer and Date from which appointed

- 1. Shri G. C. Katoch-1-1-1973.
- 2. Shri J. B. Martin-1-1-1973.
- 3. Shri K. A. Lakshminarayanan-1-1-1973.
- 4. Shri B. L. Jain-1-1-1973.
- 5. Shri S. G. Dube-1-1-1973.
- 6. Shri T. R. S. Murthy-1-1-1973.
- 7. Shri R. S. Gupta-15-2-1973.
- 8. Shri V, S. Bhir-18-2-1974.

No. 18342/AN-II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service, to Level I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750), in an officiating capacity with effect from the dates shown against them, until further orders.

Name of the officer & Date from which appointed

- 1. Shri J. P. Kacker-1-1-1973.
- 2. Shri V. G. Kamath-1-1-1973.
- 3. Shri C. P. Ramachandran-1-1-1973,
- 4. Shri Bahadur Murao-1-1-1973.
- 5. Shri B. M. Menon-1-1-1973,
- 6. Shri B. M. Prabhu-1-1-1973,
- 7. Shri N. V. Sekariah-1-1-1973.
- 8. Shri R. Venkataraman—15-2-1973.
- 9. Shri K. Ramamoorthy—6-4-1973.
- 10. Shri C. L. Chaudhry—1-10-1973.

New Delhi, the 1st May 1975

No. 40011(2)/74-AN-A—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

S. Name with Roster No. number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
S/Shri 1. P.V. Ramamurthy (P/5)	Permanent Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta (on depu- lation to Ministry of Finance New Delhi).
2. T.S. Natarajan (P/7)	Permanent Accounts Officer	31-7-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
3. H.C. Kanwar (P/116)	Permanent Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
4. P.N. Malhotra (P/632)	Permanent Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
5. D.L. Dutta (O/182)	Officiating Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
6. R. Subramaniam (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer	30-6-1975 (AN)	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.

The 12th May 1975

No. 23011(1)/66-AN-II.—The following IDAS officers have been confirmed in the Junior scale of Class I of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each:—

Name & Date of confirmation

- 1. Shri Jnan Prakash-2-12-1973.
- 2. Shri Gur Saroop Sheel-20-9-1973.
- 3. Shri M. G. Agarwal—20-9-1973,
- 4. Shri V. Sarangapani-13-10-1973.
- 5. Shri K. Jagannathan-20-9-1973.

- 6. Shri S. P. Khanna-20-9-1973,
- 7. Shri C. G. Ramanathan-25-10-1973,
- 8. Shri V. D. Narasimhan—1-11-1973.
- 9. Shri P. K. Veeraraghavan-4-10-1973.
- 10. Kum. Harjeet Kaur Sandhu-16-7-1974,
- 11. Kum. Bulbul Chhibber-16-7-1974.
- 12. Kum Indu Tiwari-16-7-1974.
- 13. Shri Tarapada Mandal-16-7-1974.
- 14. Shri Prem Singh-16-7-1974.
- 15. Shri S. K. Mehta-25-10-1974.
- 16. Shri B. Narasimhan-25-10-1974.

No. 29014(3)/69/AN-II.—Consequent on his permanent absorption in the Fertilizer Corporation of India Limited in public interest with effect from 16-8-1974 (FN) Shri R, S. Gupta has relinquished his appointment in the Indian Defence Accounts Service. Accordingly, he has been struck off the strength of the Department from that date,

The 14th May 1975

No. 86016(13)/75-AN-IL.—The President is pleased to appoint Shri Charanjit Lal of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) with effect from 31-3-1975 (FN), until -further orders.

S. K. SUNDARAM,

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 8th April 1975

No. 15/75/G.—On attaining the age of superamuution, Shri J. G. Bellan, Offg. Deputy Manager (Subst.' & Permt. Foreman) retired from service with effect from 28th Feb., 1975 (AN).

The 14th April 1975

No. 14/G/75.—On attaining the age of superannuation (58 years) the undermentioned officers retired from service with effect from the dates as shown against each:—

Name and Designation and Date

- Shri A. N. Roy, Offg. Deputy General Manager (Permt. Manager)—28th Feb., 1975 (AN).
- Shri R. C. Ghosh, Offg. Manager, (Permt. Deputy Manager)—28th Feb., 1975 (AN).

No. 16/75/G.—The President is pleased to grant extension of service beyond the age of 58 years to Shri T. K. Chakraborty, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt, Foreman) for one year with effect from 1st Oct., 1974

The 22nd April 1975

No. 17/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) the undermentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each:—

Name and Designation and Date

- Shri M. M. Bose, Permanent T.S.O.—30th Apl. 1974 (AN).
- Shri P. K. Roy Choudhuri, Offg. T.S.O. (Permt. Foreman)—31st Dec, 1974 (AN).
- 3. Shri M. S. Patra, Offg. T.S.O. (Permt. Foreman) 31st Jan., 1975 (AN).

No. 18/75/G.—On the expiry of extension of service granted for one year Shri A. S. Margabandhu, Offg. T.S.O. (Permt. Staff Assistant) retired from service w.e.f. 13th Oct., 1974 (AN).

No. 19/75/G.—On expiry of his leave preparatory to retirement Shri Ale Hasan, Offg. Officer supervisor (Permt. Supdt.) retired from service with effect from 31st Dec., 1974 (AN).

M. P. R. PILLAI, Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

Simla-171004, the 14th June 1975

No. 23/3/75-CP1.—The All-India Consumer Price todex Numbers for Industrial Workers on base 1960=100 increased by two points to reach 323 (Three hundred and twenty three) during the month of April, 1975. Converted to base 1949=100 the index for the month of April, 1975 works out to 393 (Three hundred and ninely three).

K. K. BHATIA, Director.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

IMPORTS & EXPORT TRADE CONTROL New Delhi, the 25th April 1975

(ESTARI ISHMENI)

No. 6/1039/74-Admn (G)/2667.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri S. H. R. Hashmi, Marketing Officer, Directorate of Marketing & Inspection, Ministry of Agriculture & Irrigation, Rajkot, as Controller Class-II (Non-CSS), in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th March, 1975 until further orders.

2. Shri S. H. R. Hashmi will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

A. T. MUKHERJEE,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 25th April 1975

No. 6/1021/74-Admn (G)/2659.—On attaining the age of superannuation, Shri B, L. Sharma, a permanent Grade IV Officer of the CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in this office on the afternoon of the 31st March, 1975.

The 28th April 1975

No. 6/518/58-Admn (G)/2700.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Diwan, Dy. Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS) in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Fxports, Bombay, to officiate as Dy. Iron & Steel Controller in that office for a period of three months with effect from the forenoon of the 3rd April, 1975.

No. 6/88/54-Admn (G)/2740.—The President is pleased to appoint Shri J. Shankar, an officer officiating in the Selection Grade of the CSS as Joint Chief Controller of Imports & Exports, in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi with effect from 17-3-75 (forenoon), until further orders.

No. 6/823/67-Admn (G)/2748.—On voluntarily retirement, Smt. S. I. Kirpalani relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in the office of Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay on the afternoon of 28th February, 1975.

B. D. KUMAR, Chief Controller of Imports & Exports

DEPARTMENT OF EXPORT PRODUCTION KADDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Kutch, the 15th April 1975

No. FTZ/ADMN/7/2/74.—In view of the Notification No. A/12018/1/72-E. I dated the 2nd January, 1975 approving the revised Recruitment Rules for the post of Administrative Officer. Shri U. J. Bharmalani is hereby appointed as Administrative Officer. Kandla Free Trade Zone in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 22nd March, 1975 until further orders.

N. VITTAL,
Development Commissioner,
Kandla Free Trade Zone.

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

Madras, the 16th April 1975

ORDER

Sub:—Cancellation of Customs Purposes copy of licence No. P/L/2680391/C/XX/50/M/37-38/A. 129-3 dated 14-2-74 for Rs. 16,40,000/- issued by M/s. Bharat Heavy Electricals Ltd., High Pressure Boiler Plant, Tiruchirapalli-620014.

M/s. Bharat Heavy Electricals Ltd., High Pressure Boiler Plant, Tiruchirapalli-620014 were granted a licence No. P/L/2680391/C/XX/50/M/37-38/A. 129-3 dated 14-2-1974 for Rs. 16,40,000/- for import of Steel items and components.

The firm have approached this office with a request for issue of a duplicate copy of the Customs Purposes Copy of the above licence on the ground that the original Customs Purposes copy of the Said licence was lost/misplaced, without having been registered with any Customs authority and without having been utilised. They have also furnished an affidavit on a Stampted paper in support of their claim.

I am satisfied that the original Customs Purposes copy of the licence No. P/L/2680391/C/XX/50/M/37-38/A. 129-3 dated 14-2-1974 has been lost/misplaced and direct that the duplicate Customs Purposes Copy of the licence should be issued to the firm. The original Customs purposes copy of the licence stands cancelled.

(Issued from file No. Engg/3/DR, 12/UPC, 11).

M. F. R. BIJLI,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF FOREIGN TRADE OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

Madras, the 18th April 1975 ORDERS FOR CANCELLATION

Sub:—Cancellation of Exchange Control copy of import licence No. P/E/0210218/C/XX/48/M/37-38 dated 30-7-1973.

No. JTC/Dup. Copy/10/AM. 75/E.I/22.—M/s. A. Yahya & Company, 16, Linghi Chetty, Street, Madras-1, (now doing the business at 27, Thambu Chetty Street, Madras-1) were issued a licence No. P/E/0210218/C/XX/48/N/37-38 dated 30-7-1973 for Rs. 1250/-(Rupees one thousand two hundred and fifty only) for the import of parts of Machinery etc. [S. No. 65(5) (iii) V] for the period April-March 1974.

The firm have applied for grant of duplicate copy of the Exchange Control copy of the above licence on the ground that the original has been lost/misplaced after having utilised tully for A.M. 74 filing an affidavit in support of their contention.

I am satisfied that the original copy of the Exchange Control copy of the licence has been misplaced and I direct that a duplicate copy of the Fxchange Control Copy of the licence should be issued to the applicant firm. Covering the unutilised value of Rs. 1250/- for repeat operation for A.M. 75 period.

The original Exchange Control copy of the licence is hereby capcelled.

This is reported for your information.

Sub:—Cancellation of Customs copy of import licence No. P/E/0210629/C/XX/50/M/37-38 dated 12-2-1974 issued to M/s. Occanic Agencies, Madras-18.

No. ITC/Dup. copy/77/AM./75/EL./19.—A licence No. P/E/0210629/C/XX/50/M/37-38 dated 12-2-1974 for Rs. 195530/- for import of Instruments, Apparatus etc. S. No. 92(n)/V for the period A.M. 1957 was granted by this office to M/s. Oceanic Agencies, 71, Mowbrays Road, First Floor, Room No. 1, Alwarpet, Madras-18.

The firm have applied for grant of duplicate copy of the Customs copy of the above licence on the ground that the original has been misplaced/lost and have filed an affidavit in support of their contention.

I am satisfied that the original copy of the Customs copy of the licence has been misplaced and I direct that a duplicate copy of the Customs copy of the licence should be issued to the applicant firm. The original of the Customs copy of the licence is hereby cancelled to the extent of its tull value of Rs. 195530/-.

This is reported for your information.

M. F. R. BIJLI,

Deputy Chief Controller of Imports & Exports for Joint Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 9th April 1975

No. A-19018/16/75-Admn (G).—The Development Commissioner, (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri L. P. Gangawar, Quasi permanent Small Industry Promotion Officer (Industrial Management and Training), Small Industries Service Institute, Indore, to officiate as Assistant Director (Gr. II) (Industrial Management and Training), Small Industries Service Institute, Cuttack, until further orders.

Shri L. P. Gangawar assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Industrial Management and Training) at Small Industries Service Institute, Cuttack, on the foremon of 25th February, 1975.

K. V. NARAYANAN, Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1) New Delhi, the 17th April 1975

No. A-1/1(1022).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoint Shri Subalendu Das, Junior Field Officer in the office of the Deputy Director General, Supplies & Disposals, Calcutta to officiate, on ad-hoc basis, as Assistant Director of Supplies (Gr. II) in the Dtc. General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 22nd March, 1975 and until further orders.

The appointment of Shri Subalendu Das as Assistant, Director (Gr. II) is purely temporary and subject to the results of Civil writ petition No. 739/71 filed by Shri M. Kupperswamy in the High Court of Delhi.

The 6th May, 1975

No. A-1/1(455).—The President is pleased to appoint Shri T. A. Awatramani, Assistant Directorate (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service) in the office of the Director of Supplies & Disposals Bombay to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the same office at Bombay with effect from the forenoon of 15th April, 1975 and until further orders.

The 26th April, 1975

No. A/17011(23)/75-A6.—The President has been pleased to appoint Shri Ashok Kumar Varma, a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1973 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 3-3-75, until further orders.

Shri Varma, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg) in the office of the Director of Inspection N.I. Circle, New Delhi from the forenoon of 3-3-75.

K. L. KOHLI, Dy. Director (Adm.)

New Delhi-1, the 22nd April 1975

No. A-1/1(962).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. K. Haldar to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 5th April, 1975 and until further orders.

The 26th April 1975

No. A-1/1(1023).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. P. Gaur, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General with effect from the forenoon of 26th March, 1975 and until further orders.

The appointment of Shri Gaur as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 15th May 1975

No. A-1/1(960) — The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Lakshmikanthan Lakshminarayan to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 15th April, 1975 and until further orders.

The 23rd April 1975

No. A-17011/88/75-A. 6.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. L. Talwar, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, N. I. Circle New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.c.f. the forenoon of the 7-4-75, until further orders.

No. A-17011/89/75-A. 6.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri P. N. Mukherjee, Examiner of Stores (Tex.) in the Calcutta Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Textiles) in the office of the Director of Inspection Calcutta, w.e.f. the forenoon of the 17-3-75 until further orders

The-1st May 1975

No. A-6/247(83)/IV.—Shri P. C. Kapur, permanent Director of Inspection and officiating Deputy Director General (Inspection) in Grade I, of the Indian Inspection Service, retired from Govt, service with effect from the afternoon of 28-2-75, on attaining the age of superannuation (58-years).

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th May 1975

No. A-19011(5) /70-Estt. A.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Singhal, Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Controller of Mines in this department with effect from the forenoon of 3rd May, 1975 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

Nagpur, the 19th April 1975

No. A-19011(80)/70-Estt. A.—The President is pleased to appoint Shri Md. Anowar, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 12th March, 1975 until further orders.

D. N. BHARGAVA Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 2nd May 1975.

No. 2251(KKD)/19B-Shri K. K. Dey, Driller, Geological Survey of India died on the 28th February 1975.

No. 40/59/C/19A.—Shri Sudhamey Chakraborty, Personal Assistant to the Director General, Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad hoc basis with effect from the forenoon of 5th May, 1975, until further orders

Calcutta-13, the 13th May 1975

No. 3000/B/40/59/C/19A.—The following Superintendents of the Geological Survey of India are appointed on promotion Assistant Administrative Officers in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- on ad hoc basis with effect from the dates shown against each, further orders:

- Sl. No., Name and Date of appointment
 - 1. Shri Santi Ranjan Bhattacharjee--3-5-1975(FN)
 - 2. Shri S. N. Chowdhury—5-5-1975(FN)
 - 3. Shri Tarapada Mukherjee-5-5-1975(FN)

C. KARUNAKARAN, Director General

Calcutta-12, the 12th May 1975

No. F.92-83/74-Estt./5699.—Shri Kypa Sudhakar, is hereby appoints as Assistant Zoologist (Gazetted: Class II), in a temporary capacity, in the Headquarters Zoological Survey of India, Calcutta, with effect from 19th April, 1975 (forenoon), until further orders.

No. F.92-84/74-Estt./5721.—Dr. R. C. Subba Raju is hereby appointed as Assistant Zoologist (Gazetted Class II) in a temporary capacity in the High Altitude Zoology Field Station of the Zoological Survey of India, Solan, with effect from 9th April, 1975 (forenoon), until further orders.

Dr. S. KEHRA. Deputy Director-incharge, Zoological Survey of India.

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 28th April 1975

Notice of termination of service issued under rule 5(1) of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965.

No. EI-4955/PF(M.I.HAQUE).—In pursuance of sub-rule (1) o frule 5 of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965 Shri Mohd. Imtiazul Haque, Officer Surveyor who has failed to acknowledge receipt of the notice dated 10-10-72 is hereby given the notice that his service shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the official Gazette.

HARI NARAIN, Surveyor General.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

INDIAN MUSEUM

Calcutta-13, the 25th March 1975

No. 4-104/74/Estt.-The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Jogeshwar Mahanta to the post of Assistant Psychologist at Headquarters of this Survey, Calcutta, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 15th March, 1975, until further orders.

No. 4-105/74/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Ashim Kumar Adhikary to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at head-quarters of this Survey, Calcutta, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 18-3-75, until further orders.

The 4th April, 1975

No. 4-111/75/\(\Gamma\) stt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Vikas Bhatt to a post of Assistant Keeper at Zonal Anthropological Museum of this Survey at Jagdalnur, Dist. Baster, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 12th March, 1975, until further orders.

The 5th April 1975

No. 4-101/74/Estt.-The Director, Anthropological Survey of India is pleased to appoint Shri Rajendra Sarkar in the post of Assistant Anthropologist (Cultural) at North Western Station of this Survey, Dehra Dun, on a temporary basis, with 22--106GI/75

effect from the forenoon of 24th March, 1975, until further orders.

C. T. THOMAS, Senior Admn. Officer.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 12th May 1975

No. F.11-2/74-A.1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Om Prakash Bhugra, Asstt. Microphotographist Gr. I to officiate as Microphotographist on ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 28th April, 1975 until further orders.

No. F.11-3/74-A.1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Rajinder Prasad Assistant Chemist Gr. I to officiate as Scientific Officer on ad-hoc basis, with effect from forenoon of the 2nd May, 1975 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE

National Archives of India, for Director of Archives,

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 16th April 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2.—NITRATE MIXTURE, in the entry "AQUADYNE—II", for the figures "1975", the figures "1976" shall be substituted.

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 19th April 1975

No. 4/84/75-Sl.—The Director General All India Radio hereby appoints Shri A. R. Hardikar as Programme Executive, All India Radio. Poona in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1975 and until further orders.

No. 4/27/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Perseus D. Shira as Programme Executive, All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from the afternoon of 29th March, 1975 and until further

No. 4/73/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Vijya M. Joglekar as Programme Executive, TV Centre, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 19th March, 1975 and until further orders.

No. 5/117/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Y. P. Singh, Transmission Executive, as Programme Executive, TV Centre, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 12th March, 1975 and until further orders.

No. 4/35/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Vijya Lakshmi Sinha as Programme Executive, All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from the 21st March, 1975 and until further orders.

No. 5/16/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. K. Sarvade, Transmission Executive, All India Radio, Poona as Programme executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 27th March, 1975 and until further orders.

No. 4/18/64-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. Ganesan, Transmission Executive, All India Radio, Tiruchirappalli as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 15th March, 1975 and until further orders.

No. 4/24/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. C. Shah as Programme Executive, All

India Radio, Rajkot in a temporary capacity with effect from the 22nd March, 1975 and until further orders.

No. 5/42/70-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shii S. A. Hungund, Transmission Executive, All India Radio, Dharwar as Programme Executive, All India Radio, Dharwar in a temporary capacity with effect from the 24th March, 1975 and until further orders.

The 28th April 1975

No. 4(16)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. K. Thulasi, as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from the 4th April, 1975 and until further orders.

No. 4(123)/75-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Naba Sharma as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders.

No. 4(75)/75-SI.—The Director, All India Radio hereby appoints Shri V. D. Antani as Programme Executive, All India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from the 9th April, 1975 and until further orders.

No. 4(36)/75-St.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr. Udai Bhan Mishra as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 2nd April, 1975 and until further orders.

No. 4(48)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. S. Srikrishnan as Programme Executive, All India Radio, Tirunelveli in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders.

No. 4(58)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shi V. K. Godkhindi us Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1975 and until further orders.

No. 5(75)/61-SI.—On the expiry of Leave Preparatory to Retirement granted to him from 1-1-1975 to 30-4-1975, Shri A. H. Burg, Programma Executive Radio Kashmir, Srinagar will retire from service with effect from the afternoon of 30th April, 1975.

No. 4(116)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Inder Raj Baid as Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, jaipur in a temporary capacity with effect from the 7th April, 1975 and until further orders.

No. 4(122)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shii Makhon Chandra Rajkhowa as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders

No. 4(11)/75-St.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. H. Khan as Programme Fxecutive, All India Radio, Gulberga in a temporary capacity with effect from the 31st March. 1975 and until further orders,

No. 5(150)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. Sasitharan. Transmission Executive, All India Radio, Calicult as Programme Executive, All India Radio, Tirunelvelli in a temporary capacity with effect from the 3rd April, 1975 and until further orders.

No. 4(92)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shii Srikanta Das as Programme Executive, All India Radio, Sambalpur in a temporary capacity with effect from the 2nd April, 1975 and until further orders.

No. 4(66)/75.Sl.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kartikeswar Naik as Programme Executive, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1975 and until further orders.

No 4(111)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Athos Fernandes, Clerk Grade-I, All India Radio, Panaji as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 1st April, 1975 and until further orders.

The 12th May 1975

No. A-30014(23)-74-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. S. Panke, Farm Radio Officer

AIR, Poona in a quasi-permanent capacity in the post of Farm Radio Officer with effect from 23-2-74.

SHANTI LAL

Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi, the 9th May 1975

No. 2/39/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shu N. N. Ghosh, Head Clerk, All India Radio, Calcutta to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Ranchi on ad-hoc basis with effect from 19-4-75. (F.N.)

The 13th May 1975

No. 2/23/61-SII.—Shri Mohd. Yousuf, Administrative Officer, All India Radio, Hyderabad retired from service w.e.f. afternoon of 30-4-75, on attaining the age of superannuation.

I. S. PANDHI Section Officer, for Director General.

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

Now Delhi-1, the 3rd May 1975

No. A-12023/2/74-CWI/1295.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. K. Das, as Assistant Englineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio with effect from 10-3-1975 (A.N.) and to post him as Assistant Engineer (Civil) in the Sub-Divisional Office at Calcutta, under the Divisional Office, Calcutta until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE Engineer Officer to C.E. (Civil) for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 7th May 1975

No. A. 12026/3/74-Est.—Principal Information Officer hereby appoints Shri S. N. Tripathi, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service Cadre of the Ministry of Information & Broadcasting and working in the office of Registrar of Newspapers for India, New Delhi as Administrative Officer in the Press Information Bureau's office at Calcutta on deputation basis with effect from the forenoon of April 22, 1975, until further orders.

M. M. SHARMA, Asstt. Principal Information Officer for Principal Information Officer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th April 1975

No. 38-12/74-CHS.I.—Consequent on his transfer, Dr. S. D. Vohra, an officer of the GDO Grade I of the Central Health Service relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Public Health) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Service, New Delhi. on the forenoon of the 20th March, 1975, and assumed charge of the post of Port Health Officer in the Port Health Organisation, Calcutta, on the forenoon of the 29th March, 1975.

R. N. TEWARI, Dy. Dir. Admn. (CHS)

New Delhi, the 18th April 1975

No. 36-10/73-Admn.I.—Consequent on reversion, Shri R. K. Suri relinquished charge of the post of Administrative Officer, Willingdon Hospital. New Delhi, on the afternoon of the 26th March 1975 and resumed charge of the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services from the same date.

The 25th March 1975

No. 9-5/75-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Kumari Manjeet Kaur, Clinical Instructor, College of Nursing, New Delhi, with effect from the afternoon of the 10th March, 1975.

The 29th April 1975

No. 12-1/75-Admn.l.—On his transfer to the Ministry of Steel and Mines (Department of Steel), Shri R. Chakravarthi relinquished charge of the post of Section Officer in this Directorate on the forenoon of the 10th April, 1975.

No. 9-3/74-Admn.I.—The Director of Administration & Vigilance, Directorate General of Health Services is pleased to appoint Kumari Leelamma Abraham to the post of Clinical Instructor at the Rajkumari Amrit Kaur Colle Nursing, New Delhi with effect from the 16th Fet 1975 in a temporary capacity and until further orders. College of

The 1st May 1975

No. 26-2/70-Admn.f.—Consequent on his appointment to the post of Scientist in the Indian Council of Medical Research, Dr. S. J. Rahman, relinquished charge of the post of Research Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi on the alternoon of 31st October, 1974.

The 6th May 1975

No. 17-26/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. P. Das Gupta in a substantive capacity to the permanent post of Pharmacologist in the Directorate General of Health Services with effect from the 28th August, 1973.

The 9th May 19

No. 17-40/73-Admn.I.—Consequent on his appointment to the post of Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Hyderabad, Shri M. Ravikant relinquished charge of the post of Assistant Secretary (Indian Pharmacopoeia Committee) in the Directorate General of Health Services on the afternoon of the 9th April, 1975.

The 16th May 1975

No. 27/5/73-Admn.L—The President is pleased to appoint Dr. S. P. Roychoudhury in a substantive capacity to the post of Deputy Assistant Director (Chemist) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the forenoon of 22nd March, 1972.

No. 10-7/74-Admn.I.-The Director General Health Services is pleased to appoint Shi Asit Ranjan Sen to the post of Technical Officer (Lecturer) (Class II Gazetted) in the Central Food Laboratory, Calcutta, on a temporary basis, with effect from the forenoon of the 10th March, 1975, and until further orders.

The 19th May 1975

No. 17-14/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Chadha to the post of A.D.G. (P.F.A.) in the Directorate General of Health Services, on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 25th April, 1975 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment to the post of Assistant Director General (P.F.A.), Shri D. S. Chadha relinquished charge of the post of Dy. Assistant Director General (P.F.A.) in the Directorate General of Health Services on the afternoon of the 24th April, 1975.

S. P. JINDAL, Dy. Dir. Admn. (O&M)

New Delhi, the 5th May 1975

No. 9-17/75-CHEB .- The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. P. Srivastava, Investigator, Central Health Education Bureau, New Delhi, to the post of Research Officer, in the same Bureau with effect from the forenoon of the 1st April. 1975 on un officiating basis, in the leave vacancy of Shri Y. P. Gunta on leave upto the 17th May 1975.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir. Admn.

New Delhi, the 30th April 1975

No. 21-2/73-SI(Pt).—Shri K. P. B. Pisharoty, permanent Factory Manager and officiating D.A.D.G. (MS), in the Medical Store Organisation retired from Govt. service in the afternoon of 31st January, 1974.

This supersedes Directorate's notification No. 21-2/73-SI dated 17-4-74.

The 2nd May 1975

No. 16-2/75-SI.—On retirement from Government Service, Shri Sadhu Ram Sharma, Depot Manager in the Medical Stores Organisation relinquished charge of his post with effect from the afternoon of 31st March, 1975,

The 6th May 1975

No. 16-9/75-SI.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. Ashit Ranjan Roy, Asstt. Director (Pharmacology), Biological Laboratory and Animal House, Govt.

Medical Store Depot, Madras relinquished the charge of his post in the afternoon of 31st March, 1975.

SANGAT SINGH, Dy Dir. Admn.

New Delhi, the 23rd April 1975

No. 24/6(1)/75-CGHSI.—Consequent on the U.P.S.C. nominee, Dr. Mohd. Quduratulla joining the Central Govt, Health Scheme at Kanpu as G.D.O. Gr. II of the Central Health Service, on the forenoon of the 18th Feb., 1975, the services of Dr. Ramesh Ahuja, Junior Medical Officer (Adhoc) (under suspension) stand terminated in terms of conditions of his addition appointment ditions of his Ad-hoc appointment.

> K. VENUGOPAL Deputy Dir. Admn. (CGHS) for Director General of Health Services.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 7th May 1975

No. F.5(7)/68-Estt.(1)—On reversion from the State Farms Corporation of India, Shri K. P. Srinivasan permanent superintendent (Gr.I) of the Directorate of Extension, has assumed charge of the post of Superintendent (Gr. 1) in this Directorate w.c.f. the forenoon of the 1st May, 1975.

P. K. MUKHERJI, Dir. of Admn.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the 18th April 1975

No. F.2/8/75-DN.II.—For the purpose of the Government India, Ministry of Finance (Department of Revenue). No. F.2/8/75-DN.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade and Ministry of Commerce, notifications No. 125, 126, 127 Date 15-9-1962, No. 1131, 1132 Date 7-8-1965, No. 2907 Date 5-3-1971, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C- Date 1-10-1971 and No. 3099, Date 3-11-1973, and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shribs B. Bnardway, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Physics Papper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenngreek Seed, Celery Seed and Cumin Seed, which have been graded in accordance with the provisions of the grading & Marketing Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marketing) Act, 1937, (1 of 1937).

The 25th April 1975

No. F.4-6(2)/74-A.I.—Shri K. Subramaniam, Assistant Marketing Officer, Group I, Nagapattinam is appointed to officiate as Marketing Officer, Group I on ad-hoc basis in the sub-office of this Directorate at Tuticorin with effect from 27.12.74 (AN) until further orders. 27-12-74 (A.N.) until further orders.

The 15th May 1975

No. F.4-6(16)/74-A.L.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri Kanwar Singh Nishal has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 12-7-74 (F.N.) until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO, Agricultural Marketing Adviser

NATIONAL SUGAR INSTITUTE DEPARTMENT OF FOOD Kanpur, the 22nd April 1975

No. Estt.19(6) 579.—Shri R. P. Shukla, Research Assistant at the National Sugar Institute, Kanpur is appointed to officiate as Junior Scientific Officer (Physical Chemistry) on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7-4-1975 till further orders. Shi Shukla will draw the initial salary of the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 1000-EB-40-1200.

N. A. RAMAIAH, Director.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 192/74-75/J. N. I(420)/74-75.—Whereas, I, K. Subba Rao

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-25--33 situated at Guntur (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Guntur on 15-9-74

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

 Smt. Batchu Naga Mallikamba, W/o Surya Prakasa Rao, Guntur.

(Transferon)

S/Shri

- (1) 1. M. Deenadayal
 - 2. M. Parthasarathi Naidu,
 - 3. Krishna Murthy Naidu,
 - 4. M. Purshottam Naidu.
 - 5. M. Gopalarao Naidu, and
 - 6. Smt. M. Laxmi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as mentioned in the sale deed dated 12th September, 1974 vide Document No. 4676 dated 12-9-74 registered before the Sub-Registrar, Guntur.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
KAKINADA

Date: 11-4-1975

(1) Shri Podipiteddi Venkatanarayana Lalimireddyvari Street, Innispeta, Rajahmundry-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 190/74-75/J, No. I(367)/EG/74-75.—Whereas, J, K. Subba Rao.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-40-27 situated at Alcot Gaydens, Main Road, Rly.

No. 2-40-27 situated at Alcot Gaydens, Main Road, Rly. (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Office at Rajahmundry on 15-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) 1. Sri Umedraj

2. Shri Tejoraj.

 Shri Kanakraj, 8-2-21. Nalam Bhimaraju Street, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property as stated in the form No. 37G vide document No. 3673/74 dated 4-9-74 registered before the Sub-Registrar Rajahmundry.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada

Date: 11-4-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gokavarapu Sesharatnam, Palakol, W/o Sundareswara Rao.

(Transferor)

(2) Smt. Vendra Parvatamma, W/o Nagabhushanam, Nidadavole, Kovvur Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kukinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 193/74-75/J. No. I(337)/74-75.-Whereas, I K. Subba Rao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Door No. 14-1-8 situated at Eluru Canal Road, 14th Ward, Nadadavole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nidadavole on 30-9-74

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as shown in form No. 37G vide document No. 2029 dated 20-9-74 Registered before the sub-Registrar, Nidadavole,

> K. SUBBA RAO Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 11-4-1975

(1) Shri P. Narayanamurthy, Anakapally.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th April 1975

Acq. File No. 189/74-75/J. No. I(119)/74-75.—Whereas, I, K. Subba Rao

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-14-372 situated at Woodyard Street, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 15-9-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

(2) P. China Chidambara Swamy. Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per the schedule mentioned in Sale deed dated 6th September, 1974 vide documnt No. 4283 dated 6-9-74 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada

Date: 9-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1975

Ref No Phg/73/75-76—Whereas, I, V. R SAGAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot of land, situated at GT Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely

 Shri Telu Ram s/o Shri Ram Dass Mal, Singla Market G T Road, Phagwara (Near Paradise Cinema)

- (2) Shri Balwant Singh s/o Shri Bhagat Singh r/o Village Paluhi Phagwara District Kaputthala.
- (3) As at S. No 2 above (Person in ocupation of the pioperty)
- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1239 of September, 1974 of the Registering Authority, Phagwara

V. R SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date 15-5-75. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1975

Ref. No. ASR/74/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property, situated at Hall Bazar Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsur in September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Budh Singh s/o Shri Karam Singh r/o Ram Gali, Chowk Passian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Vaijnder Mohan Seth s/o Lachhman Dass, Hall Bazar, Amritsar.

(Transferee)

(3) S/Shri Vishwa Mitter Sukhdev Singh, Shadi Lal, Parshotam Das Smt. Surinder Puri & any other tenant occupying the property.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. 526, 527, 474 & 475 & 58 to 61/1—1 Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2067 of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisitlon Range, Amritsar.

Date 15-5-75. Seal:

23--106GI/75

(2) M/s Gopi Chand Textile Mills Ltd, Sirsa, through Shri Gurbax Singh, Agent Mills (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Chandigarh ,the 17th May 1975

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref No SRS/30/74 75—Whereas, I, G P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing I and, situated at Village Kherpur, Tehsil Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land, measuring 14 Kanals 9 marlas, situated in Village Kherput, Tehsil Sirsa

Khasra Nos 64 71 72 21 22/2 5/1 1/1 (5-7) (0-4) (4-9) (4-9)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957). (Property as mentioned in the Registered Doed No 3040 of September, 1974 of the Registering Officer Sirsa)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

G P SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

(1) Shri Nirmal Singh, s/o Shri Harnam Singh Village Kheipur, Tehsil Sirsa

Date 17-5-1975

(Transferor)

Seal.

FORM J.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigath, the 17th May 1975

Ref. No. SRS/31/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Village Kherpur, Tehsil Sirsa.

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in September, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the the following persons, namely:—

- (1) Shii Nirmal Singh, s/o Shri Harnam Singh, Village Kherpur, Tehsil Siisa. (Transferor)
- (2) M/s Gopi Chand Textile Mills Ltd; Sirsa, through Shri Gurbax Singh, Agent Mills.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 15 kanals 9 mailas, situated in Village Kherpur, Tehsil Sirsa.

Khasia Nos.

$$\frac{16/2}{(1-18)}, \frac{65}{(5-2)}, \frac{593}{(7-11)}, \frac{593}{(0-18)}$$

(Property as mentoined in the Registered Decd No. 3045 of September 1974 of the Registering Officer, Sirsa.)

G. P. SINGH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 17-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vishambardayal S/o Laxminarayan R/o Village Eklod, Pargana, Vikrampur, Distt. Morena.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pushpadevi W/o Sureshchand, Keshao Colony of Morena.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/...-Whereas, J. V. K. SINHA, Ref. No. IAC/ACQ/BPL/...—Whereas, I. V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land of 30.53 Actes at Village Shahpur Khurd, Pargana Vikrampur, Distt. Morena situated at Morena, (and more fully described in the Schedule approach hereta), has

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Morena on 30-9-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of Ilability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land of 30.53 Acres at Village Shahpur, Khurd, Pargana Vikrampur, Distt. Morena.

> V. K. SINHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 15-5-1975.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1975

Ref. No. IAC/Acq/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Rasulpura at Bombay Agra Road, Dewas situated at Dewas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 4-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Smt. Keshar Bai Wd/o Shii Sawant,
 - (ii) Smt. Deo Bai W/o Jangannath,
 - (iii) Smt. Ramkunwar Bai W/o Shri Ramchand,
 - (iv) Shri Mukund S/o Shri Muna,
 - (v) Shri Ramchand S/o Shii Munnaji,

All R/o Pal Nagar, Dewas.

(Transferor)

(2) Smt. Shantibai W/o Shri Vnendra Singh Bhandari, 1-Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Rasulpura at Bombay Agra Road, Dewas.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bhopal,

Date: 15-5-1975.

FORM ITNS----

(1) Shri Ramphal S/o Late Shri Badhuprasadji Gwal, 55/5 Vallab Nagar, Indorc.

(Transfetor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BHOPAL.

Bhopal, the 15th May 1975

Ref. No. IAC/Acq/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedsing Rs. 25,000/and bearing No.

Open piece of land situated at 7, M.G. Road, Indore situated

at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on 7-9-1974

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Shri Maniklal S/o Amritlal Oza,
R/o I, South Yeshwantganj, Indore.
2. Mr. Chandrakant S/o Martand Nimgaonkar,
R/o 19, Pant Vaidya Colony, Indore.
3. Mr. Vilas S/o Pandharinath Dixit,
R/o 19, Int. Colony, Indore. R/o 18, Jati Colony, Indore. 4. Mr. Sumersingh S/o Jorawarsingh Dagtia. R/o 5, Shastri Colony, Indore. 5. Mr. Vimalchand S/o Guljarilal Jain, R/o 8, Shastri Colony, Indore, and 6. Mr. Mamnarayan S/o Pannalal Norgude, R/o 27, Kagdipura, Indore.

(Transferce)

- · Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land situated at 7 M.G. Road, Indore.

V. K. SINHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15-5-1975.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL.

Bhopal, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/Acq/BPL/75-76.—Whereas, I, M.F. Munshi. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot and Ruce Mill Superstructure (excluding mill machinery)

at Mill para area, Durg, situated at Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Durg on 11-9-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Raghunandan Praşad S/o Shivdayal Agrawal. Through Mukhtiyar--Shri Rajkumar Hariram Agrawal, C/o Bhagwati Rice Mills, Durg,

(Transferor)

(2) Shri Nandkishore S/o Manakchand Khandelwal, R/o Sadar Bazar, Near Bata Shop, Durg, C/o Adarsha Rice Mills, Ganj Para, Mill Para, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and Ruce mill superstructure (excluding mill Machinary) at Mill para area, Durg.

> M. F. MUNSHI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Competent Authority, Bhopal.

Date: 11-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DFLHI

New Delhi, the 16th May 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/833/75-76/599.—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-65 situated at Bali Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27-1-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Surjit Singh S/o S. Gurbachan Singh, r/o House No. 3607. Street No. 11, Rehgarhpura, Karol Bugh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2 Shri Harbans Lal Bhambhani S/o Shri Narain Dass Bhambhani, R/o F-46, Bah Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Oojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot No. 56 measuring 250 sq. yds situated in the area of Village Bassai Darapur abadi of Bali Nagar E-Block an approved colony on Najafgarh Road, New Delhi & bounded as under:—

North: Road 30' wide East: Plot No. E-55 South: Lane 15' wide West: Road 30' wide

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-5-1975

FORM LT.N.S.

(2) Shri Narinder Kumar s/o Shri Dewan Chand, r/o I-80, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14. ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

New Delhi, the 16th May 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/834/75-76/599.—Whoreas, 1, V. Gupte,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 1/2 share of H/87 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Delhi on 31-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

EXPLANATION :-- The terms expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ portion of free-hold land bearing Plot No. 87 in Block H (H/87) measuring 1/2 of 200 sq. yds situated in the approved colony known as Kirti Nagar, area of village Bassai Darpur, Delhi State Delhi, Delhi, & bounded as under :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax. Act. 1957 (27 of 1957).

South: House on Plot No. H/86

North: House No. Plot No. H/88

West: Service Lane

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

C. V. GUPTE. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

.(1) Shri Rajinder Kumar S/o Shri Lal Chand. r/o 8/41, Ramesh Nagar, New Delhi.

Date: 16-5-1975

Seal:

(Transferor)

24-106GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 16th May 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/835/75-76/599.—Whereas, I. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 41 (1/2 portion) situated at Motia Khan,
Dump Scheme, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Delhi on 7-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957). transferce for

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Satyawati w/o Late Shri Harcharan Dass, 65/53, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Khan Singh, 2. Sh. Rawel Singh, Sa/o Shri Kaka Singh Sa/o Shri Kaka Singh r/o 20-B/33A &20-B/35, Tilak Nagar, New Delhi respectively 3. Sh. Pritam Singh s/o S. Gian Sirgh r/o 20-B/35AB, Tilak Nagar, New Delhi & (4. Sh. Sardar Singh s/o S. Piara Singh r/o B20/34-AB, Tilak Nagar, New Delhi all partners of M/s Khan Singh Rawel Singh, 41 Rani Jhansi Rd. Motia Khan, New Delhi Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

portion of leasehold plot of land measuring 4 of 597.37 sq. yds. bearing Plot No. 41 situated at Motia Khan, Dump Scheme, New Delhi and bounded as under :---

North: Road (Rani Jhansi Road)

East: Road (Service lune)

South: Plot No. 42 West: Plot No. 40

> C. V. GUPTE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD. CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 6th May 1975

No. 259/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, J. L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36/1, situated at Deodar Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 2-9-1974

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Anil Madhap Paul 36/1, Deodar Street, Calcutta.

 Shri Chiranjilal Agarwal 114 Cotton St. Calcutta.

(Transferor)

- Shri Radhesyam Agatwal,
 Jamunalal Bajaj Street, Calcutta.
- 3. Shri Girdharılal Agarwal, 42 Jamunalal Bajaj Street, Calcutta.
- 4. Shri Kokul Agarwal, 114 Cotton Street, Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8 cottahs 1 chittacks 9 sq. ft. more or less together with two storied building and other structures thereon at premises No. 36/1, Deodar Street, Calcutta as per deed No. I-6400 of 1974 registered before the District Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafii Ahmed Kidwai Road,
(3rd floor), Calcutta-16.

Date: 6-5-1975

Seal:

(Transferor)

(2) Shri Shah Abbaekhan Alias Sanjay and Zarina, W/O Shah Subbas Khan.

(Transteree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 8th May 1975

Ref. No. ARII/1063/2742/74-75.---Whereas, I, M. J. Mathan

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 2, S. No. 40, Hissa No. 3 situated at Vil. Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Bombay on 4-9-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building structures etc. bearing Plot No. 2 of sub-division of property known as Silver Beach Estate bearing Survey No. 74A (part) Survey No. 40 Hissa No. 3 Survey No. 38 Hissa No. 1 (Part) Survey No. 5 Hissa No. 4A (Part) and Hissa No. 4C (Part) admeasuring 2025 square yards equivalent to 1692,90 square metres registration District and sub-district Bombay city and Bombay subarban, Revenue village Juhu.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

(1) Shri Victor Gabriel C reado & others

(Transferor)

Date: 8-5-75

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 13th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-374(183)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathurja.

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 639, situated at Street No. 7 of Panchnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:——

(1)Shri Vijay Gokaldas Somaiya & others, Somiya Building No. 1, 177, Samuel Street, Bombay-9.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Pitambardas Ondhia, Jinjuda Gate, Savarkundla, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building standing on land admeasuring 187-4-72 sq. yds. bearing Survey No. 639, street No. 7 of Panchnath Plot, Rajkot and bounded as under:—

East: Main Street No. 7 of Panchnath Plot

West: Others' property.

North: Others' property of Survey No. 639,

South: Others' property.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-5-75

 Shri Dineshchandra Pranjiwanbhai Desai, 33, Karanpara, Rajkot.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 13th May 1975

Ref. No. Acq 23-I-380(184)/16-6/74-75.—Whereas, I. J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Sheri No. 33, Karanpara, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 16-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Parshottam Ramchandbhai Bhatia, Ganga Vihar, Sardarnagar, Rajkot,

. (Transferor) Date: 13-5-75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building known as 'Nirmal', standing on land a measuring 168-5-81 sq. yds. situated at Sheri No. 33, Karanpara, Rajkot and bounded as under:—

East: Property of Shri Bhimji Kaishevji, West: Property of Narbadabai Vithaldas, North: Property of Vijayshanker Juthabhai,

South · 33 Karanpara Main Road

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 13th May 1975

Ref No. Acq.23-I-381(185)/16-6/74-75.—Whereas, I. J. Kathurla,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 26/42. Prahlad Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 24-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Babulal Vanmalidashhal, Nayanaka Road, Rajkot,

(Transferor)

- (2) 1. Shri Gunvantrai Jechandbhai,
 - Shri Shashikant Jechandbhai, Soni Bazar, Savjibhai Street, Rajkot.

(Transferce)

- (3) 1. Shri Foolchand Vallabhdas,
 - Shri Kishorebhai Soni, 26/42, Prahlad Plot, Rajkot.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building standing on land admeasuring 141-5-108 sq. yds. situated at 26/42, Prahlad Plot, Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 13-5-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th March 1975

No. CHD/178/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Commercial Plot No. 63, Sector 30-D situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facthtating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Atul Narain Channa, s/o
 Lt. Col. K. N. Channa,
 No. 8-Sangli Hostel Lytton Road, New Delhi-1.

(2) Dr. R. K. Choudhary, s/o Shri Takan Dass, Booth No. 29, Sector 20-D, Chandigarh.

(Transferde)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Plot No. 63, Sector 30-D, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date 18-3-1975.

Scal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 8th April 1975

No. NUH/9/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, 1/2 share of 269 kanals 5 marlas, situated at Village Goyala, Tehsil Nuh, Distt. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer at

Nuh in September, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the sud Act to the following persons,

(1) Smt. Jawala Devi Wd/o Sh. Mahipal Singh Urf Haripal Singh, s/o Sh. Surat Singh, R/o Bohda Kalan Tehsil and District Gurgaou through Shri Jagbir Singh s/o Simbo Singh, R/o Bohda Kalan, Tehsil & District Gurgaon.

(Transferor)

(Transferee)

Sarvshri

- (2) 1. Shri Ghaman, 2. Shri Sukhdev Ss/o Shri Udhi, s/o Shri Fata,
 3. Shri Man Singh, 4. Shri Rattan Lal, sons of Shri Bakhtawar, s/o Shri Phusa Ram, R/o Mokalwas, Tehsil & District Gurgaon.
 5. Shri Hukam Chand, S/o Shri Prabhu Dayal. o/o Shri Mangal Resident of Kukrola Pachgaon, Teh. and Distt. Gurgaon. 6. Shri Dalip Singh, 7. Shri Rohtas Singh, 8. Shri Rameshwar, 9. Shri Suraj Bhan, 10. Shri Ram Phal, Ss/o Shri Kundan, D/- Safarana Tahsil Guranon R/o Safarpur, Tehsil Gurgaon.
- (3) Shri Kunwai Singh, R/o Village Goyala, Tehsil Nuh, District Gurgoan. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, situated in village Goyala, Tehsil Nub, District Gurgaon. 1/2 share out of land measuring 269 kanals 5 marlas. Khewat No. 86 Min. Khata No. 100 Min and 103, 102. Khasra Nos. 42 15 42 42 12 14 2 7 - 108--0 4-8 8-0 26 13 7 5---11 Gor Chahi 8---0 3 - 12-0 7 6 9 **4**9 43 12 2 3 2 8 2 3 2 8--0 8--0 9-0 1 7---11 6/2 4- 0 2 2--14 7 - 111 - 170 -0 Bhud Bhud Magda Bhud Chahi Magda Bhud Bhud 43 43 10 23 15 41 43 16 41 5 2-14 6 6 1 5--6 8-12 21 22 4-2 8--0 8 - 08---0 Magda Magda Magda Magda 3 - 16Magda Magda Magda Magda Magda Magda 42 19 12 13 23 44 10 44 24 25 18 3-8 3--14 7 - 811 8---0 8-- 0 8--0 1 8 -0 -0 8 - 08-0 Magda and 44 20 21 19 6~-2 Total area 269 kanals 5 marlas. 5-4 -12

(Property as mentioned in the registered deed No. 1328 of September, 1974 of Registering Officer, Nuh.)

G. P. SINGH COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMR-OF INCOME -TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Date; 8-4-1975 Scal: 25--106GI/75

NOTICE UNDER SECTION OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIĞARH

Chandigarh, the 8th April 1975

No. NUH/9/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act), have leason to believe that the ininiovation property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, 1/2 share of 269 kanals 5 marlas, situated at Village Goyala, Tehsil Nuh, Distt. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at

Nuh in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jawala Devi Wd/o Sh. Mahipal Singh Urf Haripal Singh, s/o Sh. Surat Singh, R/o Bohda Kalan, Tehsil and District Gurgaon through Shri Jagbir Singh s/o Simbo Singh, R/o Bohda Kalan, Tehsil & District Gurgoau. (Transferor)

(2) 1. Shri Ghaman, 2. Shri Sukhdev Ss/o Shri Udhi, s/o Shri Fata, 3. Shri Man Singh, 4. Shri Rattan Lal, sons of Shri Bakhtawar, s/o Shri Phusa Ram, R/o Mokalwas, Tehsil & District Gurgoan.
5. Shri Hukam Chand s/o Shri Prabhu Dayal s/o Shri Mangal Resident of Kukrola Pachgaon, Teh. and District, 6 Shri Dalip Singh, 7. Shri Rohtas Singh, 8. Shri Rameshwar, 9. Shri Suraj Bhan, 10. Shri Ram Phal, Ss/o Shri Kundan, R/o Safarpur, Tehsil Gurgaon.

(Transferee)

(3) Shri Mukand Singh and Others, R/o Village Goyala, Tehsil Nuh, District Gurgoan. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THIS SCHEDULE

Land, situated in Village Goyala, Tehsil Nuh, District Gurgaon. 1/2 share out of land mesauring 269 kanals 5 marlas. Khewat

No. 86 Min.	Khata No.	100 Min a	nd 103, 102 sra Nos.	42	42	8	9	12	42	14	15
		•				8-0	2	7—10		8-0	48
				26	7		5—11		13		
Garchahi	6	7	6	3—12 9	80 12	 44	22	3	8 <u>—</u> 0 49	43	4
		2	8	2	8-0	1	711	9-0	2	3	8-0
	6/2 3—0	4-0	2 4-0	2—14	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	711			117	- 0	
	Bhud	Bhud 43	Bhud 43	Bhud 7	Bhud 15	16	41	41	Chahi 23	2—9 Magda 42	Magda 10
		5	6	5—6	812	42	21	22 8 ·0	3-4	6 8 · 0	2—14
		80 Magda 42	80 Magda 19	Magda 23	Magda 24	Magda 25	2 3—16 Magda 44	Magda 10	Magda 44	Magda 12	Magda 13
	_	18 8—0	3—14	78	80	8-0	1 8–0	8—0	11 8—0	8—0	3—8
and		Magda 44	Magda 20	Magda 21	Magda 22	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda	Magda
	_	19 8_12	8-0	5-4	6-2	Total area 269 kanals 5 marias.					

(Property as mentioned in the registered deed No. 1329 of September, 1974 of Registéring Officer, Nuh.)

G.P. SINGH COMPETENT AUTHORITY,

Date: 8-4-1975 Seal:

INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. SNG/5/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land with building, situated at Village Badhrukhan, Tehsil & Distt. Sangrur,

(and more fully described in he Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sangrur in October, 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

(1) Major Tikka Khushwant Singh, s/o Shri E.A.R. Fatch Singh, Resident of Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Swaraj Spinning Mills Ltd. Patiala through Shri Suraj Bhan Regd, Office, Director c/o M/s Singla Niwas Shahi Samadhan, Patiala,

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (h) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as · are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated in Village Badh-rukhan, Tchsil and District Sangrur,

Khatauni No. 2/2,

Khasra No. 99/27-69-16.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1653 of October, 1974 of the Registering Officer, Sangrur,)

> G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 7-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-SITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigath, the 7th April 1975

Ref. 'No. SNG/6/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land with building, situated at Village Badhrukhan, Tehsil & Distt. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in October, 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Major Tikka Khushwant Singh, s/o Shri E.A.R. Fatch Singh, Resident of Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Swaraj Spinning Mills Ltd. Regd. Office, Patiala through Shri Suraj Bhan, Director, c/o M/s Singla Niwas Shahi Samadhan, Patiala.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seld act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated in Village Badh-rukhan. Tchsil and District Sangrur.

Khatauni No. 2/2,

Khasra No. 99/27-69/16.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1663 of October, 1974 of the Registering Officer, Sangrur.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 7-4-1975

FORM TINS-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigurh, the 7th April 1975

Ref. No. SNG/7/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land with building, situated at Village Badh-10khan, Teh. & Distt. Sangrur,

more fully described Schedule in (and the annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sangrur, in November, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely :-

(1) Major Tikka Khushwant Singh, 8/0 Shri E.A.K. Fatch Singh, Resident of Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Swaraj Spinning Mills Ltd.; Patiala through Shri Suraj Bhan, Ltd.; Regd. Office, Director c/o M/s Singla Niwas Shahi Samadhan, Patiala.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated in Village Badh-rukhan, Tehsil and District Sangrur.

Khatauni No. 2/2.

Khasra No. 99/27-69/16.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1719 of November, 1974 of the Registering Officer, Sangrur).

> G. P. SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 7-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-156. SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. CHD/207/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 665, Sector 11-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Col. Trilok Singh, s/o Shri Puran Singh, Resident of 159, Dhaula Kuan Officers Flats, Delhi Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Karampal Singh Sandhu, s/o Shri Udfam Singh, Resident of House No. 177, Sector 11-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, measuring 499.8 sq. yds, and a annexe built thereon, bearing No. 665, Sector 11-B, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 847 of October, 1974 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Chandigath.

Date: 7-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/421/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana,

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhlana in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Surjit Singh and Malvinder Singh sons, Hari Singh, Residents of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Model Line Colonisers Private Ltd.; Registered Office Deepak Cinema Chowk Ludhiana, through Shri Inderjit Singh Managing Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 1 bigha, 3 biswa and 9 biswansi, situated at Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. 1484/140 152 0-11-4 3-5-12

Khewat No 432.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5947 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 7-4-1975

(1) Shri Surjit Singh and Malvinder Singh, sons of Hari Singh, Residents of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Model Lines Colonisers Private Ltd.; Registered Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana, through Shri Inderjit Singh Managing Director.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Chandigarh, the 7th April 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. LDH/C/422/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

Chapter.

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhlana, (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in October, 1974,

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

Land, measuring 1 bigha 3 biswa and 33/4 biswansi, situated atTaraf Jodhewal, Teksil Ludhiana.

Khasra Nos. 835/159 156 157

O-4-8 0-11-0 0-10-16,
834/159 165 166

0-2-8 0-16-10 1-4-14

Khewat No. 432.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5949 of October, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 259D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/423/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ludhiana in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Kartar Kaur, Wd/o Shri Hari Singh, Resident of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Model Line Colonisers Private Ltd: Registered Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana through Shri Inderjit Singh, Managing Director. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 1 Bigha 11 biswa and 11-7/8 biswansi, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

835/159 156 157 Khasra Nos. 0-11-0 0 - 10 - 16

Khewat No. 432.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6036 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

> G. P. SINGH, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 7-4-75. Scal:

26--106GI/75

(1) Shrimati Kartar Kaur, Wd/o Shri Hari Singh, Resident of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana. (Transferor)

[PART III--SEC.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Model Line Colonisers Private Ltd; Registered Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana through Shri Inderjit Singh, Managing Director.

(Transferoe)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigath, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/424/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquiaition Range, Chandigath,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring () Bigha 11 biswa and 144 biswansi, situated at Village Taraf Jodhewal Tehsil Ludhiana.

Khasra Nos. $\frac{1484/140}{0-11-4}$, $\frac{152}{3-5-12}$

Khowat No. 432,

(Property as mentioned in the Registered Doed No. 6037 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 7-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. LDH/C/425/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ludhiana in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrī Rajinder Singh, s/o Shri Hari Singh, Resident of Village Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

 (Transferor)
- (2) M/s Model Lines Colonisers Private Ltd; Registered Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana through Shri Inderjit Singh, Managing Director.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 0 Bigha, 11Biswa and 11-7/8 Biswansi, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludhiana,

Khasra No.
$$\frac{834/159}{-0.2-8}, \frac{165}{0-16-10}, \frac{166}{1.4-14}$$

Khewat No. 432,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6128 of October, 1974 of the Registering Officer Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 7-4-75,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigath, the 7th April 1975

Rcf. No. LDH/C/426/74-75.—Whereas, I.G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Village Taraf Jodhewal, Tehsil Ludbiana,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Ludhiana in October, 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the
 said Act in respect of any income arising from the
 transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Rajinder Singh, s/o Shri Hari Singh, Resident of Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

 (Transferor)
- (2) M/s Model Line Colonisers Private Ltd; Registered Office Deepak Cinema Chowk, Ludhiana through Shri Inderjit Singh, Managing Director.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 0 Bigha, 11 Biswa and 144 Biswansi situated at Village Taraf, Jodhewal, Tehsil Ludhiana.

Khewat No. 432.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6129 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 7th April 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 7th April 1975

Ref. No. CHD/192/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Transport Building No. 22, Transport Area, situated at Chandigath,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ot—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gurdial Singh Gangawala, s/o Shri Karam Singh Gangawala, House No. 1025, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

Sarvshri

- (2) (1) Major Gen. Joginder Singh, s/o Randhir Singh,
- (ii) Mrs. Jaswant Kaur, w/o Maj. Gen. Jogiader Singh,
- (iii) Miss Jasbir Kaur, d/o Maj. Gen. Joginder Singh,
- (iv) Smt. Sanjiv Kaur Malhans, w/o Birinder Singh Malhans.
- (v) Birinder Singh Malhans, Father and Natural Guardian of Miss Panita Malhans and Miss Amrit Malhans, Residents of House No. 138, Sector 9-B, Chandigarh. (Transferee)
- (3) (i) Associated Traders & Engineers Pvt. Ltd. Head Office, 20/1, Asaf Ali Road, New Delhi.
- (ii) Moga Ferozepur Transport Co. No. 9, Transport Area, Chandigarh.
- (iii) Arora Transport Company, Chandigarh,
 c/o Transport Building No. 22, Transport Area,
 Chandigarh,
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Transport Building No. 22, Transport Area, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 7-4-1975.

(1) Shri Raj Kumar Preetam Sher Jung & others.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Gopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th April 1975

Ref. No. 43R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 158, 159, with building etc. situated at Vill. Zulfiquar-pur, Teh. Najibabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Najijabad on 20-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A agricultural land with building etc. No. 158 and 159, measuring 5260 Sqr. Fts. situated at Village Zulfiquar-pur Teh Najibabad Distt, Bijnore.

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow.

Date 26-4-1975.

FORM ITNS

(2) Shri Jagan Nath Prasad & others

(Transferse)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th April 1975

Ref. No.20-J/Acquisition—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. B-21/130 situated at

Moh. Kammachha, Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Varanasi on 6-9-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, gamely:—

(1) Shri Mahant Ramanand Dass

Date: 25-4-1975.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house alongwith land No. B-21/130 measuring 30'X23' Sqr.—situated at Mohalla Kammachha Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, missioner of Income-tax,

Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

(2) Shri Lalloo Ram Yadav.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th April 1975

Ref No. 15-L/Acquisition.—Whereas, I Bishambhar Nathbeing the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. K-53/88 situated at Madhyameshwar, Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi 9-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

(1) Shrì Purna-nand Kumar & others.

Dato: 25-4-1975.

Seal:

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. K-53/88 measuring 1625 Sqr. fts. situated at Madhyameshwar, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

(Transferce)

FORM ITNS

(2) Shri I utawan & others

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th April 1975

No. 16-L/Acq.—Whereas, 1. Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Village Chand-pur Distt. Ghazipur (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghuzipur on 3-91974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any intome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sita Ram Rai

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 9 Bigha 2 Biswansis situated at Chandpur Pagana Pachotar Distt, Ghazipur,

> BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow.

Date: 25-4-1975,

Seal:

27--106GI|75

(1) Shri Shyam Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Brij Rana

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th April 1975

No. 37-B/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 565/50 situated at Puran Nagar Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Lucknow on 16-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

In the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 565/50 measuring 95'X22' Sqr. fts. situated at Puran Nagar ,Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 25-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1975

Ref N IAC/Acq/11/827/75-76.—Whereas, I,

V. Gupte,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 9 situated at Gododia Market Khari Daoli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 25-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) M/b L N Gododia & Sons Pvt Ltd 1112, Kucha Natwan Chandam Chowk, Delhi through one of its Director Sh. Tej Pal Gadodia S/o Shri Ram Gopal Gadodia, r/o Banglow No 8 Alipui Road, Civil Lines, Delh
- (Transferor) (2) Shri Nathu Mal s/o Shri Umrao Singh, r/o 58-F. Kamla Nagar, Delhi 2 Shri Shyam Sunder 3 Shri Tara Chand, 4 Shri Behari Lal Ss/o Shri Murli Dhar r/o 24/14, Shaktı Nagar, Delhi-7

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop on the Ground floor of Gadodia Market bearing No. 9 having total covered area 775 sq. ft (including that of varandah & phar) in Khari Baoh, Delhi and bounded as under

Common Wall between property in question and East property bearing No. 8

West Common wall between the property in question and common passage leading to staircase and the common staircase of Gadodia Market, Delhi

Open Municipal Jhote behing Gadodia Market. North

South 16 ft wide private comon road inside Gadodia Market

> C V GUPTE. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date 28-4-1975

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1975

Ref. No. [AC|Acq-II|828|75-76.—Whereas I, V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Shop No. 14 situated at Gadodia Market Khari Baoli, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:-

(1) M/s. I., N. Gadodia & Sons Pvt. Ltd. 1112, Kucha Natwan Chandani Chowk, Delhi

through one of its Director Shri Ram Gopal Gadodia, S/o Seth Laxini Narain Gadodia, r/o Banglow No. 8 Alipur Road, Civil Lines,

(Transferor)

(2) Shri Hukam Chand S/o Shri Sant Lal Shri Subhash Chandra S/o Sh. Hukam Chand, r/o 1547, Gali Kucha Bagh, Shyama Prasad Mukherjee Marg, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop on the ground floor of Gadodia Market bearing No. 14 having total covered area 768 sq. ft, (including that of varandah and phar) in Khari Baoli, Delhi and bounded as under :-

Fast: Common wall between the property in question & common staircase of Gadodia Market,

West: Common wall between property in question & the property No. 15

North: Entire wall from bottom to top of property in ques-

tion and thereafter open Municipal Jhote.
South: 16 ft. wide private common road inside Gadodia Market.

> C. V. GUPTE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 28-4-1975

FORM ITNS -

(1) Shii Brijendra Narain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shiv Gulabi Devi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

ANT

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 64-S/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhai Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. B-3-4-B situated at Hospital Road, Jagdishpur Ballia

No. B-3-4-B situated at Hospital Road, Jagdishpur Ballia (and more fully described in the

schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 30-9-1974.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. B-3-4-B alongwith 1/4 portion of agricultural land, situated at Hospital Road Jagdishpur Shahr Ballia.

BIŞHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 22-4-1975.

(1)Shri Bhirgu Narain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shiv Gulabi Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 64-S/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafted referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-3-4-B situated at Hospital Road, Jagdishpur Ballía, (and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 30-9-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. B-3-4 B alongwith 1/4 portion of agricultural land situated at Hospital Road, Jagdishpur Shahr Ballia.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date 22-4-1975

FORM ITNS ---

(1) Bisheshwar Narain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shiv Gulabi Dev and other,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION
RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 22nd April 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 64-S/Acquisition,—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. B-3-4-B situated at Hospital Road, Jagdishpur Ballia, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ballia on 30-9-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

A house No. B-3-4-B alongwith 1/4 portion of agricultural land situated at Hospital Road, Jagdishpur Shahr Ballia.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 22-4-1975 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISTION RANGE-I, CENTRAL REVENUE BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1975

Ref. No. 1AC.Acq.1/SRIII/Dcc.1/534(18)/74-75.—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. R-62 situated at Greater Kailash, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-12-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—.

(1) Shri Gulab Singh Jain S/o Sh Ruli Ram, D/1A, Green Park. New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Master Kamal Dhingra & Master Rajesh Dhingra, minor Ss/o Shri I. C. Dhingra through their mother and natural gaurdian Smt. Krishana Kumari Dhingra w/o Sh. J. C. Dhingra, Katra Sher Singh, Hill Bazar, Amritsar (Punjab).
- () Shri Gopi Chand (G.F.)
 R-62, Greater Kailash-I, New Delhi,
 (Person(s) in occupation of the property)
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 300 Sq. yds. and bearing No. 62 Block 'R', together with a 2½ storeyed building constructed thereon situated in the residential Colony known as Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as under:—

North: Service Lane East: House No. R-62

South: Road

West: House No. R-64.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi,

Date: 23-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA.

Patna, the 12th May 1975

Ref. No. III-97/Acq/75-76.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W. No. II. H. No. 684-A as per deed No. 14951/74 dated 18-9-74 situated at Upper Bazar, Ranchi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 18-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

28—106GI/75

 Smt. Leela Devi Tainwalla w/o Sri Durgamal, Tainwalla, c/o M/s Calcutta, Hardware Stores, Upper Bazar, Ranchi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi Poddar w/o Sri Kedarnath Poddar, East Market Road, Upper Bazar, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House near Ranchi Goshala, Upper Bazar, Ranchi, W. No. II, H. No. 684-A as described in deed No. 14951/74, dated 18-9-1974.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date: 12-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA, BIHAR

Patna, the 12th May 1975

Ref. No. III-98/Acq/75-76.—Whereas, I, J. Nath, being the competent authority under section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rot No. 588 Cr. No. B as per deed No. 15076, dated 28-9-75 situated at Kadamkaun, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-9-74

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:---

(1) 1. Shri Tarkeshwar Ram S/o Sri Bhagwat Ram, Shi Chandra Shekhar Agarwal
 Sri Brajesh Kumar Agrawal
 both Ss/o Sri Tarkeshwar Ram at Raja Ram Lane, Rambagh, Patna-8.

(Transferor)

(2) Shri Keshav Prasad Gupta Urf Babu Lal Gupta, S/o Sri Dwarika Prasad, at PO Kadamkuan, Patna-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storeyed house at Kadamkuan, Patna Cr. No. 13, Sheet No. 54, Rot. No. 588 as described in deed No. 15076, dated 28-9-74.

> J. NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date 12-5-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1975

Ref. RAC No. 17/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,006/and bearing

No. 12-2-718 situated at Malkapur, Hyderabad,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 23-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rahatunnisa Begum, W/o Mohd, Rehasat Ali, H. No. 20-5-285/1 at Kazipura, Hyderabad-2.

(Transferor)

(2) M/s Hindustan Builders, at Abid Road, Hyderabad-1.

Property: All that house bearing Municipal Old No. 345
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All that house bearing Municipal Old No. 345 "Halqa Bai" New No. 12-2-718 at Malkapur, Bairban, Hyderabad, Area 10,555 Sq. Yards, equivalent to 8825,25 Sq. Meters.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 9th May 1975

Ref No RAC No 18/75 76—Whereas, I, K S Venkataraman, being the competent authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Rs 25,000/- and bearing Portion No F2/661 situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the)

Registertation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 6-9-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri P V Narsimhaiao, S/o Ramiah R/o Dokiparru Village, Krishna Dist
 Smt R Buchammal W/o Sri Ramulu Naldu, R/o Orkadu, village, Madras-67.

(Transferor)

(2) M/s Shah Farm and Construction Equipment Company, H No 5-3-335, at Rastrapati Road, Secunderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property All that plot of land covering an area 1200 Sq Yds more fully described delineated in the plan annexed situated in S No 35 of Somanguda, Hyderabad being part of M No +2/661 bounded as follows.

North Cement Concrete ashphalt 10ad.

South M/s Shah Sons Pvt Ltd

West Petrol Pump

East M/s Shah Sons Pvt Ltd

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 9-5-1975

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1975

Ref No RAC No 19/75-76 —Whereas, I, K. S Venkataraman,

being the competent authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No 16/52, 51, 50, 46, 47 situated at Trunk Road, Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nellore on 11-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, L hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

- (1) i Sri Gattupalli Subramanyam,
 - 2 Sii G Audi Sheshayan,
 - 3 Sri G Srinivasa Murli Krishna,
 - 4 Sr₁ Jayachandra
 - 5 Smt Yenkatadrth Lakshamma,
 W/o A Shshiah,
 All ale R/o Tlunk Road, Nellore

(Transferor)

- (2) 1 Sii K Venkata Subbaiah, S/o Narayan Chetty,
 - 2 Sri V. Venkaiah, both are P/r
 - in M/8 Sil Palace Trunk Road, Nellore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Door No 16/52, 51, 50, 46, 47, situated at Trunk Road, Nellore.

K. S VENKATARAMAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 9-5-1975.

Seai

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Sri Zal M. Jhangir, 2. Mrs. Mehru K. Italia, 3. Miss Roshan M. Jehangir, 4. Mis. Siin M. Jehangir, All are residing at H. No. 10-5-15. at Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ram Reddy S/o Satyanarayana Reddy, H. No. 18-4-485, Aliabad, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1975

RAC No. 21/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, Hyderabad on 23-9-1974

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-122 Rear portion situated at Himayatnagar, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hyderabad on 17-9-75

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursurance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Rear Portion of house No. 3-6-122 at Himayatnagar, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, . Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1975.

FORM I.T.N.S.-

(1) Raj Sahkari Griha Nirman Sammiti Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kailash Narain Misra,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th May 1975

Rcf. No. 31-K/Acquisition.—Whereas, 1 Bishambhar Nath

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3 situated at 3/40 Khyban Wazir Hasan Road Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 28-9-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A plot No. 3 Measuring land 8604 Sqr. fts. along with building situated at 3/40 Khyban Wazir Hasan Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-5-1975.

(1) M/s, Raj Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Santosh Kumar Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th May 1975

Ref. No. 65-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR Nath

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 7 of Khyban situated at 40/3 Khyban Wazir Hasan Road Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 13-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 7 measuring 6140 Sqr. fts. alongwith a Building situated at 40/3 Khyban wazir Hasan Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-5-1975.

(2) Sri Naresh Kumar and Sri Lokender Kumar, both are residing at 9-3-164 at Regimental Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1975

Ref. No. RAC, No. 16/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2 5,000/- and bearing

No. 10-2-180 situated at Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Secunderabad on 4-9-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian 1922 (11 of 1922) Income-tax Act, or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Pankumari Bai, 1200, Macleodguda, Secunderabad,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined Chapter the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All that double storeyed building bearing No. 10-2-180 (Old No. 17) admeasuring 7182 Sq. Feet, situated at Marredpally, Secunderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-5-1975,

Seal:

29-106GI/75

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 8th May 1975

No. 76/75-76/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R_s. 25,000/-and bearing

C.T.S. No. 142/L.B. situated at Ward No. IX, Line Bazar, Dharwar

Ghaziabad, Meerut,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering officer at Dharwar Under Document No. 1236 on 17-9-1974 for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Sunder Laxman Baise, M.R.C.P. (Lond.), Flat No. 201, 'B' Block, Simla House, 51 B, Napcan Sea Road, Bombay-400006.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Dr. M. A. Sirur, 173, Mira Society, Salisbury Park, Poona-411001.

(Transferee)

- (3) (1) Shri Yellappa H, Kalal, Caltex Petrol Pump, Dharwar.
 - (2) The Regional Transport Officer, Dharwar.
 - (3) Messrs Jyoti Oil Distributors, Dharwar,
 - (4) Indian Oil Corporation Limited, Plot No. 50 'USHA', Hinwadi. Belgaum-590006.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 142/L.B. in Ward IX, Line Bazar, Dharwar City, with an area of 1 Acre, 35 Gunthas and 99 Square Yards with two mean buildings and other appurtenances situate within the limits of Hubli-Dharwar Municipal Corporation.

R. PARTHASARATHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 8-5-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 30th April 1975

No. 75/75-76/ASQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 125 situated at Chidri Village, Taluka and District Bidar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Bidar Under Document No. 2176 on 11-11-1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Saraswatibai W/o Shri Bhanwarilal, Panbazar, behind United Commercial Bank, Secunderabad (A.P.).

(2) (1) Smt. Kousalvabai W/o Mohanlal.

- (2) Shri Badriprasad S/o Mohanlal Agrawal,
- (3) Smt. Kantabai W/o Mahendraprasad.
- (4) Kumar Shamsunder S/o Mohanlal, minor by guardian and father Shri Mohanlal, S/o Bhurmalii.
- (5) Kumar Mukeshbabu s/o Narasingadas, minor by guardian and Shakuntalabai W/o Narasingadas.
 All resident of House No. 5-3-39 Ghoshama
 Tudanabad A.P. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetted.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 acres towards South-East side in Survey Number 125 situate in village Chidri, Taluka and District Bidar, along with all the building, super structures, pakka and temporary, consisting of factory sheds, office room (without roof) and the godowns roofed with asbestos sheets, formerly known as the premises of Karnataka Khandasari Sugar Factory and now known as Sounthalya Khandasari Sugar Factory.

R. PARTHASARATHY

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Dharwar

Dated: 30-4-1975.

Seal:

(Transferor)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. C.R. No. 62/2995/74-75 Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore-560027,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a residential house situated at (Kamakshi No. 140), V. P. Layout, S. No. 9, of Hebbal, Site No. 17, Hebbal Kasba, Bangalore North Taluk,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisering officer

(16 of 1908) in the office of the Regisering officer Bangalore North, Bangalore, Document No. 3575/74-75, on

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

. Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri H. M. Thimmaiah,
 Smt. Gangamma,
 Hebbal Kasba, Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) Shri M. Krishnappa, S/o Marappa (Employee in B.E.L.) Hebbal Kasba, Bangalore North Taluk.

(Transferee)

- (3) Shri (1) Ramdoss
 - (2) Munivenkatappa
 - (3) Joseph
 - (4) Sub, Singh
 - (5) Madaiah
 - (6) Lokondi (7) Ponde. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a residential building, situated at Kamakshi bearing No. 140, Hebbal, V. P. Layout, S. No. 9, Site No. 17, Hebbal Kasba, Bangalore, North Taluk.

Site area measuring : 40 ft \times 60 ft.=2400 sq. ft.

Boundaries ;-

E: Site No. 18 of Sri, Abdul Samad.

W: Site No. 16 of Smt. Sidda Gangamma.

N: 25 feet Road in the Layout.

S: Conservanct Road.

(Document No. 3575/74-75 Dated: 21-9-1974),

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-5-1975.

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 6th May 1975

CR.62|3098|74-75|Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna Moorthi, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax: Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 42, situated at Kotagurth Village, Pavagada Taluk, Tumkur District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pavagada, Tumkur District Document No. 1350/74-75, on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trul ystated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transferor; and/or

transfer with the object of ;---

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, ramely:—

(1) Shii K. Subbaraya Sastry,
 (2) K. S. Nagabhushana Sarma, (3) K. S. Satyanarayana, Pavagada, Tumkur District.

(Transferor)

Shri Hanumappa,
 S/o, Hanumappa, Singarahally,
 Pavagada Taluk—Y. N. Hoskote Hobli, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 42, measuring 20.37 acres (Out of 41.35 acres) situated in Kotagurth Village, Pavagada Taluk, Tumkur District and bounded as under:—

East: Singara Halli.

West: Land bearing Survey No. 43.

North: Land bearing Survey No. 41/1 & 41/2.

South: Survey No. 48 and Komala,

R. KRISHNA MOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date . 6-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. CR.62/3099/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna-Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 42, situated at Kotagurth Village, Pavagada Taluk, Tumkur District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pavagada, Tumkur District Document No. 1351/74-75, on 6-9-1974, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. (1) K. Subbaraya Sastry (2) K. S. Nagabhushana Sharma, (3) K. S. Satyanarayana, Pavagada Y. N. Hoskote, Tumkur District, (Transictor)

 Shri S. T. Hanuma Reddy, S/o, Thimmappa, Singara Village, Pavagada Taluk, Tumkur District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or n period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 42, measuring 20.38 acres (out of 41.35 acres) situated in Kotagarth, to Village Pavagada Taluk, Tumkur District and bounded as under:—

East: Singara Halli West: Survey No. 43

North: Survey No. 41/1 & 2 South: Survey No. 48 and Komala Document No. 1351/74.75/dated 6-9-1974

R. KRISHNA MOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6--5-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. C.R. 62/3100/74-75/Acq(B)..-Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Agricultural Land bearing Survey No. 52 situated at Pavagada, Tumkur District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pavagada, Tumkur District Document No. 1352/74-75 on 7-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :---

(1) 1. Shri P. G. Ramaiah,

2. P. G. Badrinarayana, Sons of Sri Gunthaiah Sastry, Pavagada, Tumkur District.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Sathyanarayana, S/o Subbaraya Sastry. Pavagada, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any to the accuisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 52, measuring 19 acres 4 guntas (Out of 34 acres 2 guntas) situated in Pavagada, Tumkur District and bounded as under :-

E: Land bearing S. No. 54 W: Land bearing No. 48

N: Property of K. S. Nagabhushan

S: Land bearing S. No. 53

(Document No. 1352/74-75 dated 7-9-1974)

R. KRISHNAMOORTHY Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date · 6-5-1975

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. C.R. 62/3100/74-75/Acq(B)..—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore_560027, being the

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 52 Agricultural Land situated at Pavagada, Tumkur District

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pavagada, Tumkur District Document No. 1353/74-75 on 7-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri P. G. Ramaiah,
 - P. G. Badrinarayana, Sons of Sri Gunthaiah Sastry, Pavagada, Tumkur District.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Nagabhusana Sarma S/o Subbaraya Sastry, Pavagada, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 52, measuring 14 acres 38 guntas (Out of 34 acres 2 guntas) situated at Pavagada (Tumkur District and bounded as under:—

E: Land bearing S. No. 54 W: Land bearing No. 48 N: Land bearing S. No. 51

S: Property of K. S. Satyanarayana. (Document No. 1353/74-75 dated 7-9-1974)

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 6th May 1975

No. C.R. 62/3100/74-75/Acq(B). - Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Premises bearing No. (Old No. 20/4), New Nos. 48/1 and 48/2 ground floor and 1st floor of the building bearing Nos. 48, 48/1, 48/2 and 48/3 situated at J. C. Road, Bangalore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, Bangalore-4, Document No 2852/74-75 on 26-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weal'h Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

30-106GI/75

(1) Shri G. S. Acharya, S/o Dr. B. G. S. Acharya. represented by his general power of Attorney holder, Snt. B.S. Susheela Devi, W/o Dr. B. G. S. Acharya, No. 173, 1st Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shrimati M. N. Janaki, W/o Sri Narasimhalah, Hotel Owner, Santhapet, Chitradurga,

(Transfere)

(3) 1. M/s. Rollis Pharma Division.

Sylvania and Laxman
 Rollis Wolf Division

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Premises bearing old No. 20/4, new Nos. 48/1 and 48/2, being the ground floor and first floor Portion of the whole building bearing Nos. 48, 48/1, 48/2 and 48/3, situated at J. C Road, Bangalore City.

BOUNDARIES

E: by P.C. Road

W, by Corporation Lane -

N: by Old site No. 4 (New No. 20/3)

5 : by Premises No. 48 and 48/3

(Site area about 216 sq. Yards),

Document No. 2852/74-75 date 26-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date · 6-5-1975

(2) Shri A. N. Saimuladeen, Mualiar, Shafi Manzil, Kanninelcherry, Kilikolloor, Quilon.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
'JYOTHI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. LC No. 38/75-76.—Whereas, 1 K. Rajagopalan being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. Nos. 892, 898 situated at Kottanka, a Village in Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eravipuram on 13-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) I. Smt. Janamma Ranan Govinda Bhavan, Quilon,
 - 2. Sri Haridas, Govinda Bhavan, Quilon.
 - 3. Shi Natarajan, Govinda Bhavan, Quilon, For M/s. M. P. Govindan & Sons (P) Ltd., Quilon, (Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

1 acre 35 cents of land with buildings in Sy. Nos. 982 and 898 in Kottankara Village in Punnukornoorcherry in Quilon Taluk.

K. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Frnakulam, Cochin

Date : 5-5-1975

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K B.G. Rao Estate (HUF) Rept by Manager and Kartha Sri K. B. Govinda Rao S/o Sri K B Devadasa Rao, Katcheri Amsom, Calicut.

(Fransierec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11,

Cochin-11, the 6th May 1975

Ref. LC No 40/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Nagaram Amson Desom in Calicut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chalap Puram on 5-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shir Viishindas Pocker Das, S/o Sri Pocker Das, Banker, Nagaram, Calicut Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4/5th right over 1st and 2nd floors and open terace on the 2nd floor of the building No. 11/1796 of the Corporation of Calicut, situated in Sy. No. 39/6A (R.S. 11-2-75/2) on Naguram Amsom Desom in Calicut,

K. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax,
Acquisition Range,
Ernakulam, Calicut-11

Date · 5-5-1975 Seal .

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 5th May 1975

No. C.R. 62/3017/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore—560 027, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. The property being a residential house bearing No. 10/6, situated at VI Cross, Victoria Layout, Bangalore-560 007, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2222/74-75, on 28-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

the parties has not been truly

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereefor the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati B. Sharadamma, No. 85, Victoria Layout, Bangalore-560 007.

(Transferor)

(2) Shii V. Rudialah, No. 10/6, Victoria Layout, Bangalore-560 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a residential house bearing No. 10/6, VI Cross, Victoria Layout, Bangalore-560 007—
Site area measuring—

E—W: 50 ft.
$$\}$$
 —1,850 sg. "

Document No. 2222/74-75 dated 28-9-1974,

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangaolre.

Date: 5-5-1975

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madias-6, the 5th May 1975

Ref. No. 1380/74-75 - Whereas, I, L. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, situated at Thirumurthy Street, T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Madras) (Document No. 1384/74), on 21-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income a sing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri P. V. Satyanarayana Rao,
 - 2. Shri S. Sundarajan, 3. Shri S. Sreedharan, 4. Shri
 - S. Ragothaman and 5 Shri S. Ravendranathan

(Minor) through his father and guardian Shri Satyanarayana Rao, No. 20, Thirumurthy St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri Chennampalli Obulesu, No. 56/1 South West Boag Road, T. Nagar, Madias-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7200 Sft. (with building) situated at Door No. 20, Thirumurthy Street, T. Nagar, Madras-17 (R.S. No. 6937).

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated: 5-5-1975.

 Shri Kanda Kandasami, S/o Shri Murugesa Pillai, No. 38, Looyeeprakasam St., Pondicherry

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th April 1975

Ref. No. F. 3202/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38, situated at Looyeeprakasam Street, Pondicherry, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pondicherry (Document No. 2678/74), on 16-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Alagappan alias Rengasami Kramani, S/o Shri Sengapuli Eramani, Poornangkuppam village, Ariyankuppam commune.
 (Transferor)

Date: 30-4-1975.

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2318 Sft. (with building) situated at Door No. 38, Looyeeprakasam Street, Pondicherry.

A. RAGHAVENDRA RAO,

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th April 1975

Ref. No. F. 2282/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 535/2 in, Alandurai village, S. Nos. 244/2, 375/3, 374, 375/1, 376/1 & 376/3 in Ikkaraiboluvampatti, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Coimbatore (Document No. 2317), on 17-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. P. Rajagopal, Shri S. P. Arumugam and Smt. Subbulakshmi.

Sundakamuthur, Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Anandakumar (Minor) through his guardian Smt. Subbulakshmi No. 3, Narayanadas Layout Street No. 3, Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons ever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village	S. No. Acre	Cent
Alandurai	535/2	046
Ikkarai Boluvampatti	244/2	1-92
Do.	375/3	404
Do.	374	0—53
Do.	375/1	2-40
Do.	376/1	2—17
Ďσ.	376/3	1—26
		12—78

A. RAGHAVENDRA RAO,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 30-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Chinnammal, W/o Shri R. V. Arunachalam, P. Koil St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri R. John Nadai, 472, Raja Street, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th April 1975

Ref. No. F.2283/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SF 102. 103, situated at Puliakulam Village, Coimbatere Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Document No. 3675/74 on September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Lands in Puliakulam village. Coimbatoro Taluk,

	No.	Acre-Cent
-	S.F. No. 102	1—74
	103	241
	7103	020
		435
		

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 30-4-1975 ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th April 1975

Ref. No. F. 2283/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G.S. No. 101, 102 and 103 situated at Patta No. 106 Puliakulam Village Coimbatore Taluk

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Coimbatore (Doc. No. 3674) on September 1974,

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

31-106GI/75

Shri R. V. Arunachalam,
 S/o Shri Venkitachala Thevar, Muthusami Colony,
 Komarapalayam, Coimbatore Tk.

(Transferor)

Shri R. John Nadar,
 S/o Shri Rathina Gurusami Nadar,
 No. 472 Raja Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Patta No. 150 in Puliakulam village, Coimbatore Taluk
Acre-Cents
G.S. No. 101
102
103
0-20
4-35

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 30-4-1975

Scal:

FORM ITNS ----

(2) Shri N. Thiruvenkatasami, No. 35, Tatabad 11th St., Coimbatore,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th April 1975

Ref. No. F. 2276/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 533, situated at Tatabad 11th St., 11th Ward, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhipuram (Coimbatore) (Doc. No. 2799/74) on 12-9-74 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri D. John Williams,
 No. 9/15, Dr. Munusami Garden,
 Avinasi Road, Coimbatore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 11 Cents and 283 Sq. ft. (with building) situated at Plot No. 533, Tatabad 11th St., 11th Ward, Combatore.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 30-4-1975

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th May 1975

Ref No. Acq. 23-I-479(174)/1-1/74-75.—Whereas. J. Kathuria,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Final Plot No. 517-2-B. T.P.S. No. 3,

situated Neur Nehrubrdige, Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 30-9-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Sadhuram V, Andani,
 - 2. Shri Gordhanlal S. Andani,
 - 3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,
 - Kumari Bhagyawanti S. Andani,
 For and on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal, Netaji Cloth Market, Kalupur,
 Kotnirang, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Dahyabhai Ramsangbhai Jadav.
 10-B, Amarkunj Society,
 Kankaria Dhor Bazar Road,
 Maninagar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-54 in Block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Nr. Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 6-5-1975

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th May 1975

Ref. No. Acq. 23-1-480(175)/1-1/74-75.--Whereas, 1, J. Kathuria,

being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3 situated Near Nehru Bridge, Ashram Road Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Ahmedabad on 27-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and t have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani.
 - 2. Shri Gordhanlal S. Andani,
 - 3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,
 - 4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,

For and on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal, Netaji Cloth Market, Kalupur, Kotnirang, Ahmedabad.

(Transferor)

M/s. Gujarat Enterprise,
 Rang Kunj Society,
 Naranpura Char-Rasta,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-57 in Block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T_P, S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR₁ HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th May 1975

Ref. No. Acq 23-I-481(176)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3 situated at Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Sadhwam V. Andani,
 - 2. Shri Gordhanlal S Andani,
 - 3. Shii Kishanlal Sadhuram Andani,
 - Kumari Bhagyawanti S. Andani,
 For and on behalf of the firm of M/s. Sadhujam Gordhanlal Netaji Cloth Market, Kalupur,
 Kotnjiang, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Govindlal Mayabhai Patel, C/o. M/s. Anilkumar Bhagwandas, 1457, Nava-Madhupura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-56 in Block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-5-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-482(177)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority,

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3 situated at Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 27-9-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

- Shri Sadhuram V. Andani.
 Shri Gordhanlal S. Andani.

 - 3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,

4. Kumari Bhagyawanti S. Andani, For and on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal Netaii Cloth Market, Kalupur, Kotnirang, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Purshottamdas Amichand Patel, 15, Suvas Society, St. Xavier's Road, Opp. Stadium, Ahmedabad-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-50 in Block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing binal Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad,

J. KATHURIA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-5-1975

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/2906/74-75/Acq(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a vacant site in a portion of premises No. 3. Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5 (and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore, Document No. 1923/74-75 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor

by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri V. S. Loganathan,
 - 2. Shri V L. Thyagarajan.
 - 3., Shii V. L. Dorairai.

No. 7 Murgesh-Pillai Street, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri R. Kampaih,

No. H. 42 Lakshminarayanapuram, Bangalore-19. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a Vacant site in a portion of Premises No. 3, Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5.

Site Area $223' \times 85' = 18,955$ Square feet, Doc. No. 1923/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-4-1975

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(2) Shri R. Kampaiah, No. H. 42 Lakshminarayanapuram, Bangalore-19. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

R. 62/2907/74-75/Acq.(B).—Whereas, I. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable transfer being the competence of the compet property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

The property being a vacant site in a portion of premises No. 3, Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Shivaji Nagar, Bangalore Document No. 1922/74-75 on 9-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri V. S. Loganathan,
 - 2. Shri V. L. Thyagarajan,
 - 3.. Shri V. L. Dorairai,

No. 7 Murgesh-Pillai Street, Bangalore-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a Vacant site in a portion of Premises No: 3 Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5.

Site Area= $177' \times \frac{93' + 85'}{2} = 15,753$ Square feet. Doc. No. 1922/74-75 dated 9-9-1974.

> R. KRISHNAMOORTHY. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-4-1975

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/2908/74-75.—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a vacant site in a portion of premises No. 2 Dr. Ambedkar Road, situated at Bangalore-560005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivaji Nagar, Bangalore, Document No. 1924/74-75 on 9-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1, Shri V. S. Loganathan,
 2, Shri V. L. Thyagarajan,
 3. Shri V. L. Dorairaj,
 No. 7 Murugesh-Pillaj Street, Bangalore-1.
 (Transferor)

(2) Shri R. Sampathraj, No. 1056, 7th Main Road, Sreerampuram Bangalore-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a Vacant site in a portion of P. No. 2 Dr. Ambedkar Road, Bangalore-560005.

Site Area: $\frac{175' \times 70' + 89 \cdot 6'}{-14,000}$ Square feet.

Doc. No. 1924/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-4-1975

Seal:

32-106GI/75

(2) Shri R. Sampatharaj, No. 1056, 7th, Main Road, Sreeramapuram, Bangalore-21.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

6/2909/74-75/Acq.—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. The property being a vacant site in a portion of premises No. 2, Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5

(and more fully discribed in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, DOC No. 1925/74-75 on 9-9-1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

V. S. Loganathan.
 V. L. Thyagarajan.
 V. L. Dorairaj.
 No. 7, Murgeshpillai St. Bangalore-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site in a portion of Premises No. 2 Dr. Ambedkar Road Bangalore-5.

Site Area 178ft.×70ft.=12260 Square feet. Doc. No. 1925/74-75 dated 9-9-1974.

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

.Date: 25-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/3000/74-75/Acq.(B).—Whereas, Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. the property being a vacant site in a portion of premises No. 4. Dr. Ambedkar Road, situated at Bangalore-5. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 2037/74-75. on 19-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

(1) 1. Shri V. S. Loganathan, 2. Shri V. L. Thyagarajan,

- 3. Shri V. L. Dorairaj, No. 7 Murgeshpillai Street, Bangalore-1. (Transferor)
- Shri R. Kampathraj.
 1056, 7th Main Road Sreeramapuram, Bangalore-21.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site in a portion of Premises No. 4 Dr. Ambedkar Road, Bangalore-5.
Site Area 210ft.×70ft=14,700 Square feet.
Doc. No. 2037/74-75 dated 9-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-4-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Rampath Raj, 1056, 7th Main No. Road. Sreerampuram. Bangalore-560021.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C. R. 62/3001/74-75/Acq(B(.--Whereas, I, R.Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a vacant site in a portion of premises No. 4 situated at Dr. Ambedkar Road, Bangalore-56005, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagur, Bangalore, Document No. 2038/74-75 on 9-9-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-tion for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabllity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1 922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Date: 25-4-1975

Seal:

(Transferor)

Shri V. S. Loganathan,
 Shri V. L. Thyagarajan,
 Shri V. L. Dorairaj,
 No. 7 Murugesh-Pillai Street, Bangalore-560001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site in a portion of Premises No. 4 Dr. Ambedkar Road Bangalore-560005,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority,

Acquisition Range, Bangalore.

Site Area: 190ft.×70ft.=13,300 Square feet. Doc. No. 2038/74-75 dated 9-9-1974.

 Shrimati S, Janki, No. 9 Cambridge Road Bangalore-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Sampathraj, No. 1056, 7th Main Road, Sreeramapuram, Bangalore-21.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore, the 25th April 1975

No. CR.62/3239/74-75/Acq.—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27.

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
The Property being a vacant land Measuring 8 guntas of
portion No. 248,

situated at Doddigunta, Cox town. Bangalore. (Corporation Division No. 49),

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Offiat Shivaji Nagar, Bangalore DOC. No. 2549/74-75 on 25-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property being a vacant land Measuring 8 guntas of portion No. 248, Doddigunta, Cox Town, Bangalore. (Corporation Dn. No. 49).

DOC No. 2549/74-75 Dated; 25-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore the 30th April 1975

No. C.R.62/3013/74-75/Acq.(B).—Whereas, I. R. Klishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential permises No. 27(Old) New No. 38/39 situated at Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2164/74-75 on 25-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri D. V. Viswanath S/o D. V. Dasappa,
 Smt. Seethamma Dasappa, Balaguda Estate,
 Somwarpet, Coolg District.

(Transferor) .

(2) Smt. Pratibha S. Moola, W/o Shri M. Surendranath, No. 38/39, Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Premises No. 38/39, (Old No. 27) situated on Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-26, measuring

E-W:
$$\frac{103'+88'}{2} \times N-S$$
 $\frac{170'+180'}{2} = 16,712 \text{ sq. ft.}$
Document No. 2164/74-75 dated 25-9-1974.

R. KRISHNAMORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 30-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUIACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore, the 25th April 1975

No. C.R.62/3038/74-75/Acq.B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a vacant site bearing Corporation No. 6/1, Sreekantaiah Layout, situated at Crescent Road Cross, Bangalore-560 001.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Gandhinagar, Bangalore-9, Document. No. 2455/74-75 on 2-9-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. N. Muddukrishna, S/O Shri H. Narasimhaiah, No. 36, Crescent road cross, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal, No. 3. Noble Hardware Stores Kumbarpet, Bangalore-2.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site bearing Corporation No. 6/1, Sreckantaiah Layout, Crescent Road Cross, Bangalore-560 001.

Site Area: $\frac{54'+42'}{2} \times \frac{83'+75'}{2} = 3,792$ Square feet.

Document No. 2455/74-75 dated 2-9-1974.

R. KRISHNAMORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 25-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27 BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR.62/3046/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

the property being a vacant site No. 12, Corporation No. 11/10, part of Corporation No. 19, situated at Nandidurga Extension, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at

6-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri H. H. Sahadevji Narahardevji, Dharampur House, Jayamahal, Bangalore. 6.

(Transferor)

(2) Shrimati Saroj Kapoor, No. 14, II Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-6.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site No. 12, Corporation No. 11/10, part of Corporation No. 19, Nandidurga Extension, Bangalore, Site area $54' \times 80' = 4320$ sq. ft.

Document No. 2561/74-75 dated 6-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore.

Date: 23-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C.R.62/3059/74-75/Acq.B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sourthern half portion of Shop Premises No. 281 (Old Nos. 379, 376 and 377), situated at Avenue Road, Bangalore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore-560009 Document No. 2763/74-75 on 23-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

33—106GI/75

 Smt. Mohini Sabhaiwal.
 Smt. Shaika Bindra, by Power of Atlorney Holder, Father, Col. D. S. Bedi, 7/D/18, Rest House Crescent, Bangalore-1.

(Transferor)

2. Shri D. H. Narayanasa, J-15, Mallikarjum Temple, Street, Bangalore-2 A.

(Transferee)

3. (1) J. M. Sheth & Co.,
(2) Abdul Hameed,
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Southern half portion of shop Premises No. 281 (Old Nos. 379, 376 and 377), Avenue Road, Bangalore city—Site area measuring—

North to South=10ft.
Fast to West=38ft.

Document No. 2763/74-75 dated 23-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 25-4-1975

Scal:

FORM J.T N.S ---- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF IND'A

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th April 1975

No. C R 62/3060/74-75/Acq.B.—Whereas, I, R Krishna-moorthy, Inspeting Assistant Commission: of Income tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Northern half portion of Shop Premises No. 281 (Old Nos. 379, 376 and 377) situated at Avenue Road, Bangalore city.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560 009 Document No. 2764/74-75 on 33-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meanys or other issets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957)

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby intrinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1 Smt Mohini Subharwal, (2) Smt. Shaika Bindra, by Power of Attorney Holder, father, Col D. S Bedi, 7/D/18, Rest House Crescent Bangalore—560 001 (Transferor)
- (2) Shir D. H. Krishnasa, No. J. 15, Malikarjuna Temple Street, Bangalore-2-A. (Fransferee)
- (3) (1) J M Sheth & Co
 (2) Shii Radhakishna Setty.
 (person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Northern half portion of Shop Premises No. 281 (Old Nos. 379, 376 and 377) Avenue Road, Bangalore city.

Site area: E-W = 38'

N-S = 10' - 380 Sr. ft.

Document No. 2764/74-75 dated 23-9-1974.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority,

Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bingalore

Date: 25-4-1975.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR62/3063/74-75/Acq.-Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissionet of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a residential house bearing No. 305/6, Palace Upper Orchards, situated at Sadashivanagar, Bangalore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, DOC No. 2797/74-75 on 20-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian of 1922) or the Income-tax Act, 1922 (11 said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Shrimati Doddakempamma. 2. Shii D Subramanya, Gosa gowda Street, Srirangapatna. (2) Shri D. K. Ramesh, No. 2, III, Block, K. P. West, Bangalore-20. (Transferce)

"(3) I, R. Mahalingam

*(4) (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any other person interested in the said of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a residential house bearing No. 3(5/6, Place Upper Orchards. Sadashivanagar, Bangalore Site area-10ft, \times 60ft. and 15ft. \times 30ft. =40.50 Sq. 1t. DOC No. 2797/74-75 Dated: 20-9-1974.

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-4-1975.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. Hanumanthaiah, S/o Chikkahanumanthaiah, Door No. 91, 10th Cross West, Hanumanthanagar, Bangalore-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR.62/3078/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearin No.

the property being a revenue land measuring 2 acres and 12 guntas in survey No. 128/1, Benaganhalli village, situated at K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Document No. 5399/74-75 on 26-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now. therefore, in pursuance of section 269C of the said' Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Mangi Bai, D/o Late Gulabi Bai, Mailapur High Road, Madras-51.

(Transferor)

 M. Venkataswamaiah, S/o Muniswamaiah, No. 147, 3rd Cross, Hanumanthanagar, Bangalore-19. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a revenue land measuring 2 acres and 12 guntas in Survey No. 128/1, Benaganhalli village, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

Document No. 5399/74-75/dated 26-9-1974.

R. KRISHNA MOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-4-1975.

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR, 62/3079/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. the property being a revenue land measuring 4 acres and 4 guntas, in Survey No. 128/2, situated at Benaganahalli Vill. K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Document No. 5400/74-75 on 26-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajani Kumari Shiyal, No. 12/7, K. A. Street, Madras-7

(Transferor)

 1. M Venkataswamaiah, S/o Muniswamiah, No. 147, 3rd Cross, Hanumantha Nagar, Bangalgre-19.
 2. Shri C. Hanumanthaiah, S/o Chikkahanumanthaiah, Door No. 91, 10th Cross West Hanumanthanagar, Bangalore-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a revenue land measuring 4 acres and 4 guntas in Survey No. 128/2, Benaganahalli viltage, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

Document No. 5400/74-75/dated 26-9-1974.

R. KRISHNA MOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-4-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th May 1975

Ref. No. RAC.No. 22/75-76.—Whereas, 1 K. S. Venkataraman,

being the competent authority under Section 269D of the income-tax, Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1/2 Portion, 4-3-1069 situated at Ramkote, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hyderabad on 21-9-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Dr. G. Dwaraka Bai, W/o Late Dr. Jaisoorya, R/o B-3-1069 at Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt S. Annapurnamma, W/o Dr. Sunku, Balaram, R/o Ongole, Prakasham, Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: A portion of northern side of the House No. 4-3-1069 at Ramkote, Eden Bagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 9-5-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th May 1975

Ref. No. RAC.No. 20/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkataraman.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Front Portion, 3-6-122, situated at Himayatnagar, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 17-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) 1. Sri Zal M. Jehangir,
 - Mrs. Meheru K. Italia,
 Miss Roshan M. Jehangir,

4. Mrs. Srin M. Jehangir, all are residing at one place H. No. 10-5-15, at Masab Tank, Hyderabad. (Transferor)

(2) Smt. M. Sarojini Devi, W/o M. Balraj Reddy, H. No. 15-5-717 at Afzalgunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

\ THE SCHEDULE

Property: The front portion of the building bearing House No. 3-6-122 at Himayatnagar, Hyderabad Area: 463 Sq. Meters.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Hyderabad.

Date · 9-5-1975.

 Dr. G Dwaraka Bai W/o Late Dr. Jaisoorya, R/o B-3-1069 at Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Sunku Balaram, S/o Sri Venkatachalamayya Chetty, R/o Ongole, Prakasham, Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad the 9th May 1975

Ref. No. RAC.No. 23/75-76.—Whereas, J, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/2 Portion, 4-3-1069, situated at Ramkotc. Hyderabad, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-9-75.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property: A portion of Southern side of the house No. B-2-12 (Old) New No. 4-3-1069 at Ramkote, Eden Garden, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 9-5-1975.

haji Rao Angre, Jaivilas Palace, Gwalior.

(2) Shri Jeet Goods Carrier, through

R/o Naya Bazar, Lashkar,

Gwalior.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
BHOPAL

Bhopal, the 3rd May 1975

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One Kothi and open land in ward No. 24 on Jhansi Road, admeasuring 41763 sq. ft. situated at Gwalior,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on 16-9-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pricess Yashodhara Raje Sindhia D/o His late Highness Maharaja Iiwaji Rao Sindhia through her Law ful attorney, Sardar Kumar SambObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Sardar Gurdeepsingh S/o Surdar Atma Singh,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi and open land in ward No. 24 on Jhansi Road admeasuring 41763 sq. ft.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 3-5-1975.

Seal:

34-106GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd May 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to be-

lieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Room and open land admeasuring 15607 sq. ft. situated at Jhansi Road, Gwaltor.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 16-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiar. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Princess Yashodhara Raje Sindhia D/o
His late Highness Maharaja Jiwaji Rao Sindhia
through her Lawful attorney, Sardar Kumar Sambhaji Rao Angre, Jaivilas Palace,
Gwalior.

(Transferor)

(2) 1. Shri Subhash Syal S/o
Shri G. M. Syal.
2. Shri Gopichand Gurnami S/o
Shri Motlamal R/o Bada Kasim Khan,
Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room and open land admeasuring 15607 sq. ft. situated at Jhansi Road, Gwalior,

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant,
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date: 3-5-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 9th May 1975

Ref. No. Acq.23-1-485(180)/1-1/74-75.—Whereus, I, J. KATHURIA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No.

Final Plot No. 517-2-B, T. P. S. No. 3, situated at Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedahad, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-9-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Sadhuram V. Andani,
 Shri Gordhanlal S. Andani,
 Shri Kishanlal Sadhuram Andani,
 Kumari Bhagyawanti S, Andani,
 For & on bohalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal

M/s. Sadhuram Gordhanlal Netaji Cloth Market, Kalupur Kotnirang Ahmedabad,

(Transferor)

(2) (i) Shri Priyakant Maganlal Buch, (ii) Smt. Sarojani Priyakant Buch, Buch Mansion, Near Meera Ambica Hotel, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being Shop No. S-9 in Block No. 'A' on ground floor of Capital Commercial Centre, bearing F.P. No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 9-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HONDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 9th May 1975

Ref. No. Acq.23-I-486(181)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated at Near Nehru bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,
 - Shri Gordhandas S. Andani,
 Shri Kishanlal Sadhuram Andani,
 - Suff Assaular Sauntram Andant,
 Kumari Bhagyawanti S. Andani,
 For & on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal,
 Netaji Cloth Market,
 Kalupur Kotnirang, Ahmedabad.

(Transferor)

 M/s. Hasmukhlal & Co., 1st Floor, Dhanlaxmi Market, Crosslane, Ahmedabad-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being Shop No. S-38, 39 in Block 'B' on ground floor of Capital Commercial Centre, bearing F.P. No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-5-1975.

Shal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 9th May 1975

Ref. No. Acq.23-1-487(182)/1-1/74-75.—Whereas, I. I. KATHURIA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated at Near Nehtu bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 27-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the the following persons, namely:—

Shri Sadhuram V. Andani,
 ShriGordhanlal S. Andani.
 Shri Kishanlal Sadhuram Andani,
 Kumari Bhagyawanti S. Andani,
 For & on behalf of the firm of

For & on behalf of the firm of M/s. Sadhuram Gordhanlal, Netaji Cloth Market, Kalupur Kotnirang, Ahmedabad.

(Transferor)

M/s. Gujarat Enterprises,
 Rang-Kuni, Naranpura Char Rasta,
 Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being Shop No. S-58 in Block 'B' on ground floor of Capital Commercial Centre, bearing F.P. No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant,
Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 9-5-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 18th April 1975

Ref. No. F. No. 2287/74-75.—Whereas, I. K. V. RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6A/1, situated at Alangiam Road, Dharapuram (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dharapuram (Doc. No. 2410/74) on 2-9-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to

following persons, namely :--

 Shri P. S. Thangavelu, S/o Shri Eivasubramania Mudaliar, Kuppusami Naidu Street, Dhapuram.

(TransferoF)

(2) 1. Shri Muthusami Gounder; and
 2. Shri Palanisami Gounder;
 S/o Shri Chinnasami Gounder,
 Manakkadavu village, Dhapuram Taluk.
 (Transferee)

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5060 Sq. ft. (with building) and bearing T.S. No. 1139 situated at Door No. 6A/1 Alangiam Road, (Ward No. 6), Dharapuram.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 18-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 18th April 1975

Ref. No. F. 2291/74-75.—Whereas, I. K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Lakshmi Rice Mill, Reddipalayam Village, Erode Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JSR I, Erode (Doc. No. 4064/74) on 21-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :--

(1) Shri C. B. Muthusami Chettlar, S/o Shii C. Balagurunatha Chettiar, Vaisiyal Street, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri R. Karuppusami, S/o Shri Ramasami Gounder:
 - 2. Shri Krishnasami Gounder, S/o Shsi Chennimalai Gounder: and
 - 3. Shri Ramasami, S/o Shri Nachimuthu Gounder, Vadugapalayam, Uthukuli P.O.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lakshmi Rice Mill (Land, Building and Machinery) in Reddipalayam village, Erode Taluk.

K. V. RAJAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6.

Madras-6, the 18th April 1975

Ref. No. F. 2292/74-75.—Whereas, I. K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Raja Street, Bhavani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I. Erode (Doc. No. 4149/74) on 28-9-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the 'Said Act', to the following persons namely:—

 Smt. Bavayammal W/o Shri R. S. Sengoda Muduliar, No. 216, Nethaji Road, Erode.

(Transferer)

(2) Smt. B, Visalakshmi Ammal, W/o Shri L. Balaraman, Bazaar Street, Bhavani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1450 S. ft. (with building) situated at Door No. 38 (Ward No. 3) Raja Street, Bhavani.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 18-4-1975.

The state of the s

FORM ITNS----

Bazaar Street, Bhavani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 18th April 1975

Ref. No. F. 2292/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Raja Street, Bhavani. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Doc. No. 4150/74) on 28-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arssing from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons, namely:—

 Smt. Bavayammal, W/o Shrl R. S. Sengoda Mudaliar, No. 216, Nethaji Road, Erode.

(2) Shri L. Balaraman, S/o Shri M. Lakshminarayana Chettiar,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1450 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 38 (Ward No. 3), Raja Street, Bhavani.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 18-4-1975.

FORM I.T.N.S.---

(2) Shri Raj Bhasin,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 18th April 1975

Rcf. No. 42-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

547-C/64 Mahanagar, situated at Mahanagar Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 26/9/1974.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharmanand Joshi.

(Transferor)

may be made in writing to the undersigned-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 547-C/64 measuring 3362 sqr. fts, situated at Mahanagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,

equisition Kan

Lucknow,

Datc: 18/4/1975.

FORM ITNS----

(1) Shri Chandrawati Devi & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Samla Devi & others.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 18th April 1975

Ref. No. 63-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

90-A/1, Mahajani Tola situated at Mahajani tola, Allahabad.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad. on 6/9/1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storyed house No. 90-A/1 measuring 53ft.×12ft. sqr. its. situated at Mahajani Tola Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 18/4/1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th April 1975

Ref. No. CHD/189/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 29 kanal 5 marlas, alongwith Kotha house, well and tubewell etc. situated at Village Burail, U.T. Chandigarh (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now. therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Sarvshri

(1) Mehar Singh, s/o Babar Singh, Resident of Village Burail, U.T. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sarvshri

- (1) Jang Bahadur,
- (2) Dharam Pal

(3) Krishan Kant, sons of Lahena Singh, Residents of Village Burail, U. T. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 29 kanal 5 marlas being half of total land 58 kanal 11 marlas situated in Village Burail, U.T. Chandigarh, alongwith Kotha, House, Well and Tube-well, etc.

Khewat No. 177

Khatauni No. 309,

Khasra No. 34/5 Min (0-13) 34/6/1 Min (4-13) 35/1 Min (6-8) 35/2/1 (7-19) 35/3 (7-8) 35/4/2 (1-2) 35/7 (7-8) 35/8 (7-7) 35/9 (7-7) 35/10 (7-7) 35/447 (0-13), Khatauni No. 310 Khasra No. 35/2/2 (0-1). Jamabandi for the year of 1966-67.

the year of 1966-67.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 728 of September, 1974 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 18-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th April 1975

Ref. No. SMI/19/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential building with vacant land known as Dev Niwas Estate, situated at Kanlog Tehsil Simla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Simla in October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lal Dass, s/o Late Shri Mulkh Raj, Dev Niwas. Simla-1.

(Transferor)

(2) Sarvshri

(1) Shyam Lal (2) Chian Ram

(3) Sancha Ram son of Jai Ram,

(4) Ram Lal
(5) Moti Lal, J
Residents of Village Barla
District Simla.

Tehsil Rohru,

(Transferee)

(3) The Managing Director, M/s Himachal Pradesh State Forest Corporation Ltd. Willow Bank.

Simla-1.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storcycd residential building alongwith kitchen portion and portion of vacant land known as Dev Niwas Estate, Kanlog Area, Tehsil Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 520 of October 1974 of the Registering Officer, Simla).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh,

Date: 18-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 25th April 1975

Ref. No. SML/20/74-75,—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961, (43 of 1961) (hercinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 399.8 sq. yds. situated at Jakhoo, Simla, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vir Bhadra Singh s/o Shri Padam Singh, 23-Ferozeshah Road, New Delhi.

(Transferon

(2) (1) Shri Om Parkash (2) Shri Ajit Singh Residents of Village Mangsu, P.O. Thanedar, District Simla, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 399.8 sq. yds. bearing Khasra No. 805/489/C situated in Jakhoo, Simla,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 531 of October 1974 of the Regist, 1ing Officer, Simla)

G. P. SINGH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 25-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 25th April 1975

Ref. No. SML/21/74-75.—Whereas, I. G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 402.6 sq. yds. situated at Jakhoo, Simla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simila in October 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vir Bhadra Singh s/o Shri Padam Singh, 23-Ferozeshah Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Sher Singh

(2) Shri Bahadur Singh Thakur, Residents of Village Dadesh, P.O. Thanedar, District Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 402.6 sq. yds. bearing Khasra No. 805/489 situated in Jakhoo, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 532 of October, 1974 of the Registering Officer, Simla.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 25-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Jai Chand s/o Shri Karam Dass, Resident of Village Rera, Tehsil Rampur, District Simla.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 25th April 1975

Ref. No. SML/22/74-75.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land, measuring 406.1 sq. yds. situated at Jakhoo, Simla. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Simla in October 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Vir Bhadra Singh s/o Shri Padam Singh, 23-Ferozeshah Road, New Delhi. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 201 sq. yds. bearing Khasra No. 805/489/F, and measuring 205.1 sq. yds. bearing Khasra No. 805/489/G, total 406.1 sq. yds. situated in Jakhoo, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 533 of October, 1974 of the Registering Officer, Simla.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Dato: 25-4-1975

Seal:

(Transferor)

(2) (1) Sri S. Venkateswararao (2) Smt. S. Kasturi, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th April 1975

Ref. No. Acq. File No. 188 J. No. I (278 & 281)/74-75.-Whereas, I K. Subbarao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act.

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31-12-5 situated at Machavaram, Post office Road. Vijayawada

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Indian Regis-

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-9-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties.

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I bereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Kilam Venkata Subbarao.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

As per schedules of the sale deeds dated 2nd September. 1974 vide document Nos. 3117 and 3141 dated 2-9-1974 and 4-9-1974 registered at Sub-Registrar, Vijayawada.

> K. SUBBARAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Kakinada.

Date: 9-4-1975

Seal:

36-106GI/75

FORM ITNS----

(2) (1) Shri Edida Satyanarayanamurty

 (2) Shri Edida Venkataramaiah
 (3) Shri Edida Dhanalaxmi Janardhanarrao Kandikuppa, Amalapuram Taluk.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1975

Ref No. Acq. File No. 185 J. No. I(342)/EG/74-75,—Whereas, I, K. SUBBARAO.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 392/7A situated at Amalapuram

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amalapuram on 15-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per the schedule exhibited in the sale deed dated 12-9-74 document No. 3833/74 of the Sub-Registrar, Amalapuram.

K. SUBBARAO.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Kakinada,

Date: 2-4-1975

Seal :

(1) (1) Shri Jana Veerabhadraraju

(2) Shri Jana Abbiraju

(3) Shri Konda Basavaraju, Bandarlanka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1975

Ref. No. Acq. File, No. 186 J. No. I(343)/74-75.—Whereas, I, K. SUBBARAO.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

No. 392/7A situated at Amalapuram

(and more fully described

in the Schedule anne xed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 15-9-74

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) (1) Pichika Veernagasatyadesakaswamy
(3) Kurma Semeswararao

(2) P. Venkatasuryanarayanaraju,

} Bandarlamka

- (4) Kurma China Someswararao, Jagannapeta
- (5) Shri Ankam Markandeswararao Pallamkurtu (6) Shri N, Nagaratnam Ramachendrapuram.

(Transferor)

(1) Shri Akasam Sriramulu
 (2) A. Satyanarayanamurthy, Kandikuppa, Amalapurm Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per the schedulc exhibited in the sale deed dated 12-9-74 vide document No. 3834/74 of the Sub-Registrar. Amalapuram.

K. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 2-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 162/74-75 J. No. I(333)/KR/74-75.—Whereas, I K. SUBBARAO,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bldg, Nos. 11/20 6 & 11/266A situated at Contonment Road Masulipatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Masulipatnam on 30-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the 'Said Act', to the following persons, namely: -

- (1) (1) Shri Ch, Ramakrishna Bhaskararao,
 - (2) Shri P. Laxmi Ganapati Rao(3) Vemuri Venkataratnam

 - Shri Attluri Sarojinei Devi Shri Varada Nageswaramba
 - Shri Varada Ramanujarao (6)
 - Shri Namburi Swarajya Laxmi
 - Shri Palakurti Laxmi Ganaptirao Shri Srikakulam Laxmi Narasimharao
 - (10) Shri Yarlagadda Chalapali Rao
 - (11) Shri Achanta Venkata Mohana Prasad (12) Shri Vemuri Laxmi Nageswararao

(13) Shri Kakarapatri Laxmi Narasimharao. (Transferor)

- (2) (1) Shri Vemuri Venkataratnam
 - (2) Vemuri Laxmi Nageswararao
 - (3) Vemuri Balaratnam being minor by guardian mother Laxmi Ranganayakamma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Krishna District-Masulipatnam Sub-Registrar-Masulipatnam Taluk Masulipatnam Town—Robertsonpeta—Contoment Junction—Site and Buildings and other constructions—Building Nos. 11/206 and 11/266A.

BOUNDRIES

East: Old ontonment Road New Known as Ravindranath Tagore Road 250ft.

South: Paul Memorial Hall 2048ft.

West: Municipal Lane 282 ft.

North: Road connecting to Rustumbada Sivalayam 232 ft.

K. SUBBARAO, Competent Authority, Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 26-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./847/Jullundui/75-76.-Whereas, I, Ravinder

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleat

situated at Nagliviran

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur in September, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Amarjeet Singh son of Bahal Singh V. Nangli Viran, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Sansai Chand s/o Fateh Chand of M/s R. L. Sharma & Co..15A Basti Nau, Jullundur. As above
- (3) As above in Sr No. 2 (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property [person whom the undesigned knows to be interested in the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Decd No. 5878 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-5-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./848/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. See Schedule

at Naghliwaran,

(and more fully described in

the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office

at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Amarjeet Singh son Bahal Singh Nangli varan Teh.
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Sharma son of Harnam Dass 5/0 Ganesh Dass partner through M/5 R L. Sharma & Co., Basti Nau, Jullundur

(Fransferee)

- (3) As above in Sr. No. 2, (Person in occupation of the property.)
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5869 of September, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jullundur

Date: 5-5-75

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Juliundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./849/Jullundur/75-76.—Wheraas, [Revinder Kumar,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. See schedule

situated at G T Road

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating 'the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amarjeet Singh son of Behal Singh V. Nangli Viran, Teh, Jullundur.

(Transferor)

- Chaman Lai Mahajan partner M/s R. L. Sharma & Co., Basti Nau, Jullundur Through Sh. R. L. Sharma
- (3) As above in Sr. No. 2, (Person in occupation of the property.)
- *(4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Register Deed No. 5834 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-1,

Jullundur

Date: 5-5-1975

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./850/Jullundur/75-76.—Whereas. I Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No See schedule

situated a Police Line Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1)Lakhbir Singh Advocate son of Kapur Singh, 186 Session Court Road Jullundur City.

(Transferor)

(2) Harbans Singh Randhawa Son of Arjan Singh V. Randhawa (Kapurthala).

(Transferce)

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property.)
- *(4) Any person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 6392 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jullundur

Date: 5-5-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullandar, the 5th May 1975

Ref. No. AP./851/Jullundui/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5686, situated at Fatidpur No. See schedule

situated at Nurmahal Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Nakodar in September 1974.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37-106GI/75

 Smt. Baljit Kaur D/o Jagir Singh Son of Pritam Singh through Sampuran Singh, Nakodar.

(Transferor)

(2) Lashar Singh son of Santa Singh son of Gurdit Singh C o Sunt Ice Factory, Nakodar.

(Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1460 of September, 1974 of the Registering Authority Nakodar,

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Jullundur

Date: 5-5-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref No. AP. 852/Julludur/75-76.— Whereas, I Ravinder Kumar,

being the Competent Autho-

rity under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See Sachedule

situated at Suraj Gang,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Jullundum in September 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amrık Singh S/o Tara Sıngh S/o Gyan Singh Suraj Gang W.G. 592, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Promiljeet Singh S/o Sh. Mohinder Singh S/o Mehal ingh R/o W.G. 579/WG 592 (New No.). Suraj Gang, Jull. City,

(Transferee

- (3 As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 6381 of Sept. 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range.

Jullundur.

Date: 5-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./853/Jullundur/75-76.—Whereas I, Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. See schedule overleaf

situated at Suraj Gang,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Juliundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amrik Singh son of Sh. Tara Singh, Suraj Gang, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Gurmeet Singh son of Mohinder Singh, Suraj Gang, Jullundur. (Transferee)
- (3 As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 6382 September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 5-5-1975.

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./854/Jullundur/75-76.—Whereas, J. Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf

situated at Gujjamal Street,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullandur in Sept., 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Savitri Devi Wd/o Pt. Umma Dut son of Gujarmal Adda Hoshiarpur Gujjarmal St. Juliundur.

 (Transferor)
- (2) M/s Chopra Waste paper merchants Add Hoshiarpur, Jullundur through Yash Pal Chopra,

(Transferce)

- (3) As above in Sr. No. 2.

 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said -Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No: 6405 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge,
Jullandur

Date: 5-5-1975.

(2) Shri Kanwar Lal Aggarwal son of Mool Ruj, 72, Jinder Road, Jullundur Cantt.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./855/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. See schedule overleat

situated at Jinder Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Jull under in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely;—

 Smt. Mohinder Kaur Wd/o Sh. Harpal Singh son of Kartar Singh 72, Jinden Roud, Jullundur Cantt,

undur Cantt, D (Transferor) S

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the daid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 5960 of September 1974 of the Registering Authority Juliundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur

Date: 5-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./856/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent autho-

rity under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing

No. See schedule overleaf situated at Jind Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely:—

 Shrimati Mohinder Kaur Wd/o Harpal Singh S/o Kartar Singh R/o Jinder Road No. 72, Jullundur Cantt.

(Transferoi)

(2) Shri Kawar Lal Aggarwal 72, Jinder Road, Jullundur Cantt.

(Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kolhi as mentioned in the Registered Deed No. 5892 of the September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur

Date: 5-5-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./857/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar.

being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. See schedule overleaf situated at Lajpat Nagar, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in September 1974.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 I.t. Col. Shiv Charanjit Singh Tulsi son of Narain Singh, 3, Hastings Roard, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri K. L. Sahni son of Moti Ram R/0217, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 6139 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur,

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range,

Jullundur

Date: 5-5-1975.

Form ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./858/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. See schedule overleaf situated at Lajpat Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following permanely:—

(1) Lt. Col. Shiv Charanjit Singh son of Narain Singh 3 Hastings Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri, K. L. Sahni son of Motl Rum R/o 217 Lajpat Nagar, Jullundur,

(Transferec)

- (3) As above in Sr. No. 2.

 (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6175 of September 1974 of the Registering Authority Juliundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
Jullundur

Date: 5-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP.859/Jullundur/75-76,---Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

See schedule situated at Gurnam Nager.

(and more fully described in the Schedule an-

nexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

38—106GI/75

--- (1) Shri Raghbir Singh son of Sampuran Singh N. A. 207/1, Kishanpura, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Major Amrik Singh son of S. Bawa Singh V. Khera Maja, 'Teh. Jullundur,

(Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 6208 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur

Date: 5-5-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP.860/Jullundur/1975-76,---Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. See schedule situated at Jullundur Gurnam Nagar (and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at at Juliundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghbir Singh son of Sampuran Singh R/o N.A. 207/1, Kishanpura, Jullundur. (Transferor)
- (2) Major Amrik Singh son of Bawa Singh Khesh Maija Teh. Jullundur.

 (Transferce)
- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 6232 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
Jullundur

Date: 5-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF. JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP.861/Jullundur/75-76.---Whereas I Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. See schedule

situated at Basti Danshamnda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of (1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, is pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Maniit Singh son of Sh. Mohinder Singh son of Prem Singh R/o Basti Danshmanda.

(Transferoi)

(2) M/s Balwant Bros Basti Nau, Jullundur through Balwant Ram partner of the firm.

(Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6414 of September, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur

Date · 5-5-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 15th May 1975

Ref. AP./862/Jullundur/75-76.—Whereas, J Ravinder Kumar.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) '(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

See schedule

situated at Basti Danshamnda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Manjit Singh S/o Mohinder Singh son of Prem Singh R/o Basti Danshamnda Jullundur,

(Transfergr)

(2) M/s Balwant Bros Basti Nau Through Balwant Ram, partner of the firm.

(Transferce)

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6130 of September 74 of the Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range,

Juliundur.

Date: 15-5-1975.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.

JULLUNDUR

Juliundur, the 15th May 1975

Ref. No. AP./863/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule situated at Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiative proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

- (1) Kenya Land & Finance (P) Ltd. Jullundur.
 (Transferor)
- (2) Shri Ajaib Singh son of Sh. Indet Singh of Sidhar Raj Pooling Teh. Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot a5 mentioned in the Registered Deed No. 6373 of September 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Jullundur.

Date: 15-5-1975

Scal:

FORM ITNS----

(1) The Sutlej Land Finance Pvt. Ltd Sh. Amar Nath Roa man.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surjeet Singh, Parkash Singh sons of Avtar Singh, Govindpur. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As above in Sr. No. 2 (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

(4) Any person interested in the property. Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Juliundur, the 5th May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

AP./864/Nawanshehr/1975-76.—Whereas, I No. Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. See schedule overleaf situated at Nawanshehr (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Nawanshehr in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the

THE SCHEDULE

Plots as mentioned in the Registered Deed No. 2765 of September, 1974 of the Registering Authority, Nawanshehr.

purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely .--

Date: 5-5-1975

Scal:

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./865/Jullundur/75-76.—Whereas, 1 Ravinder Kumar.

being the competent authority under Section 2698 of the Income-tax, Ast, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (See Schedule)

situated at Gopalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

at Jullundur in September 1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1). Shri Amar Singh son of Ditu son of Sham Singh R/o V. Gopalpur alies Bidipur, Jullundur, (Transferor)
- (2) M/s R. K. Mohajan & Co., Basti Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As above in S1. No. 2 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 6221 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Julindur.

Date: 5-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP,/866/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. See schedule.

situated at Islamabad Mohalla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Jullundur in September 1974, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such

transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:-

(1) Smt. Dalip Kaur D/o Sh. Man Singh Mohalla Islama Bad W.G. 228, Jullundur Now at Khalsa Engg. Works, Industrial Area, V. City.

(Transferor)

(2) Smt. Shilo Devi W/o Roop Naryan No. 252, Model Town Jullundur Now at W.G. 228, Islamabad V. City,

- (3) As above in Sr. No. 2. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 6167 of September, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

> RAVINDER KUMAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax, Acquisition Range, Jullandur.

Date: 5-5-1975

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./867/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. see schedule, situated at Jullundur

(and more fully described in the

Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullandur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

39-106GI/75

(1) Sh. Mohinder Pal Alias Janeder Pal Jain S/o Rekhab Dass son of Labhu Ram R/o Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal S/o Kundan Lal, Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5955 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 5-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./868/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. see schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tarlok Singh Sachar S/o Than Singh C/o Harminder Singh S/o Tarlok Singh, 481 L, Model Town, Jullundur City.

(Transferor)

- (2) M/s Chaudhry Housing Organisation, Chaman Lal S/o Hardayal Chand Bhagwati W/o & Dalip Kaur, Ravinder Kumar Ss/o Bhim Sain Vig Gurdial Singh S/o Harnam Singh, Jullundur, (Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5891 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Juliundur,

Date: 5-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th May 1975

Ref. No. AP./869/Jullundur/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. See schedule overleaf

situated at Model Town (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jullundur in September 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhupinder Kaur W/o S. Avtar Singh S/o Sh. Harnam Singh, 615, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferce)

(2) Shri Jaswinder Ram S/o Sh, Phuman Ram & Sh, Gurbachan Singh S/o Lal ingh C/o M/s K. P. Tailors, G. T. Road, Through Lachman Dass S/o Bhagat Jullundur.

(Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 5813 of September 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date: 5-5-1975

(2) Sri Prasanjit Duara C/o Sri P. P. Duara, M.C. Road, Gauhati Subir Gupta, Laban, Shillong-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 12th March 1975

Ref. No. A-89/Shg/74-75/4171-81.—Whereas, I Egbert Singh

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Registration No. 232 situated at Bishhop Cotton Road,

(and more fully described in the Schedule annex-

ed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 25-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Elly Duara C/o H. P. Duara, Bishop Cotton Road, Shillong.

(Transferor)

Date: 12-3-75.

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14400 Sq. ft. approximately with a Bunglow known as Benvilla situated at Bishop Cotton Road, European Ward, Shillong in Khasi Hills District of Meghalaya State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

FORM I.T.N.S.—

(2) Dr. P. K. Barua, Kenchis Trace, Shillong.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 12th March 1975

Ref. No. A-90/Shg/74-75/4185-93.—Whereas, 1 Egbert Singh

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Registration No. 219 situated at Lachaumire, Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shillong on 12-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. P. Rajkhowa, Zoo Road, Gauhati.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 212 Agres covered by North P.W.D. Road, South compound of Mr. M. H. Choudhury, East Compound of Mrs. Arati Das and West P.W.D. Road situated at Lachaumire, Shillong in Khasi Hills District of Meghalaya State,

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong,

Date: 12-3-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 22nd March 1975

Ref. No. Acq. 23--I-340(155)/1-1/74-75.—Whereas, I. J. Kathuria.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 105 T.P.S. No. 3 situated at Sheikhpur-Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 5-9-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income exising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) For & on behalf of Parshvanath Land Organisers, Partners:—
 - Shri Kiritkumar Parshotamdas Patel, Harisiddhkripa Society, Naranpura, Ahmedabad.
 - Smt. Indiraben Navinbhai Patel, Dineshnagar Society, Near Naranpura Rly. Crossing, Ahmedabad.

- Shri Pravinbhai Chunibhai Patel Direshnagar Society, Near Naranpura, Rly. crossing Ahmedabad.
- 4. Smt, Surajben Chunibhai Patel, Dineshnagar Society, Near Naranpura Rly. Crossing. Ahmedabad.
- Shri Dahyabhai Motibhai Patel, Hasmukh Colony, Naranpura, Near Sanghvi High School, Ahmedabad.
- 6. Smt. Prabhaben Mukeshbhai Patel, Harisiddhkripa Society, Naranpura, Ahmedabad.
- Shri Umedbhai Motibhai Patel, Hasmukh Colony, Naranpura, Near Sanghvi High School, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mahendra Mills Ltd., Parshvanath Chambers, IInd Floor, Ashram Road, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 6.5% share of constructed property i.c. 140-49 sq. mtrs. on the 2nd floor of Parshvanath Chambers, bearing F.P. No. 105, T.P.S. No. 3, and situated at Shekhpur-Khanpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-3-1975.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 22nd March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-368(156)/1-1/74-75.—Whereas, I. Kathuria.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 50/6+7+8+15 B of P.T.S. No. 4, situated at Maninagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schadule

annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 18-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Sumanlal Hiralal Shah, (2) Smt. Saritaben Wife of Sumanlal Hiralal Shah, Suryakiran Pam Gali, Gowalia Tarok, Bombay.

 (Transferor)
- (2) 1. Shri Nihchaldas Ghanomal Jagwani, 2. Dr. Motiram Nihchaldas Jagwani, 3. Shri Sadhuram Nihchaldas Jagwani, N. J. Mension, Shantinagar, Saijpur Bogha, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property admeasuring 450 sq. yds. bearing F.P. No. 50/6+7+8+15 B of T.P. Scheme No. 4 and situated at Maninagar, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 22-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 19th March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-341(151)/1-1/74-75.—Whereas, 1 L Kathuria

being the competent authority under section 269D

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 195, 196, F.P. No. 51, S.P. No. 7-6/3, T.P.S. No. 21, situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 11-9-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gautam Balubhai, "Paritosh", Ananadvatika, Opposite 'L' Colony, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Lataben d/o Shantilal Gordhandas Shah, Katakiawad, Dhana Sutharni Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferec)

(3) Shri Harishbhai Chimanlal Gajjar, "Paritosh", Anandvatika, Opp. 'L' Colony, Ambawadi, Ahmedabad,

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 534 sq. yds. bearing Survey Nos. 195 & 196, Final Plot No. 51, Sub-Plot No. 7-6/3 of T.P.S. No. 21 and situated at Paldi, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 19-3-1975.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 19th March 1975

Ref. No. Acq. 23-1-454(152)/1-1/74-75.—Whereas, I. J. Kathuria

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 61, Sub-Plot No. 2 (Part), T.P.S. No. 3 situated at Usmanpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office on the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Rajnikant Vadilal Parekh, 2. Shri Harendra Vadilal Parekh, Ayurvedic Niketan, Hanuman Road, Vile Parle, Bombay-57.

(Transferor)

(2) State Bank of Bikaner & Jaipur, Staff Swapna Siddh Co-op. Housing Society, Railwaypura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3035.5 sq. yds. bearing Final Plot No. 61, Sub-Plot No. 2 (Part) of T.P.S. No. 3 and situated at Usmanpura, Ahmedabad.

I. KATHURIA,

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 19-3-1975.

Seal:

40--106GI/75

(2) Shri Dinkar Gokaldas Parikh, 2218/2, Mali's Khadki, Katakiawad, Kalupur, Ahmedabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee!

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 19th March 1975

Ref. No. Acq. 23-1-455(153)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria.

being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-- and bearing No.

F.P. No. 61, Sub-Plot No. 2 (Part) T.P.S. No. 3, situated at Usmannura, Ahmedahad

at Usmanpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-9-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 369-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Shri Rajnikant Vadilal Parekh, 2. Shri Harendra Vadilal Parekh
 Ayurvedic Niketan, Hanuman Road, Vile Parle,
 Bombay-57.
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 303.5 sq. yds. bearing Final Plot No. 61 Sub-Plot No. 2 (Part) of T.P. Scheme No. 3 and situated at Usmanpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 19-3-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1975

Ref. No. 238/Acq. R-III/Cat/74-75.—Whereas, I. L. K. Balasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17/1B, situated at Ritchi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 3-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijendra Kr. Agarwalla, 4, Bishop Lefroy Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kanahaiyalal Saraf
 - 2. Smt. Sita Devi
 - 3. Shii Nirmal Kumar Saraf
 - 4. Smt. Bimla Devi Khetawat
 - 5. Smt. Bimala Devi Khetawat

16, Tarachand Dutt Street, Calcutta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 12 cottahs 10 chittacks more or less situated at 17/1B, Ritchi Road, Calcutta as per deed No. 1503 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta,

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 3-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1975

Ref. No. 236/Acq. R-III/Cal/74-75.—Whereas, I L. K. Balasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17/1B situated at Ritchi Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Culcutta on 3-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Anand Prokash Agarwalla 4, Bishop Lefroy Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kanahaiyalal Sarat
 - 2. Shri Sita Devi
 - 3. Shri Kumar Saraf
 - 4. Smt. Bimla Devi Khetawat 5. Smt. Bimala Devi Khetawat
 - 16, Tarachand Dutt Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 12 cottahs 10 chittacks more or less situated at 17/1B, Ritchi Road, Calcutta as per deed No. 1501 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 3-3-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA

Calcutta-16, the 3rd March 1975

Ref. No. 237/Acq. R_III/Cal/74-75,—Whereas, J. L. K. Balasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 17/1B situated at Ritchi Road, Calcutta tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 3-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jitendra Kr. Agarwalla, 4, Bishop Lifroy Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) 1, Shri Kanhaiyalal Saraf
 - 2. Smt. Sita Devi
 - 3. Shri Nirmal Kumar Saraf
 - 4. Smt. Bimla Devi Khetawat
 - 5), Smt. Bimala Devi Khetawat

16 Tarachand Dutt Street, Calcutta.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 12 cottahs 10 chittacks more or less situated at 17/1B, Ritchi Road. Calcutta as per deed No. 1502 of 1974 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax. Acquisition Range-III,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 3-3-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th February 1975

Ref. No. Ac-117/R-V/Cal/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 126, 127, 128, 129 & 130 situated at Beneras Road, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Howrah on 20-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kumar Engineering Works (P.) Ltd. P-52, Beneras Road, Lilloch, Howrah.

(Transferor)

(2) Shrimati Sasi Bala Maheswari, w/o Ramesh Kumar Maheswari, 138, Canning Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring more or less one bigha ten cotlahs and fifteen sq. ft. of land at 126, 127 & 128, 129 and 130 Benerus Road, Pelgachia, Howrah which was registered in Sub-Registrar, Howrah under Deed No. 3151 of 1974.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 11th February 1975

Ref. No. Λ -82/G Λ U/74-75/3828-42,—Whereas Egbert Singh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing,

Dag No. 1270, K.P. Patta No. 242 situated at Athgaon, Gauhati Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Syed Md, Habibullah (ii) Syed Md, Mahbullah (iii) Syed Md, Samsul Alam (iv) Syed Md, Aadiul Alam (v) Syed Md Kutubul Alam All of Lakhtokia, Gauhati, (i) Radheshyam Kedia (ii) Shri Bhagwati Prasad Jalan of T.R. Phukan Road, Gauhati.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 10 (Ten) Lechas covered to Dag No. 1270, K. P. Patta No. 242 situated at Athgaon, Gauhati Town in Kamrup District of Assam state.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 11-2-75.

Seal:

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 5th March 1975

Ref. No. LDH/C/412/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Chandigarh, being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Plot No. 6 Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16, of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in September, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) for facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

(1) M/s. Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd; Industrial Area 'A', Ludhiana. Through Shri Piare Lal, Director.

(Transferor)

(2) M/s.Kanwar Engineers, G.T. Road, Ludhiana through Shri Parmod Kumar Goyal, Resident of 280-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, measuring 602 sq. yds. originally belonging to M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd. situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5767 of September, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 5th March 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III,

4/14A, ASAF ARLI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th June 1975

Ref. No. IAC. Acq. III/SR. III/Sept. 1/67(10)/74-75/895-A.—Whereas I, C. V. Gupte,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 32, Block No. 56 situated at East Park Area, Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on 6-9-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1)(i) Smt, Janak Kapoor Wd/o Shri Shadi Lal Kapoor, r/o A-12, Gulmohar Park, New Delhi. herself and Attorney for the following: four vendors (Nos. ii to v).
 - (ii) S/Sh. Nirmal Kapoor and
 - (iii) Dalip Kapoor ss/o Late Shri Shadi Lal Kapoor.
 - (iv) Smt. Veena Dewan d/o Shri Shadi Lal Kapoor and w/o Shri Abinash Dewan r/o A-12, Gulmohar Park, New Delhi and
 - (v) Smt. Shobha Kakar daughter of Shri Shadi Lal Kapoor w/o Shri Ashok Kakar and
 - (vi) Shri Hira Lal Kapoor s/o Shri Rangi Lal Kapoor, r/o 1425, Chandni Chowk Delhi. (Transferors)
 - (2) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Karam Singh; 20% Shri Tilak Raj s/o Sh. Bhagwan Dass: 10% Mr. Ashok Kumar, Kamal Kumar,

Baldev Raj (minors) all sors of Shri
Tilak Raj Kalra through their father and 30%
natural guardian Shri Tilak Raj.

Shri Manohar Lal s/o Shri Bhagwan Dass 10%
Mr, Vijay Kumar (minor) son of Shri
Manohar Lal as natural Guardian
Manohar Lal as natural Guardian
10%
Manohar Lal as natural Guardian
10%
and Shri Prithvi Raj s/o Shri Bhagwan
Dass all residents of 12/12, WEA, Karol 20%
Bagh, New Delhi.

(Transferors)

Ground Floor

- (i) Shri Kulinder Singh Sahni
- (ii) Shri Gopal Dass
- (iii) Shri Hardev Puri
- (iv) Shri Dwarka Nath
- (v) Shri Hari Ram
- (vi) Shri Sant Singh Sahni

First Floor

- (vii) Shri Radhey Lal
- (viii) Shri Gopal Dass

Barsati Floor

- (ix) Shri Sampuran Singh
- (x) Shri Pritpal Singh
- (xi) Shri Mangal Singh
- (3) Persons in occupation of the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A leasehold plot of land mg. 1288.02 sq. yds. alongwith a 2½ storeyed building constructed thereon bearing plot No. 32 Block No. 56, Khewat No. 1, Khata No. 308 Khasra No. 723/21 situated at East Park Arca, Karol Bagh, New Delhi bearing property No. 8294 Ward No. 16 and bounded as under:—

North—Road
East—Service Lane
South—Kothi built on plot No. 31×32

C. V. GUPTE

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,

Acquisition Range III, New Delhi.

Date 7th June, 1975, Seal:

West-Road.

Form I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 2nd June 1975

Ref. No. ARI/947-9/Sept. 74.—Whereas, I. G. S. Rao, the Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay.

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a far market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. 13/722 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at 19-Carmichael Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registry, Bombay on 20-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shirinbai Cowasji Gobhai & Ors. (Transferor)
- (2) Shri Mahendra Vithaldas Shah & Ors. (Transferee)
- (3) Tenants (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of the pension and Tax Tenure the cess whereon has been redeemed situated at 19-Carmichael Road in the City of Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and containing by admeasurement 1241.37 sq. metres or thereabouts and registered along with other land in the Books of the Collector of land revenue under old No. 17 and Collector's New No. 1/88 and Old Survey No. 81 and New Survey No. 7116 (pt) and bearing C.S. No. 13/722 of Malabar & Cumballa Hill Division together with the messuages, tenements or dwelling house and all buildings standing thereon and assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes formerly as part of D Ward No. 3453(p) and Street No. 8-E and which said premises are bounded as follows:—that is to say on or towards the East by the property belonging to R.D. Dubash on or towards the West by the Carmichael Road, on or towards the North by the property of Her Highness the Maharani of Baroda and on or towards the South by the property of Kulsumbai, widow of Meherally Mahomed Fakira.

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 2nd June, 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 11th April 1975

Acq. File No. 192/74-75/J. N. 1(451)/74-75.—Whereas, I, K. Subba Rao.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Door No. 3/13, situated at Thummella Panchayat Mopparru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Moparru on 30-9-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'said Act' or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

S/Shri

- (1) 1. Yelavarthi Venkatarao,

 - Y. Ankineedu
 Mallempati Veeraiah
 Godavarthi Venkatapanduranga Rao,
 - 5. Mallempati Bhushaiah. 6. M. Ramaswamy
 - 7. Dasari Ramanaiah
 - 8. Dasari Venkateswarlu,
 - 9 Kosaraju Umamaheswara Rao.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Kotla Satyanarayana, 2. Kosaraju Uma Maheswara Rao.

 - Godavarthi Kasanswanatam
 Godavarthi Venkatapanduranga Rao.
 - 5. Malepati Subba Rao, 6. Ennamuri Covindaiah

 - 7. Mukkamula Suryaprakasa Rao 8. Ennamuri Venkatachalamaiah,
 - 9. Kolipakula Venkata Subbaiah,
 - 10. Konejeti Subba Rao
 - 11. Badam Venkatanarasimha Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as mentioned in the sale deed dated 9th May, 1974 vide document No. 655 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Mopparru, Guntur Dt.

K. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, KAKINADA

Date: 11-4-1975